www.navpradesh.com

दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, सोमवार, 4 मई 2026 | शुक्ल पक्ष-तृतीया, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 22 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

किसके सिर पर ताज, तय होगा आज: बंगाल में समर्थन या परिवर्तन, बदल जाएगी देश की राजनीति!

रायपुर/दिल्ली/एजेंसी। चार मई यानी सोमवार को भारत के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम आने वाले हैं। तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, केरल के साथ-साथ पुडुचेरी के चुनावी नतीजों से पता चलेगा कि इन राज्यों में किनकी सरकार बनने वाली है, लेकिन ज्यादातर पॉलिटिकल ऑब्जर्वर का ध्यान अगर कहीं सबसे ज्यादा केंद्रित है, तो वह है पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों पर...। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्यों पश्चिम बंगाल का चुनाव इतना महत्वपूर्ण बन गया है? यहां परिवर्तन होगा या समर्थन मिलेगा यह कुछ घंटों बाद तय होने वाला है।

बीजेपी के लिए यह राज्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो जनसंघ के फाउंडर थे, पश्चिम बंगाल उनका गृह राज्य है। यही वजह है कि 1950 से बीजेपी का लगातार प्रयास रहा है ■ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रचार व साधनों में कमी नहीं रही

इस बार के चुनाव में बीजेपी की ओर से हर संभव कोशिश हुई। साधन, प्रचार और संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी गई। सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग तक के आरोप लगे हैं और राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई है। इसके अलावा दूसरा जो अहम कारण है, वह यह है कि यह राज्य बीजेपी के लिए एक बड़ा टेस्ट केस भी है कि वह कितने हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर सकते हैं।

जीत-हार को लेकर कयासों का दौर जारी

पश्चिम बंगाल	294 सीटें	बहुमत 148
तमिलनाडु	234 सीट	बहुमत 118
असम	126 सीटें	बहुमत 65
केरल	140 सीटें	बहुमत 71
पुदुच्चेरी	30 सीटें	बहुमत 16

चुनाव में एक अहम मुद्दा एसआईआर

चुनाव में एक अहम मुद्दा एसआईआर का भी रहा है, वोटर लिस्ट में जो स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हुआ है, वह राज्य के चुनाव में एक ऐसा विषय बना हुआ है, जिसकी वजह से लोगों का पारा भी काफ़ी चढ़ा हुआ है, तनाव भी है और यह एक संवेदनशील मुद्दा भी है। बड़ी संख्या में लोगों के वोट कटे हैं और उस बड़ी संख्या में जो वोट कटे हैं उसमें भी बड़ी संख्या अल्पसंख्यक मतदाताओं की है। यह वोट सेंट्रल बंगाल, मुर्शिदाबाद, मालदा और इनके आस-पास के इलाकों में कटे हैं।

बंगाल की फालता सीट पर फिर होगी वोटिंग

■ **21 मई को दोबारा मतदान, 24 को रिजल्ट**

कोलकाता (ए.)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग रद्द कर दी है। यहां पर 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी और हिंसा की खबरें आई थीं।

चुनाव आयोग ने सभी 285 पोलिंग बूथ पर 21 मई को फिर से वोटिंग कराने का निर्देश दिया है। रिजल्ट 24 मई को आएगा। इसी विधानसभा के एक बूथ पर ईवीएम में भाजपा की बटन के आगे टेप लगा मिला था।

इससे पहले शनिवार को पश्चिम बंगाल में मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में दोबारा मतदान हुआ। न्यूज एजेंसी के मुताबिक दोनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 15 बूथों पर करीब 90% वोटिंग हुई। साउथ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आज बेबाक

जिसका हमे था इंतजार वो घड़ी आ गई... बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव निपटते ही सरकार ने देश की जनता को रिटर्न गिफ्ट दे दिया. कमर्शियल गैस सिलेंडर के मूल्य में 993 रुपये की बढ़ौतरी कर दी. वह चाहती तो यह वृद्धि राउंड फिगर में 1000 रुपये कर सकती थी लेकिन दरियादिली दिखाकर 7 रुपये की राहत दे दी. अब होटलों में खाना महंगा पड़ेगा. हो सकता है बहुत जल्द अब यात्रा करना भी महंगा पड़े क्योंकि रसोई गैस के बाद पेट्रोल और डीजल का नंबर है. बकरे की अम्मा आखिर कब तक खैर मनाएगी. सबकी बारी आएगी.

तापमान

अधिकतम	न्यूनतम
45°	28°

बाजार भाव

गोल्ड	सिल्वर
1,50,820	2,39,000

शेयर बाजार

सेंसेक्स	निफ्टी
76,913.50	23,997.55

विश्व जनसंख्या	भारत जनसंख्या
8,290,409,329	1,474,726,156

दिल्ली लोअर कोर्ट के जज ने किया सुसाइड

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली में कड़कड़डूमा लोअर कोर्ट में तैनात एक न्यायिक अधिकारी अमन कुमार शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

पुलिस और मीडिया को दिए बयान में उनके एक रिश्तेदार ने बताया कि उन्होंने पत्नी के दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या की है। 30 साल के अमन नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के कड़कड़डूमा कोर्ट में डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के फुल-टाइम सेक्रेटरी के रूप में काम करते थे। अमन ने 19 जून 2021 को दिल्ली न्यायिक सेवा जॉइन की थी। उनकी पत्नी स्वाति भी एक न्यायिक अधिकारी है। रिश्तेदार का दावा है कि मरने से पहले पति-पत्नी के बीच जमकर झगड़ा हुआ था। अमन की पत्नी ने बीच-बचाव करने आए ससुर को भी पुलिस की धमकी दी थी।

गरमा-गरम

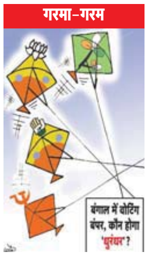

सुशासन तिहार: बच्चों संग खेले क्रिकेट, मिस्त्री के साथ जोड़ी ईंट, लखपति दीदी की दुकान भी पहुंचे मुख्यमंत्री

चंदागढ़ में सीएम की चौपाल

■ **भीषण गर्मी में बरगद की छांव में सजी जनचौपाल, मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर गदगद हुए ग्रामीण**

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जनता की समस्या सुनने आए हैं, समाधान भी करेंगे

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने लखपति दीदी सुमिला कोरवा और पुष्पलता चौहान से आत्मीय संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने जाना कि महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

कच्ची झोपड़ी से पक्के घर का सपना हो रहा साकार: मुख्यमंत्री

■ **भैंसामुड़ा में पीएम आवास निर्माण का किया निरीक्षक, हितग्राही अनुसुइया पैंकरा ने जताया आभार**

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान एक अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक दृश्य ग्राम भैंसामुड़ा में देखने को मिला, जिसने ग्रामीणों के मन में गहरी छाप छोड़ी।

विकासखंड पत्थलगांव के इस दूरस्थ गांव में पहुंचकर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। गांव से गुजरते समय उनकी नजर हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन घर पर पड़ी, जिसके बाद वे तुरंत वाहन से उतरकर मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का बारीकी से अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने न केवल कार्य की गुणवत्ता को परखा, बल्कि वहां कार्यरत श्रमिकों से संवाद भी किया। उन्होंने उनके परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि यही मेहनत प्रदेश के विकास की वास्तविक ताकत है। इस दौरान मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और सादगी का एक अनूठा उदाहरण तब सामने आया, जब उन्होंने स्वयं करणी उठाकर सीमेंट-गारा से ईंट जोड़ते हुए श्रमदान किया। मुख्यमंत्री को अपने हाथों से निर्माण कार्य में सहभागी होते देख वहां उपस्थित ग्रामीण भावुक हो उठे। यह दृश्य केवल एक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

'लखपति दीदी' की किराना दुकान पहुंचे सीएम, खुद चुकाया सामान का मूल्य

■ **मुद्रा लोन से शुरू हुई दुकान बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल**

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के दौरान रविवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अचानक गांव की एक छोटी-सी किराना दुकान पर पहुंच गए।

यह दुकान 'लखपति दीदी' सुमिला कोरवा द्वारा संचालित है, जिन्होंने अपनी मेहनत और संकल्प से आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री श्री साय का हेलीकॉप्टर गांव में उतरते ही वे सीधे हेलीपैड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर

सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-इलायची खिलाकर उनका स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सुमिला से बातचीत कर उनकी जीवन-यात्रा के बारे में जाना। चर्चा के दौरान पता चला कि सुमिला ने मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपए का ऋण लेकर इस किराना दुकान की शुरुआत की थी। आज उनकी दुकान में रोजमर्रा के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मुख्यमंत्री मैदान में उतरे, बच्चों संग खेला क्रिकेट, बढ़ाया उनका हौसला

■ **सादगी और अपनापन: बच्चों के साथ खेलते दिखे मुख्यमंत्री**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान ग्राम भैंसामुड़ा में एक बेहद आत्मीय और उत्साहवर्धक दृश्य देखने को मिला, जब वे शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ के स्कूल परिसर में अचानक पहुंच गए। विद्यालय पहुंचते ही उनकी नजर मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों पर पड़ी, जिनका जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों की इस ऊर्जा ने मुख्यमंत्री को इतना आकर्षित किया कि वे बिना औपचारिकता के सीधे मैदान में उतर गए और उनके साथ क्रिकेट खेलने लगे। मुख्यमंत्री को अपने बीच खेलते देख

बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई और पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर उठा।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से सहज संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खेल के प्रति रुचि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे नियमित रूप से खेलते हैं या नहीं और किस खेल में उनकी विशेष रुचि है। बच्चों के साथ इस आत्मीय संवाद के बीच उन्होंने ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 मौतें, दो घायल

■ **15 लोग बचाए गए, एसी में ब्लास्ट की आशंका**

नई दिल्ली (ए.)। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी।

4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मृतकों की पहचान मुश्किल, जांच जारी

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए।

जबलपुर क्रूज हादसे में 13 मौतें

■ **परिजन ने कहा- एक्सीडेंट नहीं, मर्डर है, पूछा- अब तक कौन सा ऑफिसर अरेस्ट हुआ**

जबलपुर/एजेंसी। 'यह एक्सीडेंट नहीं, मर्डर है... हमें रेमेडी (मुआवजा) नहीं, जस्टिस चाहिए। इसके लिए सारा का सारा एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट रिस्पॉन्सबल है। अभी तक कितने ऑफिसर अरेस्ट किए गए, कितने सस्पेंड किए गए? बोट ऑपरेटर कहां है? उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया गया?

यह आक्रोश क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले कामराज के दोस्त और सहकर्मी का है। उन्होंने सीधे तौर पर टूरिज्म डिपार्टमेंट को कटघरे में खड़ा किया और अफसरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि कामराज की सैलरी 1 लाख रुपए थी, ऐसे में सहायता राशि से नुकसान की भरपाई संभव नहीं है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है, जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी, तब तक न्याय अधूरा रहेगा।

30 अप्रैल को तेज हवा में पलटा गया था क्रूज

30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे एमपी टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी। हादसा किनारे से लगभग 300 मीटर दूर हुआ था। उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी।

कोयला परिवहन घोटाला: 575 ट्रेलर रास्ते में गायब, सीबीआई जांच शुरू

रायगढ़/नवप्रदेश। जिले के पुसौर ब्लॉक स्थित एनटीपीसी लारा प्लांट में कोयला परिवहन से जुड़ा बड़ा घोटाला सामने आया है। आरोप है कि 575 ट्रेलर कोयला प्लांट तक पहुंचे ही नहीं और रास्ते में ही गायब हो गए। इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला करीब तीन साल पुराना बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, कोयला परिवहन में लगे ट्रांसपोर्टरों और एनटीपीसी के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से यह गड़बड़ी हुई है। मामला सामने आने पर एनटीपीसी प्रबंधन ने

शिकायत सीबीआई को सौंपी, जिसके बाद जांच एजेंसी ने संबंधित अधिकारियों और ट्रांसपोर्टरों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

क्या है पूरा मामला: जानकारी के मुताबिक, तलाईपाली माइंस से उत्पादन कम होने के दौरान एनटीपीसी लारा प्लांट को ■ शेष पृष्ठ 8 पर

13 ठिकानों पर पड़ी थी रेड : कारोबारियों और सीए के घर से मिला 3 किलो सोना, 53 लाख रुपए कैश

शराब घोटाला केस में ईडी ने जब्त की 5.39 करोड़ की संपत्ति

■ **रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर चलाया था सर्च ऑपरेशन**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 30 अप्रैल को रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। अब तक की कार्रवाई में 53 लाख रुपए कैश, 3.234 किलो सोना और जरूरी डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। जिसकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ 39 लाख रुपये हैं।

यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। ईडी ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। हालांकि किस व्यापारी के घर क्या कितना मिला, यह डिस्क्लोज नहीं किया गया है। इस घोटाले में अभी 81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई चल रही है और अब तक 380 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

30 अप्रैल को पड़ी थी ईडी की रेड, भारी अवैध कमीशन वसूला गया

30 अप्रैल को ईडी ने दुर्ग और बिलासपुर में रेड मारी थी। दुर्ग में 'अमर इंफ्रा' के संचालक और भाजपा नेता चतुर्भुज राठी के निवास और दफ्तर पर दबिश दी गई थी, भिलाई में गोविंद मंडल के घर फैक्ट्री में भी जांच की गई। दूसरी ओर, बिलासपुर में बड़े सर्राफा कारोबारी विवेक अग्रवाल के घर और सदर बाजार स्थित 'श्री राम ज्वेलर्स' पर ईडी के 10 से ज्यादा अधिकारियों ने छापा मारा था।

हालांकि किसके यहां से कितना कैश सोना बरामद हुआ, इसकी जानकारी ईडी अधिकारियों ने नहीं दी हैं। ईडी को शक है कि इन लोगों ने शराब घोटाले से जुड़ी अवैध रकम को ठिकाने लगाने और उसे वैध दिखाने में अहम रोल निभाया। ईडी की जांच में पहले ही खुलासा हो चुका है कि साल 2019 से 2022 के बीच शराब लाइसेंस, सप्लाई और बिक्री में बड़े स्तर पर गड़बड़ी की गई। आरोप है कि इस दौरान शराब कारोबार से अवैध कमीशन वसूला गया और सरकारी सिस्टम का दुरुपयोग कर हजारों करोड़ रुपए का घोटाला किया गया।

380 करोड़ की संपत्तियां अटैच कर चुकी ईडी

आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) और एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की चार्जशीट के मुताबिक, इस पूरे घोटाले से करीब 2,883 करोड़ रुपए की अवैध कमाई हुई थी। मामले में अब तक कई बड़े नाम सामने आ चुके हैं। इस केस में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपियों में रिटायर्ड आईएएस अधिकारी, आबकारी विभाग के अफसर और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोग शामिल हैं। जांच एजेंसी अब तक करीब 380 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच कर चुकी है।

करोड़ों खर्च, नतीजा शून्य: जलकुंभी में दम तोड़ रही बस्तर की ऐतिहासिक धरोहर दलपत सागर

■ 30 वर्षों से सफाई,सौंदर्यीकरण और योजनाओं के दावे, लेकिन 400 एकड़ का सागर आज भी प्रशासनिक लापरवाही की कीमत चुका रहा

■ रियासतकालीन विरासत पर उदासीनता का पहरा, निगम और सत्ता-विपक्ष की बयानबाजी के बीच दम तोड़ती शहर की पहचान

■ अनिल सामंत

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर रियासतकाल की ऐतिहासिक धरोहर और शहर की पहचान रहे दलपत सागर की मौजूदा तस्वीर प्रशासनिक दावों की पोल खोल रही है। 17वीं शताब्दी में महाराजा दलपत देव द्वारा निर्मित यह विशाल जलाशय आज जलकुंभी की चादर में दफ्न होता नजर आ रहा है। 400 एकड़ में फैला यह ऐतिहासिक सागर कभी जगदलपुर की आन-बान-शान माना जाता था,लेकिन आज इसकी हालत ऐसी है मानो अपनी ही बदहाली पर मदद की गुहार लगा रहा हो।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि पिछले तीन दशकों में इस धरोहर की सफाई, संरक्षण और सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद स्थिति जस की तस क्यों बनी हुई है? योजनाएं बनीं,फाइलें चलीं,बजट स्वीकृत हुए, लेकिन धरातल पर नतीजा वही। जलकुंभी से पटा तालाब,दूषित जल और खत्म होती प्राकृतिक सुंदरता। यह केवल एक जलाशय की दुर्दशा नहीं,बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की विफलता का जीवंत उदाहरण है।

शहर के विस्तार के साथ दलपत सागर में नालों और गंदे पानी का बहाव बढ़ता गया। समय रहते ठोस प्रबंधन नहीं किया गया, जिससे जल प्रदूषण बढ़ा और जलकुंभी ने पूरे सागर को अपनी गिरफ्त में ले लिया। नगर निगम और प्रशासन ने समय-समय पर सफाई अभियान चलाने और संरक्षण की घोषणाएं कीं,लेकिन वे प्रयास अस्थायी साबित हुए। करोड़ों रुपये के खर्च के बावजूद स्थायी समाधान का अभाव साफ दर्शाता है कि या तो योजनाओं में गंभीरता नहीं थी या फिर अमल में पारदर्शिता की कमी रही। इधर दलपत सागर की सफाई और सौंदर्यीकरण को लेकर राजनीति भी गरमा गई है। 9 करोड़ 88 लाख रुपये की राशि को लेकर विपक्ष ने सवाल खड़े किए हैं और इसे जनता के साथ छल बताया है। वहीं निगम प्रशासन का दावा है कि समय-समय पर सफाई की जाती रही है,लेकिन जलकुंभी तेजी से फैलती है, इसलिए अलग-अलग कंपनियों से तकनीकी समाधान पर चर्चा जारी है। सवाल यह है कि यदि वर्षों से यही तर्क दिए जा रहे हैं, तो फिर समस्या का स्थायी समाधान अब तक क्यों नहीं निकला?

शहर की यह धरोहर केवल चुनावी घोषणा पत्रों की शोभा बढ़ाने का माध्यम नहीं हो सकती। दलपत सागर बस्तर की ऐतिहासिक विरासत है,जिसका संरक्षण केवल भाषणों और आरोप-प्रत्यारोप से नहीं,बल्कि ठोस नीति,वैज्ञानिक प्रबंधन और जवाबदेह प्रशासनिक कार्रवाई से ही संभव है। यदि अब भी गंभीर पहल नहीं हुई,तो आने वाली पीढ़ियां केवल तस्वीरों में ही इस धरोहर को देख पाएंगी। अंततः यह मुद्दा किसी एक दल,एक महापौर या एक विपक्षी बयान का नहीं,बल्कि उस सामूहिक असफलता का है जिसने बस्तर की इस अमूल्य धरोहर को धीरे-धीरे मरने के लिए छोड़ दिया।

दलपत सागर की बदहाली की पूरी कहानी

रियासतकाल में स्थानीय आदिवासियों की मेहनत से निर्मित दलपत सागर कभी जगदलपुर की जीवनरेखा और सौंदर्य का केंद्र था। समय के साथ शहर का विस्तार हुआ,लेकिन जलाशय संरक्षण की कोई दीर्घकालिक नीति नहीं बनी। नालों का गंदा पानी इसमें गिरता गया,जल प्रदूषण बढ़ा और जलकुंभी ने पूरे सागर को ढक लिया। इसके बाद सफाई और सौंदर्यीकरण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च हुए,लेकिन परिणाम नगण्य रहे। हर चुनाव में इसे मुद्दा बनाया गया,वादे हुए, योजनाएं बनीं,लेकिन स्थायी सुधार नहीं हुआ। अब 9 करोड़ 88 लाख रुपये की राशि पर नया विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष इसे जवाबदेही का प्रश्न बना रहा है,जबकि निगम प्रशासन तकनीकी चुनौतियों का हवाला दे रहा है। इस बीच दलपत सागर आज भी उसी बदहाली में खड़ा है। एक ऐसी विरासत,जो प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक अवसरवाद की शिकार बन चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

शासकीय प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला तुएगहन का परीक्षा परिणाम घोषित

चारामा/नवप्रदेश। शासकीय प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला तुएगहन के कक्षा 1 ली से 4 थी एवं 6 वीं 7 वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों का सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम की घोषणा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां शारदे की छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवल्लित कर किया गया आये हुए अतिथियों एवं शाला के प्रधान पाठक कुमार लाल सिवना ,दिनेश गजभिये ने अपने उदबोधन में बच्चो को अनुशासन ,समय का सदुपयोग एवं आज्ञापालन करने का संदेश दिया साथ ही साथ उपस्थित पालकों को ग्रीष्म अवकाश मे प्रतिदिन पुस्तक पढने का अभ्यास एवं लेखन अभ्यास नियमित रुप कराने का सुझाव दिया गया प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत रहा कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को पुरुस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया इस अवसर पर ग्राम पंचायत तुएगहन की सरपंच महोदया लिलेश्वरी जुर्री,उपसरपंच गरुड नेताम ग्राम पटेल जीवधर सिन्हा ग्रामिण अध्यक्ष सुरेश अक्षय शिशुपाल कुरैटी पंच,ममता जुर्री पंच ,टीकमसिंह साहु ,सुशीला मंडावी,हिमांशु दुबे ,लक्ष्मी मंडावी ,देवव्रत यादव ,गिरधारी ध्रुवा ,मुरली यादव,समस्त शिक्षक एवं पालकगण उपस्थित हुए।

पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में बरसी खुशियां, मेधावी बच्चों ने लहराया परचम

चारामा/नवप्रदेश। पीएम श्री शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, चारामा में आज कक्षा 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए। परिणाम घोषित होते ही स्कूल परिसर खुशियों से गूँज उठा और छात्र-छात्राओं के चेहरे पर अपनी सफलता की चमक साफ देखी जा सकती थी। विद्यालय के प्राचार्य श्री सीताराम सलाम और प्रधान पाठक शैलेश नाग एवं प्राथमिक, माध्यमिक और हाईस्कूल शाला के समस्त शिक्षकों ने सभी सफल बच्चों को बधाई प्रेषित की। प्राचार्य ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह सफलता बच्चों के कठिन परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। शानदार प्रदर्शनःकक्षा 5वींः नेहल कोडोपी (98%), हर्षवर्धन (97%), योशिता भुआर्या (97%), और वेदांत सिन्हा (95.5%) ने विद्यालय में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।कक्षा 8वींः पल्लवी साहू (94.5%), पवित्रवीर साहू (92.6%), भोजराज (92.6%) और प्रियांश कुमार (91.6%) ने उत्कृष्ट अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और पालकों ने बच्चों एवं शिक्षकों को बधाई दी है।

शब्दोत्सव' में सजेगा साहित्य का मंच, नवनीत कमल की पांच कृतियों का लोकार्पण आज

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर की साहित्यिक चेतना को नई ऊर्जा देने वाला बहुप्रतीक्षित आयोजन 'शब्दोत्सव' रविवार को जगदलपुर के चाँदनी चौक स्थित होटल देवांश में आयोजित होगा। इस अवसर पर बस्तर की चर्चित कवयित्री नवनीत कमल की पाँच महत्वपूर्ण काव्य-पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। यह आयोजन न केवल साहित्यप्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि क्षेत्र की सृजनात्मक परंपरा को भी नई पहचान देगा। अपराह्न 4 बजे से शुरू होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित साहित्यकार एवं छत्तीसगढ़ हिन्दी साहित्य भारती के अध्यक्ष बलदाऊराम साहू करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार हिमांशुशेखर झा उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मदन आचार्य,डॉ. योगेन्द्र मोतीवाला तथा बीएस रामकुमार का सान्निध्य रहेगा।इस अवसर पर नवनीत कमल के कविता संग्रह 'स्मृतियों के मृग' रोशनी से भर गया मन', 'ताड़वनों के बीच में', 'एक नदी-सा मन' तथा नवीनतम खंडकाव्य 'पद्म पयोधि' का औपचारिक विमोचन होगा। इन पुस्तकों पर चर्चित साहित्यकार शरदचन्द्र गौर,डॉ पूर्णिमा सरोज और खुदेजा खान समीक्षात्मक वक्तव्य देंगे। साथ ही चुनिंदा कविताओं का पाठ भी किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन कविता बिजौलिया और राम रजनीश वाजपेयी करेंगे,जबकि सरस्वती वंदना देवश्री गोयल प्रस्तुत करेंगी। आयोजन में प्रेरक वरिष्ठजनों और मनीषियों का सम्मान भी किया जाएगा,जिससे यह समारोह केवल लोकार्पण तक सीमित न रहकर साहित्यिक संवाद का व्यापक मंच बनेगा।नवीनतम कृति 'पद्म पयोधि' विशेष रूप से चर्चा में है,क्योंकि यह भोपालपटनम् के साहित्यकार और जनजातीय संस्कृति के अध्येता लक्ष्मीनारायण पयोधि के जीवन,साहित्य-साधना और उपलब्धियों पर केंद्रित प्रबंध काव्य है। इसकी वजह से आयोजन का महत्व और बढ़ गया है। यह आयोजन बस्तर की साहित्यिक परंपरा,रचनात्मक अभिव्यक्ति और नई पीढ़ी के साहित्यप्रेमियों के लिए प्रेरक अवसर साबित होगा।

भीषण गर्मी में बस्तर के गांवों में गहराया पेयजल संकट

आधा करोड़ खर्च, फिर भी बूंद-बूंद को तरसे ग्रामीण

■ जल जीवन मिशन पर उठे सवाल, सरकार की कमजोर नीति और सुस्त अमला बनी वजह

जगदलपुर/नवप्रदेश। भीषण गर्मी के इस दौर में जब पानी जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाता है,तब बस्तर के अनेक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पेयजल संकट से जूझने को मजबूर हैं। आदिवासी बाहुल्य इलाकों में हालात इतने गंभीर हैं कि ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। यह स्थिति केवल प्राकृतिक चुनौती नहीं,बल्कि सरकारी योजनाओं की कमजोर क्रियान्वयन व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही की पोल खोलती है।

केंद्र सरकार द्वारा आने वाले दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर 'जल जीवन मिशन' के माध्यम से हर घर तक 24 घंटे शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन बस्तर में यह महत्वाकांक्षी योजना जमीनी स्तर पर फेल होती दिखाई दे रही है। करोड़ों की लागत से बनने वाली परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं, जबकि ग्रामीण अब भी बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। इस विफलता का सबसे बड़ा उदाहरण बस्तर जिले के अंतिम छोर पर स्थित, ओडिशा सीमा से सटे ग्राम धनपूंजी में देखने को मिलता है। जनपद पंचायत जगदलपुर अंतर्गत इस गांव में वर्ष 2021 में जल जीवन मिशन के तहत लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग द्वारा 57 लाख 29 हजार रुपये की लागत से पानी टंकी निर्माण शुरू किया गया था। पांच वर्ष बीतने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। परिणामस्वरूप गांव के 350 से अधिक परिवार अब तक इस योजना के लाभ से वंचित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आधा करोड़ से अधिक राशि खर्च होने के बावजूद न तो पूर्ण नल कनेक्शन हुआ और न ही नियमित जल आपूर्ति शुरू हो सकी। कई बार ठेकेदार और अधिकारियों से संपर्क करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जल आपूर्ति शुरू नहीं हुई,तो आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

नोडल एजेंसी पीएचई द्वारा निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदार को भुगतान स्वीकृत नहीं होने के कारण काम अधूरा छोड़ दिया गया। सवाल यह उठता है कि जब योजना के लिए धन आवंटित हुआ,तो समय पर भुगतान और निगरानी क्यों नहीं हुई?

योजना अधूरी, प्यास बढ़ी, जवाबदेही कौन तय करेगा?

धनपूंजी का मामला बताता है कि सरकारी योजनाओं की घोषणा और धरातल पर उसका असर दो अलग वास्तविकताएं हैं। जल जीवन मिशन जैसी महत्वाकांक्षी योजना तब तक सफल नहीं मानी जा सकती,जब तक अंतिम व्यक्ति तक उसका लाभ न पहुंचे। आधा करोड़ से अधिक राशि खर्च होने के बाद भी यदि ग्रामीण प्यासे हैं,तो यह केवल तकनीकी बाधा नहीं, बल्कि जवाबदेही की कमी है। गर्मी के इस संकट में सरकार और विभागीय अमले को त्वरित हस्तक्षेप कर अधूरे कार्य पूर्ण कराने होंगे,अन्यथा जनाक्रोश और गहरा सकता है।

डिजनी पब्लिक स्कूल चारामा का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा

चारामा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया जिसमें डिजनी पब्लिक स्कूल चारामा के कक्षा 10वीं के कुल 32 परीक्षार्थीयों में से 27 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की। कक्षा 12वी विज्ञान संकाय के कुल 20 परीक्षार्थीयों में से 18 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से एवं 02 छात्र ने द्वितीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण किया। कक्षा 12वी के वाणिज्य संकाय के कुल 11 परीक्षार्थीयों में से 05 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 06 ने द्वितीय श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण किया।

शाला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 10वीं की सूची में स्कूल में इशा दुर्गाशी 97.83 (प्रथम), मानसी देवांगन 94.83 (द्वितीय) एवं लुमिता कोसरिया 93.33 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12वीं वाणिज्य संकाय में इशिका साहू 83.0 (प्रथम), चेतन देवांगन 73.60 (द्वितीय) एवं सुहानी देवांगन 71.0 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। 12वीं विज्ञान संकाय में भाव्या अवस्थी 90.40 (प्रथम), अनुग्रही कश्यप 89.20 (द्वितीय) एवं गगन नाविक ने 88.20 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बच्चों की इस आशातीत उपलब्धि पर शाला प्रबंधन समिति द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं उनके माता-पिता को समिति के अध्यक्ष श्रीमति राबिया अब्बास खान

सचिव श्री महेश भोजवानी, कोषाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र मेहता, एवं अन्य सदस्यगण, प्राचार्य श्री ए. आर. निषाद एवं समस्त शिक्षकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है और भविष्य में और ज्यादा मेहनत और लगन से पढ़ाई कर अच्छे अंको से उत्तीर्ण होकर शाला एवं परिवार का नाम रोशन करने हेतु शुभकामनाएं दी।

चारामा अंचल का वीर सपूत संजय गढ़पाले देश के लिए हुआ न्योछावर

■ क्षेत्र में शोक की लहर छायी

चारामा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में माओवादियों की कायराना हरकत ने एक और वीर सपूत को हमसे छीन लिया है। जिला कांकेर-नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्र में डी-माइनिंग ऑपरेशन के दौरान हुए दुखद आईईडी विस्फोट में बस्तर फाइटर्स के तीन जांबाज जवान शहीद हो गए, जिनमें चारामा तहसील के ग्राम हाराडुला के लाडले संजय गढ़पाले भी शामिल हैं।

विस्फोट में तीन जवान हुए शहीद-प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज दिनांक 02.05.2026 को थाना छोटेबेठिया क्षेत्र में सुरक्षा बलों की एक टीम एरिया डॉमिनेशन और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'डी-माइनिंग' (आईईडी खोजने और निष्क्रिय करने) के अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान एक छुपाकर रखा गया आईईडी अचानक विस्फोटित हो गया, जिसकी चपेट में आकर इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, कांस्टेबल कृष्णा कोमरा और कांस्टेबल संजय गढ़पाले गंभीर रूप से घायल होकर घटनास्थल पर ही वीरगति को प्राप्त हुए। एक अन्य जवान, कांस्टेबल परमानंद कोमरा घायल हैं, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधा दी जा रही है।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री सुंदरराज पट्टिलिंगम ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जब कांकेर जिला पुलिस दल आईईडी को निष्क्रिय कर रहा था, तभी वह आकस्मिक रूप से फट गया, जिससे यह दुखद घटना हुई।

गांव में पसरा मातम-संजय की शहादत की खबर जैसे ही उनके गृह ग्राम हाराडुला और चारामा अंचल में पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। गांव के लोग स्तब्ध हैं और उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उनके अंतिम दर्शन और उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उमड़ रहे हैं।

कड़ी मेहनत से हासिल किया था मुकाम

महज 29 वर्षीय शहीद संजय गढ़पाले का जन्म 14 फरवरी 1997 को ग्राम हाराडुला के एक कृषक परिवार में हुआ था। संजय ने प्राथमिक से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई अपने गांव हाराडुला में ही की और कॉलेज (स्नातक स्तर) की पढ़ाई चारामा से कर रहे थे। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने देश सेवा का सपना देखा और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित 'बस्तर फाइटर्स' में उनका चयन हुआ। उनकी नियुक्ति 02.09.2022 को हुई और वे डीआरजी हॉक टीम, थाना छोटेबेठिया में तैनात थे।

दो दिवसीय निःशुल्क शिविर का समापन

■ गर्मी में लू से बचाव, संतुलित खान-पान और समय पर उपचार को लेकर दी गई अहम सलाह

जगदलपुर/नवप्रदेश। स्वास्थ्य जागरूकता और जनसेवा के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क मेडिकल चेकअप शिविर का रविवार को सफल समापन हुआ। कांटीनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल तथा श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में शहर और आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया।

गुरुनानक स्कूल परिसर में आयोजित इस शिविर में गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से लू से बचाव पर जागरूकता दी गई। चिकित्सकों ने लोगों को लगातार पानी पीने,धूप के चरम समय में बाहर निकलने से बचने,हल्का एवं पौष्टिक भोजन करने तथा शरीर में पानी की कमी होने पर तत्काल चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की। डॉक्टरों ने बताया कि लापरवाही डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थितियों को जन्म दे सकती है। शिविर में ऑर्थो, न्यूरो, डाइटिशियन,यूरोलॉजी,जनरल मेडिसिन तथा ईएनटी विशेषज्ञ उपलब्ध रहे। मरीजों का पंजीयन कर प्रारंभिक जांच के बाद नर्सिंग स्टाफ द्वारा संबंधित विशेषज्ञ तक पहुंचाया गया,जहां उन्हें विस्तृत परामर्श मिला। कई मरीजों ने वर्षों से चली आ रही स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए विशेषज्ञ राय प्राप्त की।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ लोगों को जीवनशैली में सुधार,नियमित जांच और रोगों की रोकथाम संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। इस पहल को जनसरोकार से जुड़ा प्रभावी प्रयास माना गया,जिससे बड़ी संख्या में लोगों को राहत मिली।

जगदलपुर में आयोजित इस शिविर में स्कूल प्रबंधन, सिख समाज के पदाधिकारी,चिकित्सा दल और सहयोगी सदस्य सक्रिय रूप से जुड़े रहे। आयोजन में कांटीनेंटल छत्तीसगढ़ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम और श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल के प्रतिनिधियों ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किया। गर्मी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सकों ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी। दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, ओआरएस या नींबू-पानी का सेवन करना, सूती व हल्के रंग के वस्त्र पहनना, दोपहर की तेज धूप से बचना और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना जरूरी बताया गया।

परेशानी: जनता के संकट पर सरकार को घेरा, अघोषित बिजली कटौती पर कांग्रेस का हमला

बिजली बाधित होने से शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ी परेशानी

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले में जारी अघोषित बिजली कटौती को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी ने बिजली व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बिना पूर्व सूचना के लगातार बिजली बाधित हो रही है, जिससे आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त कथन के आरोप बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अनुराग महतो ने मीडिया को जारी किए गए बयान में लगाया।

महतो के अनुसार गर्मी के प्रचंड मौसम में बार-बार बिजली जाने से बुजुर्गों, बच्चों और महिलाओं की परेशानी और बढ़ गई है। दिन के समय नियमित रूप से कई घंटे बिजली बाधित रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं,जबकि रात में भी लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। ग्रामीण इलाकों में स्थिति और अधिक गंभीर बताई जा रही है,जहां कई गांवों में पूरी रात बिजली आपूर्ति नहीं हो रही। इसके साथ ही लो वोल्टेज की समस्या भी लगातार बनी हुई है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि राज्य की वर्तमान व्यवस्था बिजली आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने में विफल रही है। एक ओर लगातार कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं,वहीं दूसरी ओर बढ़ते बिजली बिलों का बोझ भी आम लोगों पर पड़ रहा है। पार्टी ने इसे जनसुविधाओं के प्रबंधन में गंभीर कमी बताया है। कांग्रेस ने अपने शासनकाल की योजनाओं और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उस दौरान प्रदेश में 24 घंटे विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाती थी। बढ़ती मांग के समय अन्य राज्यों से बिजली खरीदकर भी आपूर्ति बनाए रखी जाती थी। इस पूरे मुद्दे पर बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अनुराग महतो ने सरकार से बस्तर संभाग में अघोषित बिजली कटौती तत्काल बंद करने, 24 घंटे नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा लो वोल्टेज समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की।

मातृभूमि की सेवा कर लौटे 'लाल' का गांव में अभिनंदन

फरसगांव/बड़ेडोंगर/नवप्रदेश। भारतीय सेना में वर्षों तक देश की सीमाओं की रक्षा करने के बाद, सेवानिवृत्त होकर अपने गृह ग्राम लौटे उमेश कुमार मांझी जी का आज बड़ेडोंगर में ऐतिहासिक और भव्य स्वागत किया गया। सेना की वर्दी में जब उमेश मांझी अपने क्षेत्र की मिट्टी पर कदम रखे, तो पूरा वातावरण ÷भारत माता की जय÷ और ÷वन्दे मातरम÷ के नारों से गुंजायमान हो उठा।

फूल-मालाओं और गाजे-बाजे के साथ हुआ स्वागत-स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत बड़े डोंगर के बेलभाटा से हुई, जहाँ बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एकत्रित हुए। यहाँ से एक विशाल स्वागत रैली निकाली गई जो जवान के निवास अंधियारीकोट पारा (बड़ेडोंगर) तक पहुँची। रास्ते भर ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर और आरती उतारकर अपने वीर जवान का अभिनंदन किया।

सिलमा में अचानक उतरा मुख्यमंत्री साय का हेलीकॉप्टर, खाट में बैठकर ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। प्रदेशव्यापी 'सुशासन तिहार 2026' के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे, जहां उन्होंने जन चैपाल के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए।

जन चैपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री साय के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखीं, जिन पर मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का समयसीमा में समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इस दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने अपनी आर्थिक कठिनाइयों का जिक्र करते हुए बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मामले पर संज्ञान लिया और आश्वस्त किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री के इस त्वरित निर्णय से भावुक हुए राजेश शुक्ला ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी समस्या को लेकर परेशान थे, लेकिन आज मुख्यमंत्री ने स्वयं उनकी बात को गंभीरता से सुना और समाधान का भरोसा दिया।

गांव-गांव, द्वार-द्वार सुशासन की सरकार

जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 40 दिनों तक श्सुशासन तिहारश् का आयोजन किया जाएगा। अभी तक आप अपने काम को लेकर प्रशासन तक जाते थे लेकिन सुशासन तिहार में हर नागरिक के दरवाजे तक प्रशासन पहुँचगा। इस सुशासन तिहार में शासन आपके बीच आएगी और आपके मांग, समस्या और शिकायतों का समाधान करेगी।

जन चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सरगुजा प्रवास के दौरान 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा में आयोजित जन चैपाल कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन का जानकारी ली और प्राप्त आवेदनों पर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जन चैपाल के दौरान ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी आर्थिक कठिनाइयों को रखते हुए बिजली बिल समाधान और आर्थिक सहयोग के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने आवेदन पर तत्काल संज्ञान लेते हुए श्री शुक्ला को आशवस्त किया कि उनकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफ करने की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी और शासन की ओर से हरसंभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से खुशी जाहिर करते हुए राजेश शुक्ला ने कहा मैं अपनी समस्या को लेकर बहुत परेशान था, लेकिन मुख्यमंत्री जी ने सिलमा शांतिपारा बतौली की इस चैपाल में मेरी बात को बड़े अपनेपन से सुना। मुझे बिजली बिल माफी और आर्थिक मदद का भरोसा मिला है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

न्यूज गैलरी

प्रदेश के पांच सिविल जज जूनियर डिवीजन ने दिया इस्तीफा

बिलासपुर/नवप्रदेश। विधि एवं विधाई कार्य विभाग ने हाईकोर्ट की अनुशंसा पर प्रदेश के पांच सिविल जज जूनियर डिवीजन के त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए अप्रैल मांह में उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में न्यायिक सेवा में पदस्थ पांच सिविल जज जूनियर डिवीजन ने व्यक्तिगत कारण से अपने पद त्याग ने त्यागपत्र दिया था। हाईकोर्ट ने जांच उपरांत पांचों के त्यागपत्र को मंजूर करने विधि एवं विधाई कार्य विभाग से अनुशंसा की थी। इसी कड़ी में विधि एवं विधाई कार्य विभाग ने द्विव सिंह सेंगर सिविल जज जूनियर डिवीजन दुर्ग, प्रिय दर्शन गोस्वामी चतुर्थ सिविल जज जूनियर डिवीजन महासमुंद, कुमारी नंदनी पटेल सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर, कुमारी भामिनी राठी अष्ठम सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर एवं अर्पित गुप्ता प्रथम सिविल जज जूनियर डिवीजन रायपुर के त्यागपत्र को स्वीकार करते हुए उन्हें कार्यमुक्त करने का आदेश जारी किया है। कठिन परीक्षा के बाद चयनित न्यायिक अधिकारियों के सामूहिक त्यागपत्र ने आम जनमानस के बीच सवाल खड़े कर दिया है।

अस्पताल कैंटीनों और केक दुकानों की जांच

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में 'सही दवा-शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार' थीम पर जिले में 15 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत आज बिलासपुर शहर स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों, अस्पताल कैंटीनों एवं केक विक्रेता फर्मों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान यूटोपिया केक शॉप से केक का नमूना लेकर परीक्षण हेतु भेजा गया। जांच के दौरान खाद्य कारोबार संचालकों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विक्रेताओं को कर्मचारियों के लिए अनिवार्य रूप से हैंड ग्लव्स और हेड कवर उपयोग करने, प्रतिष्ठान में खाद्य लाइसेंस प्रदर्शित करने, पेयजल जांच रिपोर्ट उपलब्ध रखने तथा कर्मचारियों का नियमित मेडिकल परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए।

जांजगीर-चांपा में डिजिटल जनगणना अभियान के दौरान मौहाडीह में उत्पन्न आपत्ति का समाधान

मौहाडीह में डिजिटल जनगणना विवाद सुलझा प्रशासन की समझाइश के बाद काम शुरू

बम्हनीडीह/नवप्रदेश। जिला जांजगीर चांपा मे भारत सरकार द्वारा संचालित डिजिटल जनगणना अभियान के दौरान तहसील बम्हनीडीह के ग्राम मौहाडीह मे उत्पन्न आपत्ति का समाधान कर लिया गया है ग्रामीणों से सकारात्मक संवाद और प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद जनगणना कार्य पुनः सुचारू रूप से प्रारंभ कर दिया गया है पूरे क्षेत्र मे अब जनगणना कार्य नियमित रूप से जारी है जानकारी के अनुसार ग्राम मौहाडीह महानदी और हसदेव नदी के संगम क्षेत्र मे स्थित है पूर्व मे बाढ़ और जलभराव की स्थिति के कारण कई ग्रामीण अपने मूल गांव से विस्थापित होकर समीपस्थ ग्राम सिलादेही सीमा क्षेत्र मे निवास कर रहे हैं ग्रामीणों की मांग थी कि उनकी गणना ग्राम सिलादेही के अंतर्गत न कर स्वतंत्र रूप से ग्राम मौहाडीह के रूप मे की जाए । कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी जन्मेजय महोबे तथा जिला जनगणना अधिकारी संदीप ठाकुर के मार्गदर्शन मे जिले भर मे जनगणना कार्य जारी है प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे सही और पूर्ण जानकारी देकर जनगणना कार्य मे सहयोग करें ताकि योजनाओं के निर्माण और क्रियान्वयन मे सटीक आंकड़ों का उपयोग किया जा सके।

अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर की चर्चा

स्थिति की जानकारी मिलते ही तहसीलदार एवं जनगणना चार्ज अधिकारी शशिभूषण सोनी तथा नायब तहसीलदार एवं अतिरिक्त चार्ज अधिकारी संजय बरेठ तत्काल मौके पर पहुंचे उनके साथ राजस्व अमला, प्रगणक और प्रयवेक्षक भी मौजूद रहे अधिकारियों ने ग्रामीणों से विस्तार से चर्चा कर स्थिति का आकलन किया प्रशासनिक टीम ने ग्रामीणों को जनगणना प्रक्रिया, नियमों और वर्तमान प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी दी साथ ही यह आश्वासन दिया गया कि उनकी मांग को सक्षम स्तर पर परीक्षण के लिए आगे भेजा जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों ने सहयोग देने पर सहमति जताई।

ई केवाईसी के नाम पर अवैध उगाही का आरोप

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह विकास खण्ड के ग्राम पंचायत मोहगांव में चल रहे महतारी वंदन योजना के ई केवाईसी के नाम पर महिलाओं से च्वाइस सेन्टर संचालक 50 से 100 रुपए लेकर उनका ई केवाईसी कर रहा है लोगों का आरोप है की च्वाइस सेन्टर संचालक अपने घर में बैठ कर ई केवाईसी कर रहा है और पैसा ले रहा है जब की शासन ने केवाईसी के नाम पर किसी तरह की कोई भी शुल्क लेने से साफ मना किया है पर यहां तो महतारी से ई केवाईसी के नाम पर जमकर पैसे की वसुली की जा रही है लोगों का आरोप है गांव के बहुत सारी महिलाओ से पैसे लिये गये हैं की इसकी पुरी जानकारी ब्लाक मुख्यालय में बैठे अधिकारी को भी है पर उनके द्वारा इस अवैध रूप से लिये जा रहे पैसे को रोकने में कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है जिससे न चाहते हुए भी मजबूरी में महिलाएं ई केवाईसी के नाम पर पैसा देने को मजबूर हैं ।

करीब 3 सौ से 350 तक महतारी का होना है ई केवाईसी

ग्राम पंचायत मोहगांव के लोगों ने बताया की गांव के करीब 350 महिलाओं का महतारी वंदन योजना में ई केवाईसी होना है जिसे लेकर च्वाइस सेन्टर संचालक 50 से 100 रुपए तक लेकर घर में बैठ कर ई केवाईसी कर रहा है जब की उसे पंचायत भवन या किसी चौक चौराहे या शासकीय भवन में बैठ कर ई केवाईसी करना है पर यहां तो च्वाइस सेन्टर संचालक अपनी मनमानी करते हुए अपने घर में बैठ कर केवाईसी कर महिलाओं से पैसा लेकर ई केवाईसी कर रहा है । अवधेश सूर्यवंशी, च्वाइस सेन्टर संचालक मोहगांव ने कहा कि जिनका सुधार किये थे उनका पैसा लगा था सब से पैसा नहीं लिया गया है घर में फोटो कापी मशीन है इसी कारण घर में किया गया है।

हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। हत्या के तीनों आरोपियों को सरकंडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना में संलिप्त 3 आरोपी और 2 विधि से संघर्षरत बालक पकड़ाए हैं। घटना मे प्रयुक्त आला जरब को पुलिस ने जब्त किया है।

पुलिस के अनुसार अभय यादव पिता संतोष यादव उम्र 19 वर्ष निवासी गुड़ीपारा संतोषी चौक मोपका बिलासपुर के द्वारा थाना सरकंडा मे रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसके बड़े पिताजी का लडका ओम प्रकाश यादव है जिसका सुरन्द्रे गैरेज मोपका के सामने रहने वाली लड़की से दोस्ती थी जो 1 मई को ओम प्रकाश यादव उक्त लड़की के घर पास बातचीत कर रहा था तभी बगल मे किराये से रहने वाले अजीत सूर्यवंशी और उसके दोस्तो से ओम प्रकाश यादव का वाद विवाद हो गया था जो 2 मई को रात्रि करीबन 10:30 बजे कलकत्ता स्वीट्स के सामने मोपका चौक के पास ओम प्रकाश यादव अपने साथी अभिषेक यादव, पकज साहू, अजय साहू के साथ पूर्व मे हुए विवाद का सुलह बात चीत करने अजीत सूर्यवंशी और उसके दोस्तो के पास गये थे तभी बातचीत करने के दौरान आशीष सूर्यवंशी, महावीर सूर्यवंशी ,रघुवीर सूर्यवंशी एवं 02 विधि से संझर्षरत बालको द्वारा अश्लील गाली गलौच करते जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने लगे मारपीट करने के दौरान आशीष सूर्यवंशी द्वारा अपने कमर मे छुपाकर रखे धारदार चाकू निकालकर अभिषेक यादव के गले मे वार कर दिया जिससे अभिषेक यादव के गले के सामने का हिस्सा कट गया और लहुलुहान हो गया एवं ओम प्रकाश यादव को मारपीट करने से उसके गले एवं हाथ मे कई जगह चोट लगी है। जिसे देखकर आरोपी लोग वहां पर से भाग गये। घायल अभिषेक यादव एवं ओम प्रकाश यादव को उसके दोस्तो द्वारा ईलाज हेतु अपोलो अस्पताल ले गये जहां डांक्टर द्वारा अभिषेक यादव को मृत घोषित कर दिया। प्रार्थी की रिपार्ट पर थाना सरकंडा मे अपराध दर्ज किया गया। थाना प्रभारी सरकंडा प्रदीप आर्य के नेतृत्व में मोपका चौकी प्रभारी ओपी कुर्रे व एसीसीयू की टीम गठित कर तत्काल आरोपीयो को अलग अलग जगहो से भारी मशक्कत के बाद घेराबंदी कर पकड़ा गया अग्रिम वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

नशामुक्ति अभियान व शराबबंदी पर ग्राम करका में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

करगीरोड (कोटा)/नवप्रदेश। कोटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत करका की ग्राम सभा में आज एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल के तहत नशामुक्ति अभियान एवं शराब बंदी संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। यह प्रस्ताव सरपंच कालेश्वर भानु की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा में पारित हुआ।

ग्राम सभा ने यह स्वीकार किया कि ग्राम क्षेत्र में मद्यपान एवं मादक पदार्थों का सेवन सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ावा दे रहा है। इसको ध्यान में रखते हुए ग्राम के समग्र विकास एवं सामाजिक सुधार के उद्देश्य से पंचायत क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, विक्रय एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव के अनुसार, राज्य शासन के प्रचलित आबकारी अधिनियम के तहत प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

साथ ही, नशामुक्ति के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाए जाएंगे तथा ग्राम स्तर पर सुदृढ़ निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस कार्य में महिला समिति एवं स्वयं सहायता समूहों को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अभियान को सशक्त बनाने हेतु जन स्वास्थ्य सहयोग संस्था, गनियारी द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत शराब से प्रभावित व्यक्तियों के स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार, आजीविका संवर्धन एवं पुनर्वास संबंधी प्रयास किए जाएंगे। ग्राम सभा करका ने 'नशामुक्त एवं स्वस्थ ग्राम' के निर्माण हेतु अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया।

गड्ढे में बाइक सवार दंपती गिरी, 6 वर्षीय मासूम गंभीर

बिलासपुर/जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। एक साधारण मजदूर परिवार पर अचानक ऐसा दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जिसने पूरे परिवार की जिंदगी बदल कर रख दी। ग्राम हरदी जरवे, जिला जांजगीर-चांपा निवासी धनेश्वर कुमार साहू अपनी पत्नी और 6 वर्षीय मासूम बेटी के साथ 26 अप्रैल को इलाज के लिए जांजगीर गए हुए थे। इलाज के बाद जब वे वापस अपने गांव लौट रहे थे, तभी नैला फाटक और कन्हाई बंद अंडर ब्रिज के बीच सड़क पर बने बड़े गड्ढे के कारण उनकी छोटी गाड़ी अनियंत्रित हो गई। हादसे में उनकी पत्नी और 6 साल की बेटी सड़क पर गिर पड़े। पत्नी को मामूली चोटें आईं, लेकिन मासूम बच्ची के सिर में गंभीर चोट लग गई। हादसे के तुरंत बाद बच्ची बेहोश हो गई और उसकी हालत बेहद नाजुक हो गई। परिजन बच्ची को तत्काल जांजगीर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए बिलासपुर रेफर कर दिया। वर्तमान में बच्ची का इलाज बिलासपुर स्थित स्टार चिल्ड्रन हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक के पास चल रहा है।

राजधानी ट्रेवल्स की बस पलटी, 13 लोग घायल

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। चांपा बिर्रा मार्ग में गोविंदा मोड़ से थोड़ा आगे रविवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया, जहां सुबह 07:40 बजे राजधानी बस क्रमांक सीजी10 जी1035 अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के समय बस यात्रियों से भरी हुई थी। दुर्घटना में लगभग 13 यात्री घायल हो गए, जिनमें कई लोगों को सिर, हाथ, कंधे और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस चांपा से बिर्रा की ओर जा रही थी, तभी सामने अचानक एक बाइक चालक आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक ने बस मोड़ी, लेकिन तेज बस की रफ्तार काफी अधिक होने के वजह से पूरी बस पलट गई। हादसे के बाद बस के अंदर चीख पुकार मच गई और यात्रियों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घायल यात्रियों ने बताया कि बस शुरू से ही तेज गति में चलाई जा रही थी। कई यात्रियों ने रास्ते में चालक को धीरे चलाने की बात कही थी, लेकिन उसने किसी की

बात नहीं सुनी। कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि चालक शराब सेवन किए हुए था और उसी हालत में बस चला रहा था। लोगों का कहना है कि यदि चालक सावधानी से वाहन चलाता तो यह बड़ा हादसा टाला जा सकता था। यात्रियों ने बस कंपनी पर ऐसे चालकों को जिम्मेदारी सौंपने का आरोप लगाया है। घटना के बाद किसी तरह यात्री बस से बाहर निकले। मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। जब ग्रामीणों ने चालक से हादसे का कारण पूछा तो उसने बताया कि बस कंपनी द्वारा लगातार 2 से 3 रातों से बस को बारात और किराया कार्य में लगाया गया था। लगातार ड्यूटी और पर्याप्त नींद नहीं मिलने के कारण वह बेहद थका हुआ था। चालक ने माना कि थकान और झपकी जैसी स्थिति के कारण वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और बस पलट गई। इस खुलासे के बाद बस कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों और यात्रियों ने आरोप लगाया कि राजधानी बस कंपनी ने ज्यादा कमाई के लालच में 38 सीटर बस में करीब 48 से भी अधिक यात्रियों को बैठा दिया था। कई लोग सीट के बिना सफर कर रहे थे, जबकि कुछ यात्री खड़े हुए थे। यात्रियों का कहना है कि क्षमता से अधिक सवारी बैठाने के कारण बस का संतुलन भी बिगड़ा और हादसा गंभीर हो गया। क्षेत्र के लोगों ने ओवरलोडिंग करने वाले बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सम्मानः शानदार प्रदर्शन, खुली कार में टॉपरों की शोभायात्रा, डीजे-आतिशबाजी के बीच पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

सीजी टॉप-10 में जगह बनाने वाली माही के सम्मान में निकला रोड शो

सीपत/नवप्रदेश। कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में छत्तीसगढ़ प्रवीण्य सूची (टॉप-10) में 9वां स्थान हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सीपत की छात्रा माही कश्यप (97.67) के सम्मान में रविवार को सीपत में अभूतपूर्व उत्सव का माहौल देखने को मिला। सुनील कोचिंग क्लासेस के संचालक सुनील निर्मलकर के नेतृत्व में टॉपर विद्यार्थियों का भव्य रोड शो निकाला गया, जिसने पूरे क्षेत्र को गौरव और खुशी से भर दिया।

खुली कार में सवार होकर माही कश्यप के साथ अन्य मेधावी छात्राएं गौरी साहू (दर्राभाठा-95.16), आंचल साहू (गुड़ी-94.63), संजना कौशिक (सीपत-92.00) नगर भ्रमण पर निकलीं। रोड शो कोचिंग संस्थान से प्रारंभ होकर थाना चौक, बस स्टैंड, नवाडीह चौक होते हुए पुनः कोचिंग क्लासेस पहुंचा। इस दौरान जगह जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर टॉपरों का भव्य स्वागत किया, वहीं पटाखों और लड़ी फोड़कर खुशी का इजहार किया गया। डीजे की धुन पर कोचिंग के विद्यार्थी झूमते नजर आए और पूरे रास्ते उत्सव जैसा माहौल बना रहा। टॉपर छात्रों को देखने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे यह आयोजन किसी विजय जुलूस से कम नहीं लगा। इस वर्ष सुनील कोचिंग क्लासेस सीपत ने कक्षा 10वीं में शानदार परिणाम देते हुए कई विद्यार्थियों को 80 से अधिक अंक दिलाए। प्रमुख टॉपर विद्यार्थी माही कश्यप सीपत 97.67 (सीजी टॉप

10), गौरी साहू (दर्राभाठा) 95.16, आंचल साहू (गुड़ी) - 94.63, संजना कौशिक (सीपत) 92.00, पुष्पा राज (ठरकपुर) 91.66, किरण पटेल (खैरा) 91.16, योगेश्वरी (सीपत) 91.16, पुष्पा राज (ठरकपुर) 91.66, कामिनी साहू (गुड़ी) 90.00, भूमिका साहू (मचखण्डा) - 89.67, रिया यादव (पंधी) 89.00, प्रकृति श्रीवास (सीपत) 88.66, नरगिस खान (पंधी) 88.66, हर्ष साहू (पोड़ी) 88.87, काम्या साहू (दर्राभाठा) 88.66, विक्रम कुमार (मचखण्डा) 88.50, प्रिंसी साहू , (सीपत) 88.16, गोविन्द पटेल (ठरकपुर) 88.50, राधिका साहू (दर्राभाठा) 87.50, स्नेहा वर्मा (पोड़ी) 87.67, भावना पाटनवार (परसाही) , 85.16, रितिका कंवर (सीपत) , 84.83, जयप्रकाश साहू (दर्राभाठा) 83, कुमकुम गोस्वामी (पंधी) 81.33, मानसी साहू (गुड़ी) 81.00, संध्या कोयराला (दर्राभाठा) 80.00, स्नेहा यादव (जांजी) 80 प्रतिशत रहा। वहीं कक्षा 12वीं में भी संस्थान का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा जिसमें अंबा प्रसाद साहू (पंधी) 96 प्रतिशत चन्द्रप्रभा श्रीवास (पोड़ी) 94.20, आस्था साहू (झलमला) 89.80, श्रुति करियारे (भिलमी) 89.20, मानसी साहू (झलमला) 88.40, राज साहू (मचखण्डा) 88.00 प्रतिशत रहा।

सेंट मेरी स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

करगीरोड (कोटा)/ नवप्रदेश। कोटा नगर के सेंट मेरी स्कूल फिरंगी पारा का छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा का परिणाम सत प्रतिशत रहा। कक्षा 10वी में सत्यम कुमार लहरे ने 94% अंक के साथ प्रथम स्थान , जान्हवी मीका ने 92.33% अंक के साथ द्वितीय स्थान और अनोखी यादव ने 91.16% के साथ तृतीया स्थान प्राप्त किये। वही 12वी में ओम जायसवाल ने 89% के साथ प्रथम स्थान, अंकित टोंडे और सुजल कुमार देवांगन ने 84.40% के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया और तृतीया स्थान मे समीर बंजारे रहे जिन्होंने 83.60% अंक प्राप्त किये सभी विद्यार्थियों ने कोटा नगर और स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल प्रबंधक और शिक्षको ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वला भविष्य की कामना की हैं।

सुविचार

दुनिया की सबसे अच्छी किताब हम खुद हैं। अपने आप को समझ लीजिये आपकी हर समस्या का समाधान हो जाएगा।

बांग्लादेशी सांसद का शर्मनाक बयान

बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आज घोषित हो जाएंगे. वहां किसकी सरकार बनेगी और उसका राष्ट्रीय राजनीति पर कैसा असर पड़ेगा इसे लेकर पिछले चार दिनों से खबरिया चैनलों पर राजनीतिक विश्लेषक माथापच्ची कर रहे हैं. आगे इस पर और विश्लेषण होता रहेगा. यह स्वाभाविक है किंतु बंगाल के चुनाव परिणाम को लेकर बांग्लादेश के एक सांसद अख्तर हुसैन ने वहां की संसद में चौंकाने वाला बयान दिया है जो शर्मनाक है. उक्त सांसद ने चिंता व्यक्त की है कि यदि बंगाल में भाजपा की सरकार बन गई तो बांग्लादेश मुसीबत में पड़ जाएगा. क्योंकि भाजपा ने घोषणा कर रखी है कि बंगाल में उनकी सरकार बनने पर वे बंगाल में डेरा डाले पड़े लाखों बांग्लादेशी घुसपैठिये को खदेड़ देगी. बांग्लादेशी सांसद अख्तर हुसैन का कहना है कि ऐसा हुआ तो बांग्लादेश के कंधो पर लाखों शरणार्थियों का बोझ बढ़ जाएगा. कितनी घटिया सोच है इस सांसद की जो अपने ही देश के नागरिकों को शरणार्थी बोल रहा है और उन्हें बोझ बता रहा है. बांग्लादेश के कट्टरपंथी दिल से दुआ करते आ रहे हैं कि बंगाल में कभी भी भाजपा की सरकार न बने ताकि बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ बदस्तूर जारी रह सके. उनकी चिंता घुसपैठियों को खदेड़े जाने को लेकर तो है ही उससे बड़ी चिंता इस बात को लेकर है कि बंगाल में भाजपा की सरकार बन जाने पर बांग्लादेश से घुसपैठ पर प्रभावी रोक लग जाएगी. गौरतलब है भारत - बांग्लादेश सीमा पर फेंसिंग का काम अभी तक अधर में लटका हुआ है क्योंकि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी केन्द्र सरकार के बार बार अनुरोध करने के बावजूद जमीन उपलब्ध कराने को तैयार ही नहीं हुई थी. वे तो चाहती रही हैं कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिये बंगाल में आते रहे और उनका वोट बैंक बढ़ता रहे. इसीलिए वे घुसपैठियों को बसाती रही हैं और तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराती रही हैं. इन अवैध नागरिकों की बदौलत ही वे पन्द्रह सालों से सत्ता के सिंहासन पर विराजमान रही हैं लेकिन इस बार उनके प्रबल विरोध के बाद भी चुनाव आयोग ने बंगाल में एफआईआर कराकर लाखों बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए. अब भाजपा की सरकार बनती है तो जाहिर है चुन चुनकर बांग्लादेशी घुसपैठिये खदेड़े जाएंगे और सीमा की फेंसिंग हो जाने तथा सीमा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम हो जाने से बांग्लादेश से घुसपैठ नहीं हो पाएगी. यही वजह है कि बांग्लादेशी सांसद अख्तर हुसैन बंगाल में भाजपा की सरकार बनने पर चिंता जता रहा है और अपने ही देश के नागरिकों को बोझ बता रहा है.

पंजाब के सीएम मान पर विपक्ष का आरोप

एक मई मजदूर दिवस पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया था जिसमें विपक्ष ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर आरोप लगाया कि वे शराब पीकर सदन में आए हैं इसलिए उनका मेडल चेकअप कराया जाए. विपक्ष के नेता बाजवा ने मुख्यमंत्री मान के शराब पीकर आने को पंजाब विधानसभा के इतिहास का काला दिन बताया और कहा कि जिस राज्य का मुख्यमंत्री ही शराब के नशे में चूर रहता हो वह नशे के खिलाफ लड़ाई क्या करेगा. कांग्रेस और अकाली दल शिरोमणि के विधायकों ने सीएम मान पर सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और सदन में जमकर हंगामा किया.इस पर भगवंत सिंह मान भड़क गए विपक्ष के नेता का विधानसभा के खर्चे पर इलाज कराने की बात करने लगे. उनकी जुबान लड़खड़ा रही थी और अंधे को भी दिखाई दे रहा था कि वे शराब के नशे में धुत हैं. भगवंत मान पर पहले भी शराबखोरी के आरोप लगते रहे हैं लेकिन यह पहली बार हुआ है कि वे दिन दहाड़े शराब पीकर सदन में पहुंच गए. अब पूरी आम आदमी पार्टी मान के बचाव में उतर आई है और विपक्ष के आरोप को राजनीति प्रेरित करार दे रही है. इस मामले को लेकर पंजाब में नया सियासी बवाल खड़ा है गया है. जिसका खामियाजा आम आदमी पार्टी को अगले साल होने जा रहे पंजाब विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है. गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब को उड़ता बनाने का पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया था पंजाब को नशे के अभिशाप से मुक्ति दिलाने का वादा करते हुए चुनाव लड़ा था. जो प्रभावी सिद्ध हुआ और पंजाब में आम आदमी पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त हुआ. किंतु नशे के खिलाफमान सरकार कैसी लडाई रही है इसका सहज ही अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वहां का मुख्यमंत्री खुद नशे में चूर रहने के आरोप से घिरता रहता है. निश्चित रुप से उनका यह आचरण शर्मनाक है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

सद्‌गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

- श्री कृष्ण जो श्रेष्ठ दे सकते हैं वह अश्नु दे सकते हैं, विरहानंद के अश्रु !
- भगवान के द्वार में संत के द्वार में गुरू के द्वार में केवल प्रेम धन मिल सकता है और कोई धन नहीं।

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1919 - अमानुल्ला खान द्वारा ब्रिटिश भारत पर आक्रमण। 1998 - 'यूरो' को यूरोपीय मुद्रा के रूप में स्वीकार करने का यूरोपीय नेताओं का ऐतिहासिक फैसला। 2002 - अमेरिकी मीडिया ने परवेज मुशर्रफ़के जनमत संग्रह को 'शर्मनाक जनमत संग्रह' बताया। 2003 - आस्ट्रेलिया के स्टीव वॉ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। 2004 - वेस्टइंडीज ने छठे एक दिवसीय मैच में इंग्लैंड को चार विकेट से परास्त किया। 2006 - पाकिस्तान और ईरान ने 3 देशों की गैस पाइप लाइन परियोजना से भारत को अलग करने के उद्देश्य से द्विपक्षीय गैस पाइप लाइन करार पर दस्तखत किए। शिक्षाविद कमलेश पटेल को ब्रिटेन के हाउस आफ़लार्ड्स में ग़ैर दलीय पीयर नियुक्त किया गया। 2008 - टाटा स्टील लिमिटेड को ब्रिटेन में कोयला खनन करने का पहला लाइसेंस प्राप्त हुआ। पाकिस्तानी जेल में सज़ा काट रहे भारतीय क़ैदी सरबजीत सिंह की फाँसी की सज़ा अनिश्चित समय तक टाली गई। नेपाली प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला संविधान सभा के लिए चुने गये।

गौ संरक्षण में असंख्य चुनौतियां

गौवंश की रक्षा और उन्हें 'राष्ट्रमाता' घोषित करने के लिए चलाया गया हालिया राष्ट्रव्यापी अभियान मुझे कुछ अलग व भ्रमित करन वाला लगा. यह मुझे संघ प्रमुख गुरु गोलवलकर द्वारा 1952 में शुरू किए गए अभियान की भी याद दिलाता है. इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले महीनों में ताजा अभियान अगर जोर पकड़ता है तो कितना पकड़ेगा. पंडित नेहरू द्वारा गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने से इनकार के बाद, आंदोलन शांत पड़ गया था, लेकिन 1966 में इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने पर यह फिर से जोर पकड़ने लगा था पर फिर कमजोर पड गया.

अभिलाष खांडेकर

साधु-संतों के नेतृत्व में नवगठित भगवा समूह 60 वर्षों के बाद गौहत्या पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक और व्यापक अभियान चलाता नजर आ रहा है. क्या यह विश्व हिंदू परिषद (विहिप) द्वारा वर्षों पहले शुरू किए गए राम मंदिर आंदोलन की तरह होगा? विहिप का अभियान 2024 में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, लेकिन इस दौरान भारी सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल हुई और सैकड़ों लोगों की जाने गई. किंतु उसने एक नई राह दिखा दी थी.

मुझे लगता है कि गाय बचाओ अभियान भाजपा के नेतृत्व में धीरे-धीरे गति पकड़ रहे 'हिंदू राष्ट्र' आंदोलन का हिस्सा हो सकता है. लेकिन फिलहाल मैं इसे भाजपा के किसी गुप्त योजना का हिस्सा नहीं कहूंगा. राम और 'गौमाता' कई मामलो में अलग है, आदोलनवादी भले एक वृहद परिवार से हो.

गाय को राजनीतिक उदेश्य से उपयोग करने के मैं खिलाफहूँ हालांकि यह दशकों से एक संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है.

पूजनीय पशु के संरक्षण का किसी को विरोध नहीं करना चाहिए; हां, एक बहुलवादी समाज में यह बहस का विषय जरूर है कि क्या गाय सबकी माता के समान है? भारत में हमने नदियों को माता का दर्जा दिया और देखिए आज 'मां नर्मदा' या 'गंगा मैया' की कैसी दयनीय स्थिति है.

गायों से जुड़ी चुनौतियां व्यापक और बहुआयामी हैं. वर्ष 2019 की पशुधन गणना के अनुसार, लगभग दो करोड़ पशु (बैल, बछड़े और गाय) देश में हैं 55-60 प्रजातियाँ भी है, जिनमें से बहुत कम की ही उनके मालिक अच्छी तरह से देखभाल करते हैं. गणना से पता चला कि गायों की संख्या में वृद्धि हुई है, परंतु बैलों की संख्या में कमी आई है. साथ ही, 2012 की पिछली गणना की तुलना में देसी गायों की संख्या में लगभग छह प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि विदेशी या संकर नस्ल की गायों की संख्या में वृद्धि हुई है. दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कई राज्यों में गौशालाओं का व्यापक जाल होने के बावजूद, उन्हें न तो उचित भोजन मिलता है और न ही आदर्श परिस्थितियों में रखा जाता है, साफ पानी भी नहीं मिलता 'माताओं' को. उदाहरण के लिए, मध्यप्रदेश गौशालाओं को मदत करता है और वहां कानून भी लागू हैं. शिवराज सिंह चौहान ने तो मध्यप्रदेश में इस 'पूजनीय पशु' से संबंधित सभी मुद्दों से निपटने के लिए गौ-कैबिनेट बनाया था.पर आगे कुछ नहीं हुआ.

यह वाकई दुःखद है कि पूरे भारत में ये गायें शहरों और राजमार्गों पर दिन-रात घूमती-फिरती और डेरा डाले रहती हैं और कार-बस-ट्रक चालकों के लिए एक गंभीर खतरा बनी हुई हैं. लेकिन भगवा स्वयंसेवक, जो गायों से 'प्रेम' करते हैं, स्वयं गायों की सुरक्षा के लिए शायद ही कभी कोई ठोस कदम उठाते हैं. दुर्घटनाओं में जानवर और मानव जीवन दोनो की हानि का कारण बनते हैं, जिसके बारे में नितिन गडकरी कहते रहते हैं कि उन्होंने सड़क हादसों को रोकने की कोशिश की लेकिन असफल रहे. बेशक, सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों का एकमात्र कारण गायें नहीं हैं.

अगर गोवंश को बचाना है तो इसके लिए केंद्रीय कानून या सभी राज्यों को अपने कानून बनाने होंगे. कुछ राज्यों में कानून तो हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन लचर है. जब राष्ट्रीय पशु बाघों को बचाने की बात आई तब वन राज्यों का विषय था. प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर संविधान में संशोधन के लिए उनकी सहमति प्राप्त की और इसे समवर्ती सूची में शामिल किया और एक ही झटके में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 लागू कर दिया.यह था काबिल नेतृत्व !

गौ-संरक्षण की मांग करने वाले और जिलाधीशों को ज्ञापन सौंपने वाले, जिन्हें मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों तक भेजा जाना है, इस तथ्य से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं कि भारत में घास के खुले मैदान (चरागाह) तेजी से सिकुड़ रहे हैं. इसका कारण भूमि की बढ़ती लागत, दोषपूर्ण ग्रामीण योजनाएं और भयावह शहरीकरण है. एक समय था सार्वजनिक चरागाह भूमि प्रचुर मात्रा में थी. लेकिन राज्यों के नेता बिना सोचे-समझे इनमें कटौती करते रहे. सर्वोच्च न्यायालय के कारण अब यह स्थानीय ग्रामीण क्षेत्र के दो प्रतिशत पर स्थिर है, जो स्पष्ट रूप से अपर्याप्त है. चरागाह भूमि के तेजी से गायब होने का सीधा असर गायों के आहार और उनके द्वारा उत्पादित दूध की गुणवत्ता पर पड़ता है. हम कैसा दूध पीते है हमें ही नहीं मालूम. मशीनीकृत कृषि पद्धतियों ने जुताई आदि में काम करने वाले बैलों को हटा दिया है. इस प्रकार वे बेकार हो गए और उन्हें बूचड़खानों में मारकर भैंस के मांस के साथ निर्यात किया जाता है. इससे सरकार खूब पैसा कमाती है. फिर कृत्रिम गर्भाधान से बछड़ें पैदा हो रहे हैं और हरी घास की जगह कारखानों में बने खाद्य पदार्थों ने ले ली है.अवैध व्यापार बेरोकटोक चल रहा है, भाजपा की सरकारें सब जानती है.

एग्री स्टैक: भारत की डिजिटल कृषि क्रांति

डॉ. देवेश चतुर्वेदी

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। इस क्षेत्र में कुल श्रमशक्ति का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा जुटा हुआ है। पिछले दशक में सरकार की ओर से उत्पादन/उत्पादकता बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण, खेती की लागत में कमी लाने, कृषि उत्पादों की बेहतर कीमत अर्जित करने, जलवायु के अनुकूल ढालने और जोखिमों को कम करने की बहुआयामी रणनीति के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए गए हैं।

केन्द्र प्रायोजित या केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के जरिए किसानों को विभिन्न सेवाओं या लाभों की निर्बाध, पारदर्शी और कुशल आपूर्ति संघीय या राज्य स्तर की सरकार की प्राथमिकता है। कुल कृषि भूमि का स्वामित्व और उस भूमि पर बोई गई फसलों का इतिहास किसी भी योजना के लाभ के लिए किसी भी किसान (चाहे वह मालिक हो, पट्टेदार हो या फिर बटाईदार हो) की पात्रता के आकलन की जरूरी शर्त है। हालांकि, देश भर में भूमि से संबंधित प्रशासन में पायी जाने वाली व्यापक भिन्नताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं।

स्वामित्व और बुवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को संकलित करने वाले एक मानकीकृत किसान डेटाबेस के महत्व एवं जरूरत को पहचानते हुए, सरकार ने वर्ष 2024 में डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की। किसानों के इस डेटाबेस को मजबूत सहमति तंत्र के साथ गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। एग्री स्टैक, इस डिजिटल कृषि मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है। यह अब इस मिशन के एक मौन लेकिन सशक्त परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इसमें तीन विवरणी (रजिस्ट्री) - खेत, किसान और बोई गई फसल - शामिल हैं। एग्री स्टैक भारत की कृषि से जुड़ी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का इशारा करता है। एक ऐसा अध्याय, जो माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

खेत वाली रजिस्ट्री में भौगोलिक संदर्भों के आधार पर कृषि भूखंडों का डेटाबेस शामिल होता है। इनमें से प्रत्येक भूखंड को एक अनूठी कृषि आईडी प्रदान की जाती है। दूसरी परत में, प्रत्येक भूमि के मालिक किसान को एक अनूठी फार्म आईडी प्रदान की जा रही है। इस आईडी में स्वामित्व वाली प्रत्येक भूखंड से संबंधित जरूरी जानकारियों के साथ-साथ सह-स्वामित्व के मामले में हिस्सेदारी का उल्लेख भी शामिल है। यह डेटा अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) से गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है ताकि विरासत, बिक्री आदि के कारण स्वामित्व में हुआ कोई भी बदलाव किसान रजिस्ट्री में अद्यतन हो जाए। तीसरी परत में प्रत्येक भूखंड पर बोई गई फसल का विवरण शामिल होता है। यह विवरण बुवाई पूरी होने के बाद प्रत्येक फसल के मौसम में किए गए डिजिटल/तकनीक आधारित फसल सर्वेक्षण के जरिए हासिल किया जाता है।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों के जरिए 35 राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी की है। इस डिजिटल मिशन को केन्द्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें पूर्ण समावेशन सुनिश्चित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

एग्री स्टैक एक संघीय डेटाबेस है जिसका स्वामित्व राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पास है, लेकिन केन्द्र सरकार सेवाओं की आपूर्ति और डेटा विश्लेषण के लिए इसका उपयोग कर सकती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान के लिए एक सत्यापित डिजिटल पहचान बनाना, उस पहचान को सटीक रूप से मैप किए गए भूखंड से जोड़ना और प्रत्येक मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को दर्ज करना है। यह स्टैक नियमों पर आधारित एवं स्वचालित सेवा वितरण को विभिन्न योजनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में संभव बनाता है। इससे किसानों को बार-बार अपनी पहचान, भूमि स्वामित्व या फसल के विवरण को साबित करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें गोपनीयता और डेटा संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए किसानों से संबंधित जानकारी तक पहुंच एक मजबूत सहमति तंत्र के जरिए होती है।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल आधार तक

दशकों तक, कृषि संबंधी प्रशासन कागजी अभिलेखों और मैनुअल सर्वेक्षण पर बहुत अधिक निर्भर रहा। यह अक्सर नागरिकों के लिए उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का कारण बनता था। एग्री स्टैक इस पुरानी परंपरा से हटकर एक क्रांतिकारी बदलाव लाता है। किसानों की पहचान का डिजिटलीकरण करके और उन्हें भूमि एवं फसल के आंकड़ों से जोड़कर, यह भारतीय कृषि की एक विश्वसनीय और नई तस्वीर पेश करता है।

अब तक 9 करोड़ से अधिक किसान आईडी का सृजन इस सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये डिजिटल आईडी एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करते हैं। इससे किसानों को बार-बार सत्यापन के बिना कई सेवाओं का लाभ उठाने में मदद मिलती है और लेन-देन की लागत कम हो जाती है। सरकारी एजेंसियों की दृष्टि से, ये आईडी लाभार्थियों की पहचान में होने वाली त्रुटियों को कम करते हैं और लाभ का सही लाभार्थियों तक पहुंचना सुनिश्चित करने में सहायक साबित होते हैं।

हालांकि, यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि एग्री स्टैक की शुरुआत मुख्य रूप से किसानों को विभिन्न योजनाओं के लाभ उठाने के लिए सशक्त बनाने के इरादे से की गई है, लेकिन यह भूमि के रिकॉर्ड या भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र की जगह नहीं लेगा। भले ही अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) के साथ इसका जुड़ाव प्रामाणिकता सुनिश्चित करता हो।

डिजिटल फसल सर्वेक्षण: फसल की वास्तविक जानकारी

वर्ष 2025-26 में, 24 राज्यों ने 600 से अधिक ज़िलों में लगभग 30 करोड़ भूखंडों पर मोबाइल उपकरणों, जियोटैगिंग और सैटेलाइट की मदद से डिजिटल फसल सर्वेक्षण किया। यह सर्वेक्षण पारंपरिक विधियों से हटकर एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पारंपरिक विधियां अक्सर धीमी होती थीं और उनमें विसंगतियों या त्रुटियों की गुंजाइश अधिक रहती थी।

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

उस अपनी हस्ती से बेज़ार देखा, ग़मों से वफा का तलबगार देखा। चला है समंदर में जर्जर सफीना, न मौसम देखा न मंझधार देखा। उसे अर्श पे उड़ना लगता है अच्छा, बहुत उसने आंधी का व्यौहार देखा। सिपाही के ज़ामा में मैने वतन में, बहुत सारे लोगों को गद्दार देखा। सदा मिल के रहते थे हम सब वतन में कहां क़ौमों के बीच टकरार देखा। नगर जैसे होता गया कुछ बड़ा तो, दिलों के मुहल्ले में बाज़ार देखा। जहाँ में नज़ारे कभी अच्छा देखा, कभी मैंने कुछ दृश्य बेकार देखा।

- डॉ संजय दानी

तुम ने अब तक शहतूत के गिरने का मंज़र देखा है कि वो किस तरह अपनी सुखी को मिट्टी में बाँट देता है ? गिरने से ज़ियादा दर्दनाक कोई चीज़ नहीं होती मैं ने बहुत से मज़दूरों को देखा है कि वो 'इमारतों से गिरते थे और शहतूत हो जाते थे ।

- सरिता त्रिवेदी

मेरे हर मुश्किल पल में तू हाथ दुआ का लगता है जिस दर मैं महफूज़ रहूं तू वही शिवाला लगता है पूर्वजन्म का कुछ बंधन है तुझसे मेरी डोर जुड़ी कोई रिश्ता न होकर भी तू अपना सा लगता है।

- पूजा बंसल

मनुष्य एक अवसाद सदा गले में टांग कर चलता रहता है ,अनचाहे ही सही। बहुत दूर से ये जीवन लगता है और बहुत पास से खुद की तलाश। कोई एक होता है जो उस अवसाद को कुछ देर के लिए ही सही हमारे कांधे से टिक कर हल्का कर देता है। एक उसी आत्मीय का मिल जाना अवसादी मन की औषध है। विशेष में से शेष संजोना। देर तलक।

- कल्पना पांडेय

रंग तेरे प्रीत का कहीं जुड़े हैं ,मेरे हृदय से कहीं दिखती नहीं यह बस महसूस किया जा सकता है। तुम जो समझ सको अहसास करना कभी ,हमने कई बार तुम्हें इज़हार किया था । उस प्यार में स्वार्थ नहीं था बस मीठा अहसास था ।त्याग और समर्पण का एक अहसास था ।केवल और केवल ज़िंदगी का एक आस था । मजदूर था मैं कहां से खरीद पाता महंगा तोहफा , मैं तो व्यस्त था दो जून की रोटी के लिए ... **- लक्ष्मी नारायण लहरे**

मुक्तक रोज़ परिश्रम से जब हमने कभी न अपनी नाक सिकोड़ी। कर्मठ राजमार्ग अपनाया, आलस की पगडण्डी छोड़ी। हार मिली पर छोड़ निराशा, कर्मरत बने रहे हमेशाङ्क बोलो ! फिर कैसे छुट जाती हमसे अपनी जीत निगोड़ी।।

- भाऊराव महंत

दिल मेरा रोशनी की चाह में है। एक जुगनू मेरी निगाह में है। अब समन्दर भी दौड़ आएगा, ऐसी तासीर मेरी आह में है। सिर्फ़ कहने को सब हमारे हैं, वरना कोई न साथ राह में है। जिसको चाहा वही मुकर बैठा, अब यही सच मेरी पनाह में है। ज़हर पीते रहे हँसी ओढ़े, ये अदा भी अजब गुनाह में है। एक तेरी कमी ही खलती है, यूँ तो हर चीज़ ख़ूवाबगाह में है।

- रूबी झा 'कमल'

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेषः आज का दिन उठापटक वाला रहेगा। सेहत में भी उतार चढ़ाव लगा रहेगा जिससे कार्य करने का उत्साह नही बनेगा। कार्य क्षेत्र पर आज घरवालों अथवा मित्रो की सहायता लेनी पड़ सकती है।

वृषः आज का दिन कुछ घरेलू छोटी मोटी बातो को छोड़ उत्तम ही रहेगा। कार्य व्यवसाय में आरम्भ में निर्णय लेने में दुविधा होगी।

मिथुनः आज के दिन आप सहयोगी अथवा किसी परिजन के रूखे व्यवहार से दुखी रहेंगे। जिस कार्य को करने की जल्दी होगी उसी में विलंब होगा कार्य क्षेत्र पर अव्यवस्था रहने से उचित लाभ से वंचित रह सकते है।

कर्कः आज के दिन आप अपनी व्यवहार कुशलता से कार्य क्षेत्र पर लाभ की स्थिति बनाएंगे।

सिंहः आज का दिन आपके लिए कुछ ना कुछ परेशानी खड़ी करेगा। बचते बचते बेवजह कलह होने से मन अशांत रहेगा। व्यवहार में रूखापन आज कुछ ज्यादा ही रहेगा।

कन्याः आज का दिन आपकी आशाओ पर खरा उतरेगा आय एक से अधिक साधनों से होगी। धन कमाने के लिए आज आप गलत साधन अपनाने से भी नही चूकेंगे लेकिन फिर भी सफ़लता अवश्य मिलेगी।

तुलाः आज दिन के आरंभिक भाग में लाभ की संभावना बनेगी परन्तु दिन चढ़ते अधिकांश संभावनाएं निराशा में बदल जाएगी कार्य क्षेत्र पर आप अथवा किसी सहकर्मी से कोई त्रुटि होने के कारण हानि हो सकती है।

वृश्चिकः आज के दिन वैसे तो स्थिति में सुधार आएगा फिर भी मानसिक रूप से आज चंचलता अधिक रहने से बने बनाये कार्य की स्वयं की गलती से बिगाड़ लेंगे बाद में इसका पछतावा भी रहेगा।

धनुः आपके लिए आज दिन का आरंभ थोड़ी प्रतिकूलता वाला रहेगा किसी प्रियजन के कारण मानसिक दुख पहुचेगा मामूली झड़प भी हो सकती है। इसके बाद स्थिति में सुधार आने लगेगा विवेक से काम करेंगे।

मकरः आज का दिन आपके लिये लाभदायक रहेगा। कार्य व्यवसाय अच्छा चलने से धन की लाभ के कई अवसर मिलेंगे परन्तु आज अकस्मात किसी कारण से क्रोध भी आ सकता है।

कुंभः आज के दिन आपको सामाजिक एवं सरकारी कार्यो से लाभ मिलेगा लेकिन आलस्य भी आज अधिक रहेगा सातः ही कार्य मे विघ्न डालने वाले भी अधिक ही रहेंगे जिससे विलम्ब अथवा कार्य हानि भी हो सकती है। भागीदारी के व्यवसाय में अधिक लाभ की संभावना रहेगी।

मीनः आज के दिन आप मांगलिक कार्यो में उपस्थिति देंगे धार्मिक पूजा पाठ के साथ ही तंत्र मंत्र में रुचि रहेगी। आज परिस्थिति चाहे कैसी भी हो आप स्वयं को उसके अनुसार ढाल लेंगे।

QUIZ TIME

1) हाल ही में, वर्ल्ड ग्रीन इकॉनमी फोरम का शुभारंभ कहाँ किया गया?

2) मूडबिद्री में आयोजित 14वीं द्विवार्षिक झील सम्मेलन का विषय क्या है?

3) कौन सा राज्य 392 अंकों के साथ राष्ट्रीय पैरा-स्विमिंग चैंपियनशिप 2024 जीता?

4) कैसावा का दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक देश कौन सा है?

5) कश्मीर के हस्त-गुंथित कालीन का स्थानीय नाम क्या है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) दुबई (2) मानव कल्याण के लिए आर्द्रभूमि (3) कर्नाटक (4) थाईलैंड (5) कानी शॉल

पहेली

शब्द सामर्थ्य -027

गोद में उठाया, चश्मा पहनाया : भैंसामुड़ा में दिखा मुख्यमंत्री का आत्मीय रूप

- **नन्हीं मानविका के सपनों को मिला मुख्यमंत्री का स्नेहिल स्पर्श**
- **भैंसामुड़ा में आत्मीय मुलाकात ने जीता सबका दिल**

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान ग्राम भैंसामुड़ा में एक बेहद आत्मीय और उत्साहवर्धक दृश्य देखने को मिला, जब वे शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ के स्कूल परिसर में अचानक पहुंच गए। विद्यालय पहुंचते ही उनकी नजर मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों पर पड़ी, जिनका जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों की इस ऊर्जा ने मुख्यमंत्री को इतना आकर्षित किया कि वे बिना औपचारिकता के सीधे मैदान में उतर गए और उनके साथ क्रिकेट खेलने लगे। मुख्यमंत्री को अपने बीच खेलते देख बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई और पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर उठा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से सहज संवाद करते हुए उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खेल के प्रति रुचि के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे नियमित रूप से खेलते हैं या नहीं और किस खेल में उनकी विशेष रुचि है। बच्चों के साथ इस आत्मीय संवाद के बीच उन्होंने यह भी समझने का प्रयास किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं की क्या स्थिति है और किन-किन संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। मैदान में मौजूद खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर से भी मुख्यमंत्री ने चर्चा कर उनके अनुभवों और खेल से जुड़े पहलुओं के बारे में जाना, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों की वास्तविक स्थिति की जानकारी उन्हें मिल सकी। बच्चों के उत्साह और खेल के प्रति उनकी रुचि को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी बेहतर खेल सुविधाएं मिलनी चाहिए, ताकि वे अपने कौशल का समुचित विकास कर सकें और आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री का यह दृष्टिकोण खेल और शिक्षा के संतुलित विकास की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में सामने आया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम पंचायत के सरपंच श्री रोशन प्रताप सिंह से भी बातचीत कर गांव की स्थिति, चल रहे विकास कार्यों और स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए आवश्यक पहल सुनिश्चित की जाए, ताकि बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी संतुलित प्रगति हो सके। मुख्यमंत्री का यह औचक दौरा केवल एक प्रशासनिक निरीक्षण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों के साथ बिताए गए उनके सहज और प्रेरणादायक क्षणों ने ग्रामीणों के मन में विशेष उत्साह और विश्वास का वातावरण निर्मित किया। यह दृश्य इस बात का प्रतीक बना कि शासन जब जमीनी स्तर पर पहुंचकर सीधे संवाद करता है, तो वह केवल योजनाओं की समीक्षा नहीं करता, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार भी करता है।

मुख्यमंत्री ने स्नेह पूर्वक बच्ची को अपनी गोद में उठाया

मुख्यमंत्री श्री साय ने स्नेहपूर्वक बच्ची को अपनी गोद में उठाया और मुस्कुराते हुए उससे आत्मीय संवाद करने लगे। उनके चेहरे पर झलकता स्नेह और व्यवहार की सरलता इस बात को दर्शा रही थी कि सच्चा नेतृत्व वही होता है, जो लोगों के बीच जाकर उनके अपनेपन को महसूस करता है। मुख्यमंत्री श्री साय के पूछने पर मासूमियत भरी आवाज़ में जब मानविका ने तुतलाते हुए कहा – फ्रमुझे डॉक्टर बनना हैफ्र, तो उस छोटे-से वाक्य में एक बड़े सपने की झलक साफदिखाई दे रही थी। यह सुनकर मुख्यमंत्री श्री साय के चेहरे पर सहज और स्नेहिल मुस्कान उभर आई। उन्होंने पूरे अपनत्व के साथ बच्ची को आशीर्वाद दिया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सुशासन तिहार के दौरान जशपुर जिले के ग्राम भैंसामुड़ा में एक ऐसा आत्मीय और भावुक क्षण सामने आया, जिसने वहां मौजूद प्रत्येक व्यक्ति के मन को गहराई से छू लिया और पूरे वातावरण को संवेदनाओं से भर दिया। यह दृश्य उस मानवीय स्पर्श का जीवंत उदाहरण बन गया, जहां शासन और संवेदना एक साथ दिखाई देते हैं।

सुशासन तिहार के दौरान जैसे ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नजर 4 वर्षीय नन्हीं बच्ची मानविका चौहान पर पड़ी, वे सहज भाव से उसके पास पहुंच गए। उनके इस स्वाभाविक और अनायास कदम ने पूरे माहौल को एक अलग ही अपनत्व के वातावरण में बदल दिया।

न्यूज गैलरी

रायगढ़ में पहाड़ मंदिर समिति की बैठक में शामिल हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर/नवप्रदेश। बैठक के दौरान मंदिर के विकास, व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने समिति के सदस्यों से सुझाव लेते हुए मंदिर परिसर के समुचित विकास के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही।उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास न केवल आस्था का केंद्र होता है, बल्कि इससे क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने भोरमदेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात सभी ने भोरमदेव के निर्माणाधीन कॉरिडोर का निरीक्षण किया। जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण रूप से समय सीमा में पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य श्री राम कुमार भट्ट, श्री वीरेंद्र साहू, पूर्व संसदीय सचिव श्री सियाराम साहू, पूर्व संसदीय सचिव श्री मोतीराम चंद्रवंशी, श्री लोकचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे।

रायगढ़ के राधा कृष्ण मंदिर में वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की पूजा-अर्चना

रायपुर/नवप्रदेश। आज रायगढ़ स्थित राधा कृष्ण मंदिर में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। दोनों मंत्रियों ने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।इस अवसर पर सांसद श्री राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में बाइकर्स गैंग का आतंक, तीन झपटमारी की वारदातों से दहशत

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में बाइक सवार बदमाशों का आतंक बढ़ता जा रहा है। खासकर पुरानी बस्ती थाना और टिकरापारा इलाके में झपटमारी की लगातार सामने आ रही घटनाओं ने लोगों में डर का माहौल बना दिया है। बदमाश चलते वाहनों से मोबाइल और पर्स छीनकर फरार हो रहे हैं। पुलिस ने मामलों में एफआईआर दर्ज कर तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है। पहली घटना में दतरेंगा निवासी प्रेम सिंह 30 अप्रैल की सुबह बाइक से गोकुल नगर गौठान जा रहे थे। मुक्तिधाम के पास पीछे से आए तीन युवकों ने चलते वाहन में उनकी जेब से मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए।

आम जनता की सुविधाओं पर फोकस; बिजली, पानी और आवास को प्राथमिकता

मंत्री गजेन्द्र यादव ने सुशासन तिहार की तैयारियों की विभागवार समीक्षा बैठक ली

रायपुर/नवप्रदेश। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, खाद-बीज भंडारण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, विद्युत एवं पेयजल जैसी जनजीवन से जुड़ी योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी रूप से अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने श्सुशासन तिहारश् में प्राप्त सभी आवेदनों का त्वरित और संवेदनशील निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि जनता को शासकीय योजनाओं का लाभ बिना किसी विलंब के मिल सके।

मंत्री श्री यादव ने दुर्ग जिले के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सर्किट हाउस के सभाकक्ष में सुशासन तिहार की तैयारियों एवं विभागवार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को पूर्ण जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाना और जनहितकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुँचना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्री यादव ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि समय-समय पर शिविरों का औचक निरीक्षण कर जनता से सीधे फीडबैक लेंगे।

प्रमुख विभागीय निर्देश-

राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरणरू लंबित राजस्व प्रकरणों, विशेषकर समय-सीमा पार कर चुके मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए। आम नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

शिक्षा एवं मॉडल स्कूल दुर्ग जिले में एक स्कूल को मॉडल स्कूल के रूप में विकसित किया जाए। साथ ही, आदर्श कन्या विद्यालय में छात्राओं को श्रम्म् और छम्म्ज् जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु विशेष कोचिंग की व्यवस्था की जाए।

छात्रावासों का सुधार- जिले के 34 छात्रावासों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने आदिवासी विकास आयुक्त को व्यापक निरीक्षण के निर्देश दिए। भोजन, स्वच्छता और सुरक्षा में कोई कमी पाए जाने पर तत्काल सुधार करने को कहा।

खाद्य एवं राशन वितरण- लंबे समय से एक ही व्यक्ति द्वारा संचालित उचित मूल्य की दुकानों की समीक्षा कर नए पात्र लोगों को अवसर दिया जाए। दुकानों में आगामी 3 महीने का राशन स्टॉक अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो।

स्वास्थ्य सेवाएँ- प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की उपस्थिति अनिवार्य हो। गाँवों में बीपी और शुगर की जाँच हेतु विशेष अभियान चलाया जाए।

मनरेगा एवं पौधारोपण- जून माह से पूर्व व्यापक पौधारोपण हेतु वनमण्डाधिकारी को भूमि चिन्हांकित करने के निर्देश दिए गए।

कृषि एवं सिंचाई- सोसायटियों में खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो। किसानों को कम पानी वाली फसलों (सोयाबीन, अरहर, चना) के लिए प्रोत्साहित किया जाए। जिले की 19 नई सोसायटियों में बीज की कमी न होने पाए।

विद्युत व्यवस्था- मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत सर्वे कर आवश्यक बिजली पोल और अधोसंरचना का विस्तार किया जाए ताकि निर्बाध आपूर्ति बनी रहे।

जिलों में आँधी और बारिश का खतरा

- **मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज-येलो अलर्ट**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। राजधानी रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने एक बार फिर मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। यह अलर्ट विशेष रूप से मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के क्षेत्रों के लिए जारी किया गया है, जहाँ आगामी समय में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कई जिलों में वर्षा और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है, जिसके लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट घोषित किया गया है। इस चेतावनी का सबसे ज्यादा असर बालोद, राजनांदगांव, बेमेतरा, दुर्ग, जांजगीर-चंपा, कबीरधाम और मुंगेली जिलों में देखने को मिलेगा। इसके साथ ही, राजधानी रायपुर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में भी इस बदले हुए मौसम का प्रभाव महसूस किया जाएगा, जिससे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

भीषण गर्मी का प्रकोप

बता दें की छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेशभर में लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में फ़िलहाल तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। वहीं मौसम विभाग की तरफसे जारी की गई चेतावनी ने लोगों की चिंता को और बढ़ा दिया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना जताई थी साथ ही 27 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में हीटवेव का अलर्ट भी जारी किया था।

राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 सम्पन्न

132 परीक्षा केन्द्रों में 28,570 परीक्षार्थी हुए सम्मिलित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना 2025-26 के तहत दिनांक 02 मई 2026 को राज्य में परीक्षा का सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन किया गया।

मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी. पिल्ले के संरक्षण, सचिव श्रीमती पुष्पा साहू के निर्देश तथा उपसचिव डॉ. बी. रघु एवं श्रीमती मोनिका जयनशीने के मार्गदर्शन में परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रथम पाली में बौद्धिक योग्यता परीक्षण एवं द्वितीय पाली में शैक्षिक योग्यता परीक्षण सम्पन्न हुआ।परीक्षा नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार साहू ने जानकारी दी कि इस परीक्षा हेतु छत्तीसगढ़ राज्य को कुल 2246 छात्रवृत्तियों का कोटा आबंटित है। राज्य के 132 परीक्षा केन्द्रों में कुल 31,810 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 28,570 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 3,237 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान नकल प्रकरण शून्य रहा।

परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन हेतु प्रत्येक केन्द्र में जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गईं। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा निरीक्षण दल एवं मण्डल कार्यालय से गठित उड़नदस्ता टीमों द्वारा परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। संपूर्ण परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई।

छात्रवृत्ति योजना का विवरण

राष्ट्रीय साधन सह-प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा संचालित शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकाय विद्यालयों के कक्षा 8वीं के वे विद्यार्थी पात्र हैं, जिन्होंने कक्षा 7वीं में न्यूनतम 55त्न अंक (अनुसूचित जाति/जनजाति हेतु 5त्न की छूट) प्राप्त की हो तथा जिनके माता-पिता/पालक की वार्षिक आय 3.50 लाख रुपये से अधिक न हो।चयनित विद्यार्थियों को भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रतिमाह 1000/- की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

कारखानों में श्रमिकों के सुरक्षा के संबंध में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की बैठक

रायपुर/नवप्रदेश। मेसर्स न्यूवोको विस्टास कार्पोरेशन लिमिटेड (आरसमेटा सीमेंट प्लाट), गोपाल नगर जिला- जांजगीर चांपा (छ.ग.) में जिला जांजगीर चांपा एवं जिला सक्ती के कारखाना प्रबंधकों एवं सुरक्षा अधिकारियों की बैठक कल 02 मई 2026 को 11 बजे आयोजित किया गया। बैठक का आयोजन श्री मनीष श्रीवास्तव प्रभारी संचालक, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा छ.ग. की अध्यक्षता में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा जांजगीर चांपा द्वारा किया गया। उक्त बैठक में जिला जांजगीर चापां एवं जिला सक्ती के वृहद कारखाने न्यूवोको विस्टास कार्पो. लि., अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह, जे.एस.डब्ल्यू. महानदी पावर कंपनी लि., प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, महेन्द्रा पावर प्रा.लि., डी.बी.पावर लि., आर.के.एम. पावरजेन प्रा.लि., वेदान्ता लिमिटेड, शान्ति जीडी इस्पात एंड पावर प्रा.लिमि., साई लीलागर पावर जनरेशन लिमि., एम.वी.के. इंडस्ट्रीज, श्री श्याम वेयर हाउसिंग एंड पावर प्रा.लि. एवं छत्तीसगढ़ स्टील एंड पावर लिमिटेड के कारखाना प्रबंधक एवं सुरक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। मेसर्स न्यूवोको विस्टास कार्पो. लिमिटेड के सुरक्षा अधिकारी द्वारा कारखानो में श्रमिको को दिये जाने वाले सुरक्षा प्रशिक्षण के संबंध में प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत किया।

बैठक में श्री मनीष श्रीवास्तव प्रभारी संचालक, द्वारा कारखानो में दुर्घटनाओं की रोकथाम विषयक जानकारी दी गयी एवं कारखानों में श्रमिकों को सभी आवश्यक सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था जैसे प्रशिक्षण, सुपरविजन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, प्लांट एवं मशीनरी की सुरक्षित व्यवस्था, अग्नि अन्य आपात स्थिति में बचाव हेतु माकड्रिल किये जाने एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्था मेंनटेन रखे जाने हेतु निर्देशित किया गया। पर्याप्त एवं गुणवत्तायुक्त प्रशिक्षण दिये जाने के बाद ही श्रमिकों को खतरनाक कार्यो पर नियोजित करने के संबंध में सख्त निर्देश दिये गये ।

औषधि पादप बोर्ड की नई कार्ययोजना से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं ग्रामीण महिलाएं

छत्तीसगढ़ की जड़ी-बूटियों से महकेगा नारी शक्ति का स्वावलंबन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वनांचल की गोद में छिपी अमूल्य औषधि संपदा अब केवल स्वास्थ्य का आधार नहीं, बल्कि प्रदेश की नारी शक्ति के आर्थिक स्वावलंबन का नया अध्याय बन रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सुशासन की जिस परिकल्पना को साकार कर रही है, उसे वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप और छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के अध्यक्ष श्री विकास मरकाम के मार्गदर्शन में धरातल पर उतार रहा है। गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मूसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा, और शतावरी जैसी महत्वपूर्ण औषधीय वनस्पतियों से अर्क और उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं।

पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक पहचान

वनांचल में बिखरे पारंपरिक ज्ञान को महज एक स्मृति न रहने देने के संकल्प के साथ बोर्ड ने इसे वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत उन स्थानीय वैद्यों और जानकारों का चिन्हांकन शुरू किया गया है, जिनके पास असाध्य रोगों के उपचार का अद्भुत ज्ञान है। बोर्ड का प्रयास इन महिलाओं को एक उचित मंच प्रदान करना है, ताकि उनकी विशेषज्ञता का लाभ समाज को मिले और वे स्वयं को आर्थिक रूप से सुदृढ़ कर सकें। यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि उस विरासत का सम्मान है जिसे ग्रामीण महिलाओं ने सदियों से सहेजकर रखा है।

संग्रहण से प्रसंस्करण तक- उद्यमिता की नई उड़ान

आर्थिक मोर्चे पर सबसे बड़ा बदलाव तब दिखाई दे रहा है, जब जड़ी-बूटियों का संग्रहण करने वाली महिलाएं अब संग्राहक से आगे बढ़कर निर्माता की भूमिका में नजर आ रही हैं। बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, महिला स्व-सहायता समूहों को औषधि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) के उन्नत गुर सिखाए जा रहे हैं। यह पहल न केवल औषधीय पौधों का संरक्षण कर रही है, बल्कि वनवासियों और लघु वन उपज संग्राहकों की आय में वृद्धि करके उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है।

मूल्य संवर्धन (वेल्यू एडिशन)

छत्तीसगढ़ में जड़ी-बूटी मूल्य संवर्धन एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के समृद्ध वन संसाधनों को वैज्ञानिक तरीके से संसाधित (प्रोसेस) करके उनके आर्थिक मूल्य को बढ़ाया जा रहा है। राज्य सरकार 'छत्तीसगढ़ हर्बल्स' ब्रांड के तहत इन उत्पादों को बढ़ावा दे रही है। जब ये महिलाएं वनों से प्राप्त कच्ची सामग्री को साफकर, सुखाकर उसे चूर्ण, अर्क या तेल के रूप में परिवर्तित करती हैं, तो उत्पाद की कीमत और गुणवत्ता कई गुना बढ़ जाती है।

सुकमा के दुर्गम पुसगुड़ा गांव में दशकों बाद पहुँचा उजियारा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के धोर नक्सल प्रभावित और दुर्गम इलाकों में शामिल सुकमा जिले के पुसगुड़ा गांव में आखिरकार विकास का नया सूरज उगा है। वर्षों के लंबे इंतजार के बाद गांव के 106 घरों में पहली बार बिजली का कनेक्शन पहुँचा है। कोंटा विकासखंड के अंतर्गत घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों के बीच बसे इस गांव के लिए यह महज एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। जिला मुख्यालय से लगभग 108 किलोमीटर दूर स्थित पुसगुड़ा तक पहुँचना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं था।

न्यूज गैलरी

बस्तर मुन्ने और सुशासन तिहार के तहत जिले के 100 गांव में लगाई गई शिविर

कांकेर /नवप्रदेश। बस्तर मुन्ने, सुशासन तिहार और नियद नेल्लानार 2.0 के तहत जिले में आज 100 गांवों में शिविर लगाकर शासन द्वारा संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया गया। अभियान के तहत अंतागढ़ विकासखण्ड के 38 गांव, कांकेर विकाखण्ड के 09, चारामा के 11, दुर्गूकोंदल के 21, नरहरपुर के 11 और भानुप्रतापपुर के 10 गांवों में शिविर लगाया गया। इन शिविरों में विभिन्न योजनाओं से संबंधित हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। कांकेर विकासखण्ड के ग्राम कोदागांव एवं मांदरी के आश्रित गांव साल्हेभाट में आयोजित शिविर का आकस्मिक निरीक्षण के दौरान साल्हेभाट में 05 राशन कार्ड एवं 02 आयुष्मान कार्ड संबंधित आवेदनों का निराकरण किया गया। इसी प्रकार कोदागांव में आयोजित शिविर में राशन कार्ड 06, व्यक्तिगत शौचालय के 06 एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना से संबंधित 01 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

नजरी नक्शा का प्रारंभिक दौर पूरा, अब होगी डिजिटल गणना

कांकेर /नवप्रदेश। नगरीय जनगणना के चार्ज अधिकारी और मुख्य नगर पालिका अधिकारी कांकेर द्वारा मकान सूचीकरण और मकान गणना का प्रारंभिक चरण नजरी नक्शा बनाना पूर्ण ज्ञान क पश्चात फील्ड में आई व्यावहारिक समस्याओं की पहचान और समाधान के लिए नगर पालिका सभाकक्ष में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों की एक आपात बैठक बुलायी गयी जिसमें 11 सुपवाईजर सर्कल के कुल 90 लोग उपस्थित थे। प्रगणकों ने अपने मकान सूचीकरण ब्लॉक सूचीकरण में स्थित भवनों की नबटिंग के रिपीटिशिन मिसिंग नंबर तथा नजरी नक्शा के अलावा कच्चे पक्के मकान तथा फील्ड में लोगो के द्वारा सहयोग असहयोग से संबंधित समस्याए समक्ष रखी गयी । सीएओ श्री पवन कुमार मेरिया ने अधीनस्थ जोन सहायक तथा प्रभारी अधिकारियां को प्रगणकों के साथ उपस्थित व फील्ड में सहयोग के लिए आदेशित किया, फिल्ड ट्रेनर रोशन वर्मा तथा विकास श्रीवास्तव के द्वारा प्रगणकों के प्रश्नों सदेहो तथा फिल्ड की समस्यों का निराकरण किया गया। फील्ड में जनता की भागीदारी तथा सहयोग के लिए अवगत काराया गया।

पंडरीतराई तालाब और सड़कों के कायाकल्प पर महापौर की सख्ती

जगदलपुर/ नवप्रदेश। नगर निगम क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार को जमीन पर परखने के लिए महापौर संजय पांडेय ने पंडरीतराई तालाब और उससे जुड़े सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह और लोकमान्य तिलक वार्ड की सीमा पर चल रहे इन कार्यों में जल संरक्षण, सड़क गुणवत्ता और नागरिक सुविधाओं को केंद्र में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को कड़े निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान पंडरीतराई तालाब के स्वरूप को केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित न रखकर उसे जल संरक्षण का मजबूत केंद्र बनाने पर जोर दिया गया। महापौर ने स्पष्ट कहा कि तालाब का वाटर कैचमेंट एरिया बढ़ाया जाए, गहरीकरण कार्य को प्राथमिकता मिले और अतिरिक्त जल संग्रहण क्षमता विकसित की जाए। वार्डवासियों की मांग पर एक बोर खनन के निर्देश भी दिए गए, ताकि गर्मी और जल संकट के समय स्थानीय लोगों को राहत मिल सके।

तरईबेड़ा स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

फरसगांव/बड़ेराजपुर/ नवप्रदेश। विकासखण्ड बड़ेराजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत हरवेल के आश्रित ग्राम तरईबेड़ा स्थित शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में 30 अप्रैल को वार्षिक परीक्षा 2026 के परिणाम घोषित किए गए। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत (100%) रहा, जिससे पूरे गांव और स्कूल प्रबंधन में हर्ष का माहौल है।परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। कक्षावार उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, कक्षा 6वीं प्रथम- कु. करुणा मंडावी, द्वितीय- कु. मेघा, तृतीय- अक्षय कुमार। कक्षा 7वीं प्रथम- कु. माही पाण्डे, द्वितीय- कु. रितेश्वरी, तृतीय- कु. इंद्रावती।शिक्षक प्रबंधन ने जानकारी दी कि कक्षा 1ली से 4थी और 6वीं-7वीं के सभी छात्र सफल रहे हैं, जबकि कक्षा 5वीं और 8वीं के परिणाम जिला स्तर से जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

बस्तर में नवाचार का महापर्व आज से विश्वविद्यालय बनेगा स्टार्टअप का केंद्र

जगदलपुर/ नवप्रदेश। बस्तर संभाग में नवाचार, उद्यमिता और स्वरोजगार की नई चेतना जगाने के लिए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में सोमवार से दो दिवसीय ÷इनोवेशन महाकुंभ 1.0÷ का भव्य आगाज होने जा रहा है। सुबह नौ बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन में विभिन्न संभागों से एक हजार से अधिक प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। यह महाकुंभ केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बस्तर की युवा ऊर्जा को स्टार्टअप और आत्मनिर्भरता की दिशा में मोड़ने का बड़ा प्रयास माना जा रहा है। शुभारंभ समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। उनके साथ वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, उद्यमिता विशेषज्ञ सतीश कुमार,एनईटीएफ के चेयरमैन प्रो अनिल डी सहस्त्रबुद्धे,सांसद महेश कश्यप,महापौर संजय पांडे, राजपरिवार सदस्य कमलचंद्र भंजदेव,आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. राजीव प्रकाश सहित कई राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ और नीति निर्माता मौजूद रहेंगे।

बचेली एनएमडीसी लोडिंग प्लांट में हादसा, 22 वर्षीय मजदूर की मौत

मृतक के परिजनों को अब तक नहीं मिला मुआवजा, आश्वासन देने से भी बच रहें जिम्मेदार ठेकेदार और प्लांट के अधिकारी

दंतेवाड़ा /नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले के लौहनगरी बचेली में स्थित एनएमडीसी लोडिंग प्लांट क्षेत्र में मंगलवार दिनांक 21 अप्रैल रात तकरीबन 2 बजे एक दिल दहला देनी वाली घटना सामने आई

इस हादसे में जिला दंतेवाड़ा ग्राम मंगनार पटेल पारा निवासी 22 वर्षीय अजय भोगामी रेलगाड़ी की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसकी उपचार के दौरान हुई मृत्यु अजय एक ठेकेदार के अंतर्गत रेलगाड़ी के डिब्बों की सफाई एवं चेकिंग का कार्य कर रहा था और ड्यूटी के दौरान ही यह हादसा हुआ।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार घटना के दिन बारिस से बचने के लिए अजय भोगामी खड़ी मालगाड़ी के नीचे चला गया, तभी अचानक ट्रेन चल पड़ी और बाहर निकलने की कोशिश में वह पहियों की चपेट में आ गया। हादसा इतना भीषण था कि उसके दोनों पैर और एक हाथ कट गए।

अजय का गांव दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय से तकरीबन 35 किलोमीटर और बचेली से लगभग 65 किलोमीटर दूर अंदरूनी क्षेत्र में स्थित है।

अजय घर का सबसे बड़ा और इकलौता कमाने वाला सदस्य था उसकी शादी महज डेढ़ महीने पहले ही हुई थी परिवार में बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी, छोटा भाई और बहन हैं घर की हालत बेहद दैनिय हैं, एक कमरे का कच्चा मकान ही पूरे परिवार की आश्रय हैं। इस हादसे के बाद परिवार के सामने भूख और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े हादसे के बाद भी पीड़ित परिवार को अब तक कोई मुआवजा क्यों नहीं मिला।

क्या कहता है कानून?

इस मामले में कई कानून लागू होते हैं:
कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923
ड्यूटी के दौरान हादसे में घायल मजदूर को मुआवजा देना अनिवार्य
कारखाना अधिनियम, 1948
कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना कंपनी की जिम्मेदारी
ठेका श्रमिक (नियमन एवं समाप्ति) अधिनियम, 1970
ठेका मजदूरों की सुरक्षा और सुविधा की जिम्मेदारी मुख्य नियोक्ता की भी
रेलवे अधिनियम, 1989
रेलवे क्षेत्र में सुरक्षा चूक होने पर जवाबदेही तय
ऐसे में एनएमडीसी, रेलवे और ठेकेदार – तीनों की जिम्मेदारी बनती है।

जिम्मेदारी पर सवाल- शासन की ओर से कोई मदद नहीं

एनएमडीसी प्रबंधन ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया

रेलवे विभाग की ओर से भी कोई राहत नहीं

ठेका कंपनी भी जिम्मेदारी से बचती नजर आ रही है

परिवार को केवल अंतिम संस्कार के लिए थोड़ी-बहुत राशि दी गई, लेकिन दीर्घकालिक सहायता या मुआवजा अब तक नहीं मिला।

सिस्टम की विफलता या लापरवाही?

यह लोडिंग प्लांट एनएमडीसी का है, जहां: रेलवे की मालगाड़ियां आती हैं एनएमडीसी खनिज का प्रबंधन करता है ठेकेदार मजदूर उपलब्ध कराते हैं यानी तीन-तीन एजेंसियां काम कर रही हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर गंभीर चूक सामने आई है।

बड़ा सवाल.?

क्या एक गरीब मजदूर की जिंदगी की कोई कीमत नहीं?

क्या कंपनियां और विभाग जिम्मेदारी से बचते रहेंगे?

और आखिर कब मिलेगा अजय भोगामी के परिवार को न्याय.?

अंतागढ़ के अपर कलेक्टर बने 'शोपीस', सारा पॉवर कांकेर में कैद

अंतागढ़ के साथ 'प्रशासनिक छल', पदस्थापना के बाद भी अधिकारों की 'नसबंदी'

अंतागढ़ /नवप्रदेश। अंतागढ़ क्षेत्र की जनता ने जिस हक के लिए लंबी लड़ाई लड़ी, जन आंदोलन किए और सड़कों पर पसीना बहाया, उस हक पर जिला प्रशासन ने 'सियासी ताला' जड़ दिया है। रावघाट आमाबेड़ा, कोयलीबेड़ा और अंतागढ़ के लोगों की सहूलियत के लिए शासन ने अंतागढ़ में अपर कलेक्टर (एडीएम) और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की पदस्थापना तो कर दी, लेकिन असलियत यह है कि यहाँ के अपर कलेक्टर को महज एक 'दफ्तरी सजावट' बनाकर रख दिया गया है। उनके पास न फाइलें हैं, न खुद का स्टॉफऔर न फैसले लेने का अधिकार।

कुर्सी अंतागढ़ में, कलम कांकेर में :---दुर्गेश ठाकुर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अंतागढ़

हैरानी की बात है कि अंतागढ़ के राजस्व प्रकरण हों या छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के तहत आने वाली अपीलें–इन सबका रिमोट कंट्रोल कांकेर में बैठे अपर कलेक्टर के पास है।

सूत्र बताते हैं कि अपर कलेक्टर को न केवल अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है, बल्कि खनिज, उद्योग, जनशिकायत और नक्सल प्रभावित योजनाओं जैसे मलाईदार और महत्वपूर्ण विभागों का 'सुपर बॉस' बना दिया गया है।

सवाल यह है कि अगर अंतागढ़, आमाबेड़ा और कोयलीबेडा, पखांजूर के लोगों को अपने राजस्व प्रकरणों, अपील और छोटे-छोटे कामों के लिए 150 किमी दूर कांकेर ही जाना है, तो अंतागढ़ में अपर कलेक्टर की नियुक्ति का ढोंग क्यों । अंतागढ़

की अनदेखी की कीमत और सत्ता में बैठे जनप्रतिनिधियो द्वारा सिर्फ एक शासकीय सेवक की तरह का व्यवहार रखने का जवाब जनता समय आने पर जरूर पूछेगी ।

आप पार्टी के ब्लॉक अध्यक्षसुनहेर सिंह हिड़को ने कहा है कि क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि जिला प्रशासन का झुकाव केवल एक विशेष दिशा में है। आरोप लग रहे हैं कि प्रशासन केवल कुछ सीमित क्षेत्र के विकास में जुटा है, जहाँ कांग्रेस की विधायक का प्रभाव है। वहीं दूसरी ओर, अंतागढ़ की जनता का कहना है कि उन्हें भाजपा विधायक और सांसद को चुनने की सजा दी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में

चर्चा है कि जिला प्रशासन अंतागढ़ को 'गर्त' में धकेलने के लिए जानबूझकर शक्तियों का विकेंद्रीकरण नहीं कर रहा है।

हिड़को ने कहा कि शासन प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा है कि भौगोलिक केंद्र की अनदेखीः अंतागढ़ क्षेत्र का केंद्र है, फिर भी फाइलों को कांकेर में क्यों अटकाया जा रहा है?

जनता का अपमानः जिस जन आंदोलन के दम पर पद स्वीकृत हुए, क्या प्रशासन उस जनादेश को ठेंगा दिखा रहा है?

नेताओं की चुप्पीः क्षेत्र के दिग्गज भाजपा नेताओं की मौजूदगी के बावजूद प्रशासन इतना बेलगाम कैसे है?

अंतागढ़ कोयलीबेडा क्षेत्र के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था हो *बद्री गावड़े जिला निर्माण समिति के अध्यक्ष का कहना है* कि अंतागढ़ कोयली बेड़ा क्षेत्र तो शुरू से उपेक्षित रहा है इसलिए क्षेत्र की जनता हमेशा से अंतागढ़ को एक पृथक जिला बमाने की मांग कर रहा हैं लगातार हो रहे आंदोलन पर लगाम लगाने शासन द्वारा क्षेत्र को एक अलग प्रशासनिक सुविधा के लिए क्षेत्र में अपर कलेक्टर की पदस्थापना की गई लेकिन यह पद अधिकारों से वंचित, नाम मात्र का हैं जिसे देखते हुएं। क्षेत्र की जनता का आक्रोश दिनों दिन बढ़ता जा रहा है जो कभी भी फूट सकता है ।

क्षेत्रवासी खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। यदि जल्द ही अंतागढ़ के अपर कलेक्टर को उनके विधिक और प्रशासनिक अधिकार (राजस्व मामले, अपील, विभागीय जांच आदि) नहीं सौंपे गए, तो क्षेत्र की जनता एक बार फिर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

आलोर स्कूल का दबदबा: कलेक्टर ने किया कु. साधनी को सम्मानित

फरसगांव/नवप्रदेश। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, आलोर ने इस वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं में सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विद्यालय की मेधावी छात्रा कुमारी साधनी की उत्कृष्ट उपलब्धि पर जिला कार्यालय में कलेक्टर महोदय द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र और विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है।

साधनी और भवानी ने हासिल किया प्रथम स्थान- परीक्षा परिणामों में छात्राओं का दबदबा रहा। कक्षा 12वीं (कला संकाय) में कुमारी साधनी ने 86.4% अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। वहीं, कक्षा 10वीं की छात्रा कुमारी भवानी ने 84.5% अंक प्राप्त कर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया।

पूर्व विधायक संतराम ने मजदूरों के बीच मनाया अपना जन्मदिन

फरसगांव/नवप्रदेश। राजनीति में अक्सर जन्मदिन के अवसर पर बड़े आयोजनों और शक्ति प्रदर्शन की तस्वीरें सामने आती हैं, लेकिन केशकाल विधानसभा के पूर्व विधायक संतराम नेताम ने इस बार एक अलग ही मिसाल पेश की है। श्रमिक दिवस के अवसर पर उन्होंने अपना जन्मदिन किसी आलीशान भवन में नहीं, बल्कि तपती धूप में पसीना बहा रहे मजदूरों के कार्यस्थल पर जाकर उनके बीच सादगी से मनाया।

ईंटों के ढेर पर सजा केक, मजदूरों संग बांटी खुशियां- कार्यस्थल से आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किसी चकाचौंध वाले होटल की जगह, मजदूरों द्वारा बनाई गई ईंटों की थपकी को ही मेज बनाया गया। संतराम नेताम ने वहां मौजूद श्रमिकों के साथ केक काटा और सबसे पहले उन्हें ही खिलाकर अपना मुंह मीठा किया। इस दौरान उन्होंने मजदूरों से उनके कामकाज और हाल-चाल पर चर्चा भी की। इस जन्मदिन की तस्वीर सोशल मीडिया पर खुब वायरल हो रहा है साथ ही लोगों ने पसंद कर खुब तारिफकरते नजर आ रहे हैं।

फरसगांव के आदर्श विद्यालय का बोर्ड परीक्षा में दबदबा: मंगऊ और रोहन ने लहराया परचम

फरसगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित वर्ष 2025-26 के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों में शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरसगांव के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। विद्यालय के छात्रों ने न केवल उत्कृष्ट अंक हासिल किए, बल्कि कौशल आधारित विषयों में भी अपनी धाक जमाई है।

कक्षा 12वीं: रोहन सिंह ने जिले में बढ़ाया मान-कक्षा 12वीं (वाणिज्य संकाय) में रोहन सिंह ने 91% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल करने के साथ-साथ कोंडागांव जिले की टॉप-10 सूची में भी गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। वहीं, योगेश गावड़े ने 86.6% अंकों के साथ द्वितीय और आकाश सिंह नेटी ने 84.2% अंकों के साथ विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कलेक्टर ने किया सम्मानित

विद्यार्थियों की इस गौरवशाली उपलब्धि पर जिला कलेक्टर द्वारा उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह के दौरान संस्था की प्राचार्या रचना डिम्पल जेकब, संकुल समन्वयक अवनेश दादोरिया एवं व्यावसायिक प्रशिक्षक लोकेश सेनपाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कलेक्टर ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनकी मेहनत की सराहना की।

कक्षा 10वीं: मंगऊ राम बने स्कूल टॉपर-हाईस्कूल परीक्षा में भी आदर्श विद्यालय का प्रदर्शन सराहनीय रहा। मंगऊ राम ने 89% अंकों के साथ स्कूल में टॉप किया। उनके पीछे समीर कोर्राम (87.83%) दूसरे और बबलू राम (86.33%) तीसरे स्थान पर रहे।इस शानदार प्रदर्शन से पूरे क्षेत्र और स्कूल में हर्ष का माहौल है। अभिभावकों और शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

> यह सफलता प्रभावी शिक्षा कार्यक्रमों, शिक्षकों के सटीक मार्गदर्शन और विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम का सुखद परिणाम है। शिक्षा के माध्यम से हमारे छात्र न केवल रोजगार के लिए तैयार हो रहे हैं, बल्कि अकादमिक स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।
>
> **– जेकब, प्राचार्या**

संस्कृति: हजारों लोगों की उपस्थिति में सामाजिक आस्था, संस्कृति और एकता का ऐतिहासिक संगम

दाबगुड़ा में 'बिठाल समरथ देव' की स्थापना, भतरा समाज की परंपराओं का भव्य उत्सव

- **सांसद महेश कश्यप ने कहा– भतरा जनजाति की विरासत बस्तर की सांस्कृतिक पहचान**

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर जिले के बकावंड क्षेत्र अंतर्गत दाबगुड़ा में सम्भागीय भतरा समाज कल्याण समिति के तत्वावधान में एक भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। इस गरिमामयी समारोह में पुरातनकालीन सामाजिक न्याय के प्रतीक और समाज की कुरीतियों को समाप्त करने वाले आराध्य 'बिठाल समरथ देव' की विधि-विधान से स्थापना की गई। कार्यक्रम में बस्तर के सांसद महेश कश्यप विशेष रूप से शामिल हुए और समाज की सांस्कृतिक विरासत पर विस्तार से अपने विचार रखे।उन्होंने यह भी कहा कि 'नुआखानी' और 'अमूस' जैसे पर्व समाज के प्रकृति और कृषि संस्कृति से गहरे जुड़ाव को दर्शाते हैं। यह परंपराएं केवल उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक जीवनशैली और सामुदायिक मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। ऐसे आयोजनों से आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने की प्रेरणा मिलती है।धार्मिक अनुष्ठान के दौरान 'बिठाल समरथ देव' की स्थापना श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। मान्यता है कि यह आराध्य देव सामाजिक बुराइयों को दूर करने और पीड़ितों को न्याय दिलाने वाले देवता के रूप में पूजे जाते हैं। इस अवसर पर समाज प्रमुखों ने शपथ ली कि वे अपनी पुरातन परंपराओं को संरक्षित रखते हुए शिक्षा,जागरूकता और प्रगति की दिशा में समाज को आगे बढ़ाएंगे।

बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे हजारों समाजजन इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने। आयोजन ने सामुदायिक एकता,सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक समरसता का सशक्त संदेश दिया।

भतरा समाज की सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर चर्चा

समारोह के दौरान भतरा समाज की विशिष्ट पहचान, उनके प्राचीन इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर व्यापक चर्चा हुई। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्रमुख जनजातियों में भतरा समाज अपनी अनूठी परंपराओं के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। उन्होंने उल्लेख किया कि समाज के पुरुष प्राचीन काल से अपने शरीर पर 'राम नाम' का गोदना गुदवाते आए हैं, जो उनकी धार्मिक आस्था और मर्यादा पुरुषोत्तम राम के प्रति समर्पण का प्रतीक है।

कार्यक्रम में संरक्षक दशरथ सिंह बघेल,दशमुराम कोर्राम, सम्भागीय अध्यक्ष शंभूनाथ कश्यप,जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे, जिला पंचायत सदस्य शकुंतला कश्यप,पीताम्बर कश्यप, रणवीर ठाकुर,रुपनाथ कश्यप,शुदरु कश्यप,नरसिंग कश्यप, लीलाधर कश्यप,जयराम कश्यप,अनन्तराम राम कश्यप, दशमत कश्यप,रतनलाल भारती,बैदूराम कश्यप,हलधर कश्यप, बलिराम पटेल,रमेश बघेल,कमलू कोर्राम और चंद्रो भतरा सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्रामीणों को मिली योजनाओं की जानकारी, आवेदनों का हुआ निराकरण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से आज लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत डकई एवं बतौली विकासखंड के ग्राम चिरंगा में जनसमस्या निवारण शिविरों का आयोजन किया गया।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा तकरीबन 27 विभागीय स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे सामाजिक सुरक्षा, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आजीविका, पंचायत एवं ग्रामीण विकास की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं शिविर स्थल में ही आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। लूण्ड्रा के डकई में आयोजित शिविर में मांग 385 और शिकायत 12 कुल 397 आवेदन प्राप्त हुए, वहीं मौके पर 46 मांग आवेदनों का निराकरण हुआ। वहीं बतौली के चिरंगा में आयोजित शिविर में मांग 341 एवं शिकायत 1 कुल 342 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मौके पर मांग के 98 आवेदनों का निराकरण किया गया दोनों शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। ग्रामीणों द्वारा विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिनमें से अनेक प्रकरणों का त्वरित निराकरण स्थल पर ही किया गया, जबकि शेष आवेदनों के शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए गए। बतौली विकासखंड के ग्राम चिरंगा में

आयोजित शिविर में सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सांसद महाराज ने सरगुजिहा भाषा में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रशासन आपके द्वार की अवधारणा को साकार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए नागरिकों को दूरस्थ कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, किंतु अब प्रशासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर समस्याओं का निराकरण कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने निराकृत आवेदनों के हितग्राहियों को प्रमाण पत्र वितरित कर लाभान्वित किया।

डकई शिविर में विधायक प्रबोध मिंज ने किया निरीक्षण

लूण्ड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत डकई में आयोजित शिविर में लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज उपस्थित रहे। उन्होंने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली।

न्यूज गैलरी

शा. कन्या शिक्षा परिसर में प्रवेश 15 मई से 13 जून तक आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। शासकीय कन्या शिक्षा परिसर अम्बिकापुर के प्राचार्य ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देश के परिपालन में शा. कन्या शिक्षा परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का आयोजन 22 जून 2025 को प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस हेतु कक्षा 5वीं एवं 8वीं में पंजीयन के लिए छात्राओं का ग्रेड होना अनिवार्य है। परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु छात्राओं को कार्यालय प्राचार्य शा. कन्या शिक्षा परिसर अम्बिकापुर में कार्यालयीन समय में पंजीयन कराना अनिवार्य है पंजीयन की तिथि 15 मई से 13 जून तक है। कक्षा 6वीं, 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु पंजीयन के लिए उत्तीर्ण कक्षा 5वीं एवं 8वीं में ग्रेड की अंकसूची, आधार कार्ड, स्थायी जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी साथ लाना होगा एवं मोबाइल नम्बर नोट कराना आवश्यक होगा। कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु 10वीं की बोर्ड परीक्षा में प्राप्तांकों के आधार पर प्रावीण्य सूची पर प्रवेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कक्षा 6वीं के लिए कुल 35 सीट है जिसमें अनुसूचित जनजाति 28, अनुसूचित जाति 05,अन्य पिछड़ा वर्ग 02 सीट है। कक्षा 9वीं के लिए कुल 11 सीट है जिसमें अनुसूचित जनजाति 08, अनुसूचित जाति 03 है। वहीं कक्षा 11वीं के लिए 08 सीट है, जिसमें अनुसूचित जाति 06, अनुसूचित जाति 02 सीट है। सीटों की संख्या में आवश्यकतानुसार वृद्धि एवं कमी हो सकती है।

बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर के लिए आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना के क्रियान्वयन हेतु जिले में चयनित 05 कलस्टर में 03 बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर का चयन किया जाना है। ऐसे नेचुरल फॉर्मिंग कृषक सहकारी समिति स्थानीय उद्यमी जो पात्रता रखते हों अपना आवेदन प्रमाणित अभिलेखों सहित 07 मई 2026 को कार्यालयीन समय 05:30 तक कार्यालय उप संचालक कृषि अम्बिकापुर में जमा कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। निर्धारित आवेदन फार्म कार्यालयीन समय पर प्राप्त किया जा सकता है।

लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी के लिए 31 मई 2026 तक आवेदन आमंत्रित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। लेखा प्रशिक्षण शाला अंबिकापुर के प्राचार्य ने बताया कि सत्र जुलाई 2026 से अक्टूबर 2026 तक लिपिकीय संवर्ग के कर्मचारी हेतु आवेदन 31 मई 2026 तक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित आमंत्रित किया गया है। पूर्णरूपेन भरा हुआ आवेदन पत्र जिसमें 03 वर्ष पूर्ण सेवा के साथ परिवीक्षा अवधि अनिवार्य रूप से पूर्ण होने के पश्चात अपने कार्याल/ विभाग के माध्यम से कार्यालय प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण शाला अम्बिकापुर में निर्धारित समयावधि में जमा/प्रेषित किया जा सकता है।

नेशनल हाईवे-130 पर 'सदर साहू पेट्रोलियम' का भव्य शुभारंभ

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। लखनपुर में बिलासपुर नेशनल हाईवे-130, राजपुरीकला स्थित 'सदर साहू पेट्रोलियम' का शुक्रवार को छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मंत्री अग्रवाल ने परंपरा अनुसार सबसे पहले अपनी गाड़ी में पेट्रोल भरवाकर पेट्रोल पंप की सेवाओं का शुभारंभ किया। मंत्री अग्रवाल ने पेट्रोल पंप के संचालक सुरेश साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर इस तरह की सुविधाओं के शुरू होने से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने क्षेत्र के विकास में निजी निवेश की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए ऐसे प्रयासों को सराहनीय बताया। मंत्री अग्रवाल ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है। पेट्रोल पंप जैसे प्रतिष्ठान न केवल सुविधा प्रदान करते हैं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी गति देते हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद कमल भान सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं साहू समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस नई सुविधा के शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

बाल हितैषी पंचायत में कछिया ने प्रदेश में बनाया कीर्तिमान

शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा में जनभागीदारी से मिली उपलब्धि

बलरामपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन ग्राम स्तर पर सुनिश्चित हो सके और शासकीय योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसी कड़ी में जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया ने बाल हितैषी पंचायत के रूप में प्रदेश में सतत विकास लक्ष्यों का स्थानीयकरण के 9 थीम अंतर्गत पीएआई 2.0 सर्वे में थीम 3 के तहत बाल हितैषी पंचायत विषय पर 95.71 अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन ग्राम पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाल हितैषी पंचायत के रूप में कछिया ग्राम पंचायत पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा दायक है उन्होंने कहा कि कछिया ग्राम पंचायत को

बाल हितैषी पंचायत के रूप में मिली पहचान स्थानीय जनप्रतिनिधियों, पंचायत अमले एवं ग्रामीणों के समर्पित एवं सामूहिक प्रयासों परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी तरह नवाचार, सहभागिता और पारदर्शिता के साथ विकास कार्यों को गति दी जाएगी, जिससे जिला सतत विकास करते हुए जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहेगा।

ग्राम पंचायत कछिया द्वारा बच्चों के शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बाल हितैषी वातावरण तैयार किया गया है। ग्राम पंचायत कछिया के प्राथमिक शाला में कुल 51 बच्चे अध्ययनरत हैं, जिनमें 18 बालक और 33 बालिकाएँ शामिल हैं। मिडिल स्कूल में 104 बच्चे अध्ययनरत हैं, जिनमें 47 बालक और 57 बालिकाएँ शामिल हैं। पंचायत में प्राथमिक और मिडिल स्कूल मिलाकर कुल 155 बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। पंचायत द्वारा बच्चों के अधिकारों की रक्षा, विद्यालय उपस्थिति बढ़ाने, स्वच्छता सुधार, बाल सुरक्षा तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा विद्यालय का नियमित भ्रमण एवं बच्चों का मार्गदर्शन किया गया।स्कूल प्रबंधन समिति के साथ समन्वय कर बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने हेतु निरंतर मॉनिटरिंग की गई। स्वच्छता अभियान के माध्यम से विद्यालय एवं ग्राम में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है तथा बच्चों को स्वच्छ पेयजल, हाथ धोने एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए प्रेरित किया गया ।ग्रामसभा/बैठकों में बच्चों से संबंधित विषयों को प्राथमिकता दी गई। पंचायत को एनीमिया मुक्त बनाने, 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने एवं गर्भवती माताओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने हेतु आंगनबाड़ी केंद्र के साथ समन्वय कर सतत निगरानी की गई।शिक्षक एवं पंचायत के संयुक्त प्रयास से बच्चों में अनुशासन एवं आत्मविश्वास का विकास हुआ।

उपलब्धियों को स्थायी बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत की कार्ययोजना तैयार की गई

पंचायत द्वारा बाल हितैषी कार्यों को स्थायी बनाए रखने हेतु कार्ययोजना तैयार की गई है। ग्रामसभा एवं पंचायत बैठकों में बच्चों के मुद्दों को नियमित एजेंडा में रखा जाएगा। विद्यालय का सतत निरीक्षण एवं उपस्थिति की निगरानी जारी रहेगी। स्वच्छता अभियान को नियमित रूप से संचालित कर स्कूल एवं गांव को स्वच्छ बनाए रखा जाएगा। शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं सुरक्षा से संबंधित योजनाओं का समन्वय कर लाभ बच्चों तक पहुँचाया जाएगा। पंचायत का लक्ष्य है कि गांव में शतप्रतिशत नामांकन, शून्य ड्रॉपआउट और सुरक्षित बाल वातावरण सुनिश्चित किया जाए। ग्राम पंचायत कछिया द्वारा शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्य अन्य ग्रामों के लिया प्रेरणास्त्रोत है जिससे अन्य पंचायत भी गांव को एक आदर्श बाल हितैषी पंचायत के रूप में विकसित करने की दिशा में अग्रसर हो सकें।

बाल हितैषी पंचायत के रूप में कार्य करते समय थी कई चुनौतियां

कछिया ग्राम पंचायत में प्रारंभिक चरण में कुछ परिवारों में निम्न वर्गीय एवं रोजगारवश बच्चों की शिक्षा में रुचि कम थी।मौसमी कार्य एवं पलायन के कारण बच्चों की उपस्थिति प्रभावित होती थी। साथ ही कुछ क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की कमी के कारण बरसात के समय बच्चों को विद्यालय जाने में कठिनाई होती थी। कुछ बच्चों में झिझक एवं अनुशासन की कमी भी चुनौती बनी, जिसके लिए निरंतर मार्गदर्शन आवश्यक था।

चुनौतियों को दूर करने हेतु पंचायत ने अपनाई विशेष रणनीति

पंचायत में जनप्रतिनिधियों सरपंच, उपसरपंच, सचिव एवं पंचगण, शिक्षकों के द्वारा अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को नियमित स्कूल भेजने हेतु प्रेरित किया गया। शिक्षक एवं प्रधानपाठक के साथ बैठक कर बच्चों की उपस्थिति एवं पढ़ाई की समीक्षा की गई।स्वच्छता अभियान चलाकर स्कूल एवं गांव की सफाई व्यवस्था बेहतर किया गया।

लंबित मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाएगा

बलरामपुर/नवप्रदेश। न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से आमजन तक पहुंचाने तथा आपसी सहमति के आधार पर मामलों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 'समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) 2026' का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से हो चुकी है, जिसकी परिणति 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत के रूप में होगी।इस विशेष लोक अदालत का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय परिसर में किया जाएगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों का आपसी सहमति से निपटारा किया जाएगा। इसके पूर्व राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण/समितियों के माध्यम से सुलह बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थों द्वारा पक्षकारों की सहायता की जाएगी, ताकि विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकल सके। अधिवक्ताओं, वादकारियों एवं संबंधित सभी पक्षों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया है। पक्षकार इन सुलह बैठकों में प्रत्यक्ष अथवा ऑनलाइन माध्यम से शामिल होकर अपने मामलों का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। अपने मामले को इस विशेष लोक अदालत में शामिल कराने हेतु एक गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया गया है। इच्छुक पक्षकार भारत के सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर जाकर अथवा दिए गए लिंक के माध्यम से फॉर्म भर सकते हैं। गूगल फॉर्म लिंक आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। यह पहल न्यायिक प्रक्रिया को गति देने के साथ-साथ आपसी समझ और सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जन समस्या निवारण शिविर में आवेदन का त्वरित निराकरण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप जिले में आयोजित 'सुशासन तिहार-2026' के तहत जन समस्या निवारण शिविर वृद्धजनों के लिए विशेष रूप से मददगार साबित हो रही हैं। इसी क्रम में ग्राम सखौली के रहने वाले श्री शिव कुमार दुबे के लिए यह शिविर खुशियों की नई किरण लेकर आया, जहाँ उनकी वृद्धावस्था पेंशन के आवेदन को शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।पेंशन स्वीकृति का पत्र प्राप्त करते ही दुबे के चेहरे पर संतोष और मुस्कान दिखाई दी। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि बढ़ती उम्र के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता एक बड़ी चुनौती थी, लेकिन अब पेंशन की राशि से उनका जीविकोपार्जन सुगमता से चलेगा। शिव कुमार दुबे ने राज्य सरकार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ष्छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गाँव-गाँव में मनाए जा रहे सुशासन तिहार से हम जैसे बुजुर्गों को बहुत लाभ मिल रहा है। पहले सरकारी प्रक्रियाओं के लिए शहर के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब गाँव में ही हमारी समस्याओं का समाधान हो रहा है। इसके लिए मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। प्रशासन द्वारा आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभान्वित करना है। मुख्यमंत्री के निर्देशन ने वृद्धावस्था पेंशन जैसी हितग्राही मूलक योजनाओं के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है, ताकि समाज के वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। सखौली के शिव कुमार दुबे जैसे अनेक वृद्धजन आज शासन की इन संवेदनशील योजनाओं के माध्यम से न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं, बल्कि उनके जीवन में सम्मान और सुरक्षा का भाव भी सुदृढ़ हो रहा है।

किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अब खेती-किसानी होगा आसान

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'सुशासन तिहार-2026' ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान और उन्हें सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। इसी क्रम में आयोजित 'जन समस्या निवारण शिविर' में ग्राम आमादरहा के रहने वाले किसान नान सहोदर तिर्की के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया, जहाँ उन्हें उनके बहुप्रतीक्षित किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया गया। अपना केसीसी कार्ड प्राप्त करने के बाद हर्ष व्यक्त करते हुए नान सहोदर ने बताया कि उन्होंने सुशासन तिहार के दौरान अपना आवेदन जमा किया था। जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और पारदर्शिता के चलते उनका कार्ड बनकर तैयार हो गया, जिसे उन्हें शिविर में ही प्रदान किया गया। हितग्राही तिर्की ने राज्य शासन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, सुशासन तिहार आने के बाद हमें अब दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

अम्बिकापुर शहरी क्षेत्र में जनगणना कार्य का शुभारंभ

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर क्षेत्रांतर्गत आज से राष्ट्रीय जनगणना कार्य का शुभारंभ किया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान के अंतर्गत नियुक्त प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में घर-घर जाकर आवश्यक जानकारी एकत्रित की जाएगी।

नगर निगम आयुक्त डी एन कश्यप द्वारा जारी निर्देशानुसार जनगणना कार्य को चरणबद्ध तरीके से संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जा

रहा है। इस दौरान प्रगणक नागरिकों से उनके परिवार, शिक्षा, व्यवसाय तथा उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे।

आयुक्त, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जो शहर के समग्र विकास एवं भविष्य की योजनाओं के निर्माण का आधार बनता है।

उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया है कि जब भी प्रगणक उनके घर पहुंचें, उन्हें सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। सभी प्रगणकों को अधिकृत पहचान पत्र जारी किए गए हैं, अतः नागरिक जानकारी देने से पूर्व उनकी पहचान सुनिश्चित कर सकते हैं।नगर निगम प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि नागरिकों से प्राप्त समस्त जानकारी पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी और इसका उपयोग केवल शासकीय प्रयोजनों के लिए किया जाएगा।

नगर पालिक निगम अम्बिकापुर द्वारा सभी वार्ड पार्षदों एवं मोहल्ला समितियों से भी अपील की गई है कि वे इस कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करें, ताकि कोई भी परिवार जनगणना से वंचित न रह जाए।

समीक्षा बैठक

कलेक्टर ने ली महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक

लंबित नियुक्तियों को एक माह के भीतर पूरा करने के निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर ने परियोजना अधिकारियों को निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की लंबित नियुक्तियों को एक माह के भीतर पूर्ण किया जाए, विशेषकर लखनपुर एवं बतौली परियोजना में प्राथमिकता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पंजीयन उपरांत करेक्शन क्यू निराकरण में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों की मैपिंग में आ रही कठिनाइयों के संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी एवं संबंधित सचिव को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाए।उन्होंने विभाग को सभी प्रमुख इंडिकेटर्स को बेहतर करने के निर्देश दिए।

महतारी वंदन योजना के अंतर्गत केवाईसी कार्य को शीघ्र पूर्ण करने, अपार एवं आभा आईडी निर्माण में प्रगति लाने पर भी जोर दिया गया।कलेक्टर ने कुपोषण मुक्ति की दिशा में कार्य करते हुए रेडी-टू-ईट, मिलेट वार एवं गर्भवती महिलाओं हेतु पोषण आहार के समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पोषण पुनर्वास केंद्र (छत्ब) में प्रत्येक परियोजना से 5-5 बच्चों को भेजना सुनिश्चित करने कहा गया।

बैठक में कलेक्टर ने परियोजना अधिकारियों एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करें।मातृ छाया योजना के अंतर्गत बच्चों के दत्तक ग्रहण (एडॉप्शन) से संबंधित प्रकरणों में अभिभावकों की उपस्थिति अनिवार्य करने तथा दत्तक ग्रहण करने वाले परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की जांच सुनिश्चित करने हेतु बाल संरक्षण अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने कहा कि विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी जे आर प्रधान, परियोजना अधिकारी सहित सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

Bhoramdev Sahakari Shakkart Utpadak Karkhana Marydit Kawardha, Village Ramhepur,
Distt- Kabirdham (Chhattisgarh)

WALK IN INTERVIEW

for more detail- Website- https:/bssukm.co.in, Email- bssukm.recruitment@gmail.com, Cont No 9179197556, 8319936711

For 3500 TCD Sugar Factory Seeks Application from Candidates for the following Posts on Contract Basis

S.N	Name of Post	Qualification & Experience	No of Post	Category	Salary
1	Chief Chemist	Min B.Sc.(ANSI-VSI) Sugar Tech. Factory Ex. Min. 05 yrs as Chief Chemist or 07 yrs as a Dy Chief Chemist	01	Unreserved	Negotiable as per service rule of factory with upper limit of Rs 75000/Month.
2	Qualifications must be from the recognized institutions only.				
3	intrested applicants are required to send their BIODATA along with all scaned original documents through e-mail id - bssukm.recruitment@gmail.com. **Latest by 07-05-2026 by 2 pm**(application mailed after said date and time will not be entertaimed.				
4	Applicants who fulfills the above requirements can attend walk in interview (only after written approval of management which will be reverted to same email id (of applicant) on 07-05-26 after scrutiny)				
5	**Walk in interview** will be conducted on **09-05-2026 at 10.30 am** at Bhoramdeo Sahakari Shakkar Karkhana Ltd., Kawardha Distt. Kabirdham (Chhattisgarh).APPLICANTS have to be present with their Bio Data along with two copies of passport size photographs , all Original Qualifications and Experience Certificates along with self attested Photo copy of the same.				
6	Selection Comittee reserves the full right to reject or accept any application without assigning any reason.				
7	The Management reserves the right to alter/enhance/change any of the conditions without any prior notice or ground.				
8	Upper age limit is set to 58 years for all applicants. After selection, the candidate has to sign a aggrement with factory which includes serving minimum 2 years of bond period (after completion of 2 years,3 months of notice period has to be served in case of resignation)				

Managing Director
Bhoramdev Sugar Factory Kawardha Dist- Kabirdham
(C.G.)

संगठनात्मक कार्यों का विभाजन और जिम्मेदारी का गंभीरता से पालन पर जोर

मुंगेली/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी 12 एवं 13 मई को आयोजित होने वाले जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर जिला भाजपा कार्यालय अटल परिसर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में वर्ग प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर सिंह बग्गा, जिला प्रभारी ज्योतिनंद दुबे एवं मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गिरीश शुक्ला, शैलेष पाठक, नरेंद्र शर्मा, राजेंद्र वैष्णव, जिला अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष शिवकुमार बंजारा, नगर पंचायत अध्यक्ष वर्षा विक्रम सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वर्ग प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता जसविंदर सिंह बग्गा ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की प्रक्रिया है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह वर्ग सुविधाओं से युक्त हो, पर वैभव से मुक्त हो। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान, संस्कार और संगठनात्मक अनुभव को समाज

एवं राष्ट्र निर्माण में लगाना ही सच्चे कार्यकर्ता का दायित्व है। साथ ही उन्होंने वर्ग की तैयारियों को लगातार निगरानी और समीक्षा करने की बात कही। जिला प्रभारी ज्योतिनंद दुबे ने संगठनात्मक कार्यों का विभाजन करते हुए सभी पदाधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग के बाद भी जिले में संगठन का कार्य अनुशासित और प्रभावी ढंग से चलता रहे, इसी उद्देश्य से जिम्मेदारियां तय की गई हैं।

विधायक पुन्नूलाल मोहले ने कहा कि वे स्वयं प्रशिक्षण वर्ग से निरंतर सीखते रहे हैं और उसका उपयोग सामाजिक, राजनीतिक एवं व्यावहारिक जीवन में करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित मुंगेली आगमन को लेकर भी कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। बैठक में स्वागत भाषण एवं बैठक का विवरण जिला अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री कैलाश सिंह ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री गुरमीत सलूजा ने किया। बैठक में शीलू साहू, रजनी मानिक सोनवानी, सुनील पाठक, हरिशंकर वर्मा, शंकर सिंह, मनोहर मोहले, अभिलाष द्विवेदी, राकेश साहू, रामेश्वर बंजारा, नितेश भारद्वाज, रितेश यादव, नागेश्वर साहू, सुखचंद साहू, मानिक सोनवानी, जितेंद्र दिवाकर, महेंद्र गुप्ता, यश गुप्ता, सुशील यादव, पोषण यादव, रितिमा लाल, विजय यादव, मन्नू श्रीवास्तव, देवेंद्र केशरवानी, डोमन दीक्षित, संदीप सोनी सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

न्यूज गैलरी

द्वितीय अपील की सुनवाई अब कलेक्टर न्यायालय में, पक्षकारों को मिलेगी सुविधा

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन, विधि एवं विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 28 अप्रैल 2026 में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44 में संशोधन किया गया है। यह संशोधन छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता संशोधन अधिनियम 2026 के तहत लागू किया गया है।जारी अधिसूचना के अनुसार संहिता की धारा 44 उपधारा (2) के उपखण्ड (क) के स्थान पर नवीन प्रावधान प्रतिस्थापित किया गया है। इस संशोधन के फलस्वरूप अब धारा 44(2) के अंतर्गत द्वितीय अपील की सुनवाई का अधिकार संबंधित जिले के कलेक्टर को प्रदान किया गया है।नवीन व्यवस्था लागू होने के बाद अग्रेत्तर सुनवाई हेतु कुल 2601 द्वितीय अपील प्रकरणों को संबंधित जिला कलेक्टर न्यायालय में स्थानांतरित किए जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।इस महत्वपूर्ण निर्णय से अब पक्षकारों को अपने ही जिले में अपील की सुनवाई का लाभ मिलेगा, जिससे समय एवं संसाधनों की बचत होगी तथा न्याय प्रक्रिया अधिक सुलभ और त्वरित बन सकेगी। राज्य शासन के इस अभिनव पहल से आम नागरिकों एवं प्रकरणों से जुड़े पक्षकारों में संतोष एवं प्रसन्नता का वातावरण है।

डांगगांव हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा

मुंगेली/नवप्रदेश। हायर सेकेंडरी स्कूल डांगगांव का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। वार्षिक परीक्षा 2026 में एम 90 प्लस लक्षित उद्देश्य को ध्यान में रखकर के अध्यापन कार्य कराया गया। जिनमें विद्यालय में हायर सेकेंडरी परीक्षा 12वीं में शत प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। कक्षा 10 वीं में परिणाम 91.66 प्रतिशत रही। जिनमें कु. रागनी 90.16 प्रतिशत से कक्षा दसवीं में सर्वाधिक अंक से विद्यालय में प्रथम व राधिका भार्गव 90 प्रतिशत से द्वितीय स्थान हासिल किया। कक्षा 12वीं में 88.8 प्रतिशत से खुशी भार्गव प्रथम स्थान अर्जित किया। आंचल 88 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान में रहे। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन में प्राचार्य बीपी पाली, एसएस पोर्ते, एलके खांडे, एमआर चंद्राकर, एसडी बांधले, शैलेन्द्र रात्रे, शैलेश कुमार, पीके बंजारे आदि ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

शराब बनाने से मना करने पर हुआ था विवाद, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

सरगुजा/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के नवाबांध में शराब बनाने से मना करने पर पति-पत्नी में विवाद हो गया। गुस्साई पत्नी ने पति पर खौलता हुआ माड़ (चावल का गर्म पानी) फेंक दिया। जिससे पति गंभीर रूप से झुलस गया। उसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है। मामला दरिमा थाना क्षेत्र का है।जानकारी के मुताबिक, ग्राम नवाबांध निवासी कन्नीलाल राजवाड़े की पत्नी रामबाई लंबे समय से महुआ शराब बनाकर बेचती थी, जिसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो चुका था। 29 अप्रैल की रात करीब 9 बजे कन्नीलाल खाना खाने के बाद अपने घर के आंगन में आराम कर रहा था। उसने अपनी पत्नी रामबाई को महुआ शराब बनाना बंद करने के लिए कहा। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया।विवाद के बाद आक्रोशित रामबाई ने चूल्हे पर माड़ को गर्म किया और खौलता माड़ पति कन्नीलाल राजवाड़े पर फेंक दिया। गर्म माड़ गिरने से कन्नीलाल के चेहरे सहित सीने, गर्दन और पीठ में गंभीर जलन और फफोले पड़ गए।दर्द से कराहते हुए उसकी आवाज सुनकर बेटा राजेंद्र राजवाड़े मौके पर पहुंचा और उसने पिता को दरिमा हॉस्पिटल पहुंचाया। शुरुआती इलाज के बाद उसे अंबिकापुर रेफर कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के बर्न यूनिट में उसका इलाज किया जा रहा है। राजेंद्र राजवाड़े ने बताया कि, उसकी मां रामबाई और छोटा भाई महुआ शराब बनाकर बेचते हैं, जिसे पिता पसंद नहीं करते हैं। दोनों अलग रहते हैं। हालांकि पिता भी एक ही है। शराब बनाकर बेचने से मना करने पर ही मां रामबाई ने खौलता माड़ पिता पर फेंक दिया।

रिंगबांध में भू-माफिया का कब्जा प्रशासन-निगम ने चलाया बुलडोजर

अंबिकापुर/नवप्रदेश। अंबिकापुर के बस स्टैंड से लगे रिंगबांध तालाब के 57 डिसमिल जमीन को प्रभावशाली भू-माफिया ने पाट कर कब्जा कर लिया। इस मामले में प्रशासन और नगर निगम ने शनिवार को जेसीबी मशीनों से मिट्टी को हटाने का काम शुरू कर दिया है। इससे पहले प्रशासन ने तालाब को पाटने पर रोक लगा दी थी।रिंगबांध का कुल रकबा प्रशासन के रिकार्ड में 6.25 एकड़ निस्तार मद में दर्ज है। इस तालाब के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया गया है। इसमें से 57 डिसमिल जमीन को जनवरी 2026 में आजाद इराकी के नाम पर रजिस्ट्री करा ली गई थी। इसके बाद भू माफिया तालाब को पाट रहे थे।इस पर कांग्रेस और भाजपा के पार्षदों ने आपत्ति जताई तो आनन-फानन में अंबिकापुर तहसीलदार ने जमीन पाटने पर रोक लगा दी। यह मामला नगर निगम की सामान्य सभा में भी उठा था।नगर निगम ने आजाद इराकी को नोटिस जारी कर तत्काल तालाब पाटने पर रोक लगाने के निर्देश दिए थे। अंबिकापुर तहसीलदार ने भी उस जमीन पर किसी भी प्रकार के काम करने पर रोक लगाई थी।

गौशाला के शेड के लिए 9.53 लाख की राशि आबंटित

मुंगेली/नवप्रदेश। नगर पालिका क्षेत्र के रेहूंटा मार्ग पर स्थित गौशाला के लिए नगर पालिका अध्यक्ष ने गौवंश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शेड निर्माण हेतु 9 लाख 53 हजार रुपये की बड़ी राशि आबंटित की है।

बीते गुरवार को क्षेत्र में आए तेज अंधड़ के कारण गौ सेवा धाम द्वारा निर्मित अस्थाई शेड पूरी तरह से टूट गया था। इस आपदा के कारण गौ वंशों के लिए सिर छिपाने की जगह का संकट उत्पन्न हो गया था। हालात की गंभीरता को समझते हुए गौ सेवा धाम के सदस्यों ने नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला से मिलकर इस समस्या से अवगत कराया। अध्यक्ष ने बिना देर किए तत्काल मामले का संज्ञान लिया और अधिकारियों को नए शेड के निर्माण हेतु निर्देशित किया। नगर पालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने जानकारी दी कि उनके अपने मद

से 9 लाख 53 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में कोई देरी नहीं होगी और ठेकेदार आनंद मिश्रा के द्वारा सोमवार से ही युद्ध स्तर पर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा, ताकि गौ वंशों को जल्द ही सुरक्षित और पक्का आश्रय मिल सके। निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष रोहित शुक्ला ने कहा कि गौ सेवा करना हर व्यक्ति का परम कर्तव्य है। उन्होंने शास्त्रों का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू धर्म में गौ को माता का दर्जा दिया गया है और यह मान्यता है कि गौ माता के शरीर में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है।

ऐसी पूजनीय गौ माता की रक्षा और उनकी सेवा करना हमारा नैतिक दायित्व है और नगर पालिका इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। इस अवसर पर प्रशासनिक और सामाजिक स्तर पर कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। जिनमें तहसीलदार कुणाल पाण्डेय, पटवारी आशीष भोई, पटवारी आशीष सिंह क्षत्रिय, ठेकेदार आनंद मिश्रा और धीरज पांडे प्रमुख रूप से शामिल थे। वहीं गौ सेवा धाम की ओर से नानू ठाकुर, मनीष वैष्णव सहित अन्य गौ सेवक मौजूद रहे। जिन्होंने नपा अध्यक्ष के इस त्वरित और संवेदनशील निर्णय की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

कलेक्टोरेट गेट पर बांधी गाय, ढाई घंटे तक चक्काजाम

मुंगेली/नवप्रदेश। विगत दिनों हुए तेज हवाओं के चलते गौ शाला में लगाए गए सेट के उड जानें तथा गायों को स्थायी आश्रय के मांग को लेकर गो सेवकों ने कलेक्ट्रेट गेट पर ही गायों का बांध कर विरोध जताया पुलिस और एलआईबी के अधिकारी मिलकर लगातार स्थिति का आकलन करते रहे तथा तहसीलदार लगातार समझाईश देते रहे न मानने पर प्रशासनिक कार्यवाही की गई।

जिले में गौ संरक्षण और घायल गौवंश के लिए स्थायी आश्रय की मांग को लेकर बड़ी संख्या में गौ सेवकों ने कलेक्टोरेट परिसर का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने न केवल कलेक्टोरेट गेट पर गायों को बांधकर विरोध जताया, बल्कि सड़क पर बैठकर ढाई घंटे तक चक्काजाम भी किया। आक्रोशित गौ सेवक अपने साथ घायल और बेसहारा गायों को लेकर सीधे कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने मुख्य गेट पर ही गायों को बांध दिया और पूरे परिसर को एक अस्थायी गौ सेवा धाम का रूप दे दिया। दोपहर की चिलचिलाती धूप में प्रदर्शनकारी सड़क पर ही बैठ गए, जिससे मुंगेली करणी मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया। विरोध प्रदर्शन के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कलेक्टर कार्यालय से लेकर पुराने तहसील कार्यालय और ग्राम करही तक बसें, ट्रक, निजी कारें और बाइक फंसी रहीं। लगभग ढाई घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। पुलिस और एलआईबी के अधिकारी लगातार स्थिति का आकलन करते रहे, लेकिन प्रदर्शनकारी टस से मस नहीं हुए। दरअसल, इस आक्रोश की जड़ें रेहूटा स्थित गौ सेवा धाम से जुड़ी हैं। गौ सेवक यहां बांस और तिरपाल के सहारे घायल गायों की सेवा करते आ रहे थे। लेकिन गुरुवार को आई तेज आंधी-तूफान ने इस अस्थायी व्यवस्था को तहस-नहस कर दिया। छत लिन जाने और भारिश में गौवंश की दुर्दशा देख सेवादारों का धैर्य जवाब दे गया। इससे पहले भी गौ सेवकों ने पुराना बस स्टैंड में भूख हड़ताल की थी, जिसके बाद प्रशासन ने जमीन चिन्हांकित करने का आश्वासन दिया था। प्रदर्शन कर रहे सेवादारों का आरोप है कि प्रशासन गौवंश की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील नहीं है। उन्होंने कहा कि घायल और बेसहारा गौवंश के लिए स्थायी सरकारी जमीन का आवंटन होना चाहिए।

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में ताम्रपत्र स्वीकृत किया

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के लोकतंत्र

सेनानियों मीसा बंदियों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उन्हें ताम्रपत्र से सम्मानित करने की सहमति प्रदान की है। लोकतंत्र प्रहरी प्रदेश महामंत्री अंजना जायसवाल ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर यह विशेष आग्रह किया था। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया कि प्रदेश के समस्त मीसा बंदियों को, चाहे वे जीवित हों या दिवंगत हो गए हों, शासन की ओर से ताम्रपत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाए। इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल सहमति जताई और संघ से कहा कि वे अन्य राज्यों में दिए जाने वाले ताम्रपत्र का प्रोफार्मा और डिजाइन यथाशीघ्र शासन के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि इस पर त्वरित कार्यवाही की जा सके। मुलाकात के दौरान उपासने ने मुख्यमंत्री को सौंपे पत्र के माध्यम से सरकार की वर्तमान पहल की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि विगत दो वर्षों से 25-26 जून को मुख्यमंत्री निवास पर सेनानी परिवारों को भोजन पर आमंत्रित करना और दिवंगत सेनानियों का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर उनके परिवारों को 25,000 की सहायता देना अत्यंत प्रशंसनीय कदम है। इसी कड़ी में उन्होंने मांग की कि आगामी 25-26 जून के अवसर पर सेनानियों को शॉल, श्रीफल और स्मृति-चिह्न के साथ छायांकित युक्त ताम्रपत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाए। यह ताम्रपत्र आने वाली पीढ़ियों के लिए आपातकाल के संघर्ष का एक स्थायी प्रतीक सिद्ध होगा।

पीड़ित परिवार से मिला कांग्रेस जांच दल, न्याय का दिलाया भरोसा

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सीतापुर थाना क्षेत्र में 23-24 की दरमियानी रात सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर सियासत तेज हो गई है। मामले में कांग्रेस के जांच दल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली।

इस दौरान कांग्रेस की छत्तीसगढ़ सह प्रभारी जारिता लैतफलांग भी मौजूद रहीं। जरिता लैतफलांग ने पीड़ित परिवार से बातचीत कर उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इसके साथ ही उन्होंने घटना को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के प्रदेश में ही बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में प्रशासन की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है। कांग्रेस नेताओं ने पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यवाही पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि घटना के बाद जिस तरह से कार्रवाई की गई, उसमें कई कमियां दिखाई देती हैं।

एमएलसी रिपोर्ट को लेकर भी कांग्रेस ने संदेह जताते हुए पारदर्शिता की मांग की है। जांच दल ने आरोप लगाया कि प्रशासन इस मामले को दबाने का प्रयास कर रहा था, जिससे पीड़ित पक्ष को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और पीड़ित परिवार को सुरक्षा व उचित न्याय मिलना चाहिए। गौरतलब है कि सीतापुर थाना क्षेत्र में हुई इस घटना से पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर लगातार प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

समाधान समारोह में शामिल होने 31 मई तक भरे जाएंगे आवेदन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बिकापुर के सचिव ने बताया कि न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर-घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्त रूप देने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 का आयोजन 21 अप्रैल 2026 से आरम्भ किया गया। जिसके अंतर्गत 21, 22 तथा 23 अगस्त 2026 को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाना है। विशेष लोक अदालत का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त को होना जिसमें लंबित मामले शामिल किया जाएगा। विशेष लोक अदालत पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्य/जिला/तालुका /उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण ध् समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। इस सुलह वार्ता का आयोजन 21 अप्रैल 2026 को समाधान समारोह के आरम्भ के साथ शुरु हो गया है।

मुंगेली में 1 मई से 16 मई तक ग्रीष्मकालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला शतरंज संघ द्वारा 1 मई से 16 मई तक ग्रीष्मकालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर 2026 का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर के दूसरा दिन उत्साहपूर्ण माहौल में सफ़लतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण शिविर स्थानीय आगर हाई स्कूल दाऊपारा में आयोजित किया जा रहा है।

शिविर के दूसरे दिन कुल 11 बच्चों ने भाग लेकर शतरंज की बारीकियों को सीखा। प्रशिक्षण के दौरान कोच एवं संघ के वरिष्ठ सदस्यों ने प्रतिभागियों को मोहरों की चाल, खेल के नियम तथा शुरुआती

रणनीतियों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने बच्चों को एकाग्रता, धैर्य और रणनीतिक सोच विकसित करने के लिए नियमित अभ्यास का महत्व भी बताया। शिविर में बच्चों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण लिया और शतरंज के विभिन्न पहलुओं को समझने का प्रयास किया। यह प्रशिक्षण शिविर प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शिविर में राष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ खिलाड़ी देवराज वंदे प्रशिक्षण देकर खेल की बारीकियां सिखा रहे है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को आगे राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मुंगेली जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। शिविर के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा इस आयोजन के मुख्य संयोजकों में से एक हैं। उन्होंने बताया कि संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ से मान्यता प्राप्त और राज्य शासन से पंजीकृत संस्था है। पूर्व वर्षों में भी मुंगेली जिले के खिलाड़ियों ने शतरंज में कई पुरस्कार हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

पेज 1 का शेष...

किसके सिर पर ताज, तय...

कि वह किसी तरह से पश्चिम बंगाल में कामयाब हो, वहां अपनी सरकार बना सके।

पश्चिम बंगाल की जंग इस बार सिर्फ एक राज्य का चुनाव नहीं, बल्कि देश की राजनीति का टर्निंग पॉइंट बनती दिख रही है। नतीजे दो बिल्कुल अलग कहानियां लिख सकते हैं। अगर बीजेपी जीतती है, तो यह बंगाल में पहली बार उसकी सत्ता का दरवाजा खोलेगी और विपक्ष के कमजोर पड़ने की बड़ी कथा को बल मिलेगा। वहीं विपक्ष पहले से ही आरोपों की बुनियाद तैयार कर चुका है- उनके मुताबिक चुनाव आयोग, सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती, केंद्रीय नेतृत्व की आक्रामक मौजूदगी और अमित शाह के लंबे कैंपेन के बावजूद अगर बीजेपी हारती है, तो यह प्रधानमंत्री मोदी की एक बड़ी और प्रतीकात्मक हार के रूप में देखा जाएगा।

बंगाल की फालता सीट...

24 परगना में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई। इस दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों पक्षों को शांत कराया। फालता में वोटर्स ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वोटिंग के बाद टीएमसी के लोगों ने उनके साथ मारपीट की। जब वे इसका विरोध कर रहे थे तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया। कई लोगों को पैर में, सिर में और हाथ में चोट आई है।

चंदागढ़ में सीएम की...

सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया।

कच्ची झोपड़ी से पक्के...

प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश बन गया।

हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनका वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें पक्का घर मिल रहा है, जिससे उनके परिवार का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बनेगा।

'लखपति दीदी' की किराना...

सामान के साथ-साथ फोटो कॉपी मशीन और फ्रिज की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे गांववासियों को ठंडा पानी और अन्य जरूरी वस्तुएं मिलती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने दुकान से ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा खरीदा और स्वयं अपने पर्स से पैसे निकालकर भुगतान किया। जब सुमिला ने पैसे लेने से मना किया, तो मुख्यमंत्री श्री साय ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह आपके मेहनत का हक है, इसे जरूर स्वीकार कीजिए। उन्होंने सुमिला के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र में रहकर लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना बेहद सराहनीय है और यह अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा है।

मुख्यमंत्री मैदान में उतरे...

यह भी समझने का प्रयास किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं की क्या स्थिति है और किन-किन संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

मैदान में मौजूद खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर से भी मुख्यमंत्री ने चर्चा कर उनके अनुभवों और खेल से जुड़े पहलुओं के बारे में जाना, जिससे स्थानीय स्तर पर खेल गतिविधियों की वास्तविक स्थिति की जानकारी उन्हें मिल सकी।बच्चों के उत्साह और खेल के प्रति उनकी रुचि को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग...

जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

कोयला परिवहन घोटाला: 575 ट्रेलर...

अन्य खदानों से कोयले की आपूर्ति की जा रही थी। उस समय रेल के बजाय सड़क मार्ग से परिवहन ज्यादा किया जा रहा था। इसी दौरान प्रबंधन को कोयले के स्टॉक में गड़बड़ी का संदेह हुआ। रिकॉर्ड की जांच में सामने आया कि जितने ट्रक-ट्रेलर रवाना हुए, उतने प्लांट तक पहुंचे ही नहीं।

सिम्स के डॉक्टरों ने हिप सर्जरी से मरीज को चलाया, गिरने से बिगड़ी स्थिति सुधारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिम्स अस्पताल में डॉक्टरों ने 32 वर्षीय युवक को जटिल रिविजन टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के जरिए नया जीवन दिया है। गिरने के कारण मरीज के कूल्हे का इम्प्लांट खिसक गया था, जिससे उसे चलने में परेशानी हो रही थी। आयुष्मान कार्ड के तहत यह इलाज मुफ्त में किया गया।

बिलासपुर निवासी अमन कश्यप का लगभग एक साल पहले सिम्स में दोनों कूल्हों का प्रत्यारोपण हुआ था। वह तेजी से स्वस्थ हो रहे थे, लेकिन कुछ समय बाद घर पर गिरने से उनके कूल्हे में लगे इम्प्लांट अपनी जगह से खिसक गए। इसके कारण उन्हें तेज दर्द, चलने में कठिनाई और कूल्हे में अस्थिरता की गंभीर समस्या होने लगी। स्थिति बिगड़ने पर अमन ने सिम्स के अस्थिरोग विभाग से संपर्क किया। डॉ. संजय घिल्ले की सलाह पर एक्स-रे परीक्षण में इम्प्लांट की स्थिति गंभीर रूप से प्रभावित पाई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभागाध्यक्ष डॉ. एआर बेन के नेतृत्व में तत्काल रिविजन टोटल हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी का निर्णय लिया गया।

आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क सर्जरी

यह पूरी जटिल सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पूरी तरह निशुल्क की गई। वहीं, निजी अस्पतालों में इसी प्रकार की सर्जरी का खर्च लगभग 4 से 5 लाख रुपए तक आता है। इस सफल ऑपरेशन में अस्थिरोग विभागाध्यक्ष डॉ. एआर बेन के नेतृत्व में डॉ. संजय घिल्ले, डॉ. प्रवीन द्विवेदी और पीजी स्टूडेंट्स डॉ. प्रियांश, डॉ. निरंजन, डॉ. लेखराज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, एनेस्थीसिया टीम में डॉ. मधुमिता मूर्ति, डॉ. मिल्टन और डॉ. श्वेता का विशेष योगदान रहा।

सफलता का श्रेय टीम वर्क को

डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के समन्वय, अनुभव और समर्पण से यह जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो सकी। यह टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि सिम्स में लगातार जटिल और उच्चस्तरीय सर्जरी सफलतापूर्वक की जा रही हैं। आधुनिक तकनीक, अनुभवी चिकित्सकों और समर्पित टीमवर्क के माध्यम से हम मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि 'रिवीजन हिप रिप्लेसमेंट जैसी चुनौतीपूर्ण सर्जरी का सफल होना हमारे चिकित्सकों की कुशलता, अनुभव और समर्पण को दर्शाता है।

जटिल रिवीजन हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी

विशेषज्ञों के अनुसार, यह सर्जरी सामान्य हिप रिप्लेसमेंट से कहीं अधिक जटिल होती है। इसमें पुराने इम्प्लांट को हटाकर नए को सटीकता से स्थापित करना होता है। ऑपरेशन के दौरान मरीज के दाहिने कूल्हे का कंपोनेंट पूरी तरह हिल चुका था। डॉक्टरों ने केवल एसिटाबुलर कंपोनेंट को बदला और फीमर में लगे कंपोनेंट को सुरक्षित रखा, जिससे तकनीकी चुनौतियां कम हुईं। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ। चिकित्सकीय निगरानी और नियमित फिजियोथेरेपी की मदद से अमन अब दोबारा सामान्य रूप से चलने-फिरने में सक्षम हो गए हैं।

न्यूज गैलरी

जनगणना ड्यूटी कर रहे शिक्षक से मारपीट

बिलासपुर/नवप्रदेश। जनगणना कार्य में लगे शिक्षक के साथ ग्रामीण ने मारपीट की गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र के ग्राम घोघरा की है। शनिवार सुबह करीब 10 बजे शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उड़नताल में पदस्थ शिक्षक नेतराम पैकरा जनगणना ड्यूटी के सिलसिले में ग्राम घोघरा पहुंचे थे। इस दौरान वे मकान नंबर 141 में राम करेस चतुर्वेदी के घर के पास पहुंचे। इसी दौरान गांव का ही निर्मल सतनामी मौके पर पहुंचा और शिक्षक से सवाल-जवाब करते हुए मारपीट शुरू कर दी। शिक्षक ने उसे जनगणना ड्यूटी की जानकारी देने की कोशिश की, लेकिन उसने एक नहीं सुनी और शिक्षक का आईडी कार्ड फाड़ दिया। घटना के बाद शिक्षक पंचायत भवन पहुंचा, जहां आरोपी ने सरपंच के सामने ही शिक्षक का कॉलर पकड़ लिया और धमकी दी। वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति को शांत कराया। शिक्षक जब दगौरी के लिए निकला, तब आरोपी ने चुराघाट तक उसका पीछा किया, जिससे शिक्षक डर गया। मामले में शिक्षक ने अपने उच्च अधिकारियों को सूचना दी। फिलहाल, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने युवक का चापड़ से गला काटा

बिलासपुर/नवप्रदेश। शनिवार रात मारपीट के दौरान छोटे भाई को बचाने पहुंचे बड़े भाई की हत्या कर दी गई। बदमाशों ने चापड़ से युवक का गला रेत दिया। वारदात के बाद परिजन और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव किया। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम अभिषेक यादव (22) है, जो मोपका गुड़ी मोहल्ले का रहने वाला था। उसके चचेरे भाई ओमप्रकाश यादव (16) का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। युवकों ने ओमप्रकाश से पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान अभिषेक ओमप्रकाश को बचाने के लिए पहुंचा था। तभी बदमाशों ने उस पर भी हमला कर दिया। हालांकि, अभी तक विवाद की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। दरअसल, अभिषेक यादव बीए सेकंड का स्टूडेंट था। रात करीब 10:30 बजे मोपका चौक में उसके चचेरे भाई ओमप्रकाश यादव का युवकों से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई। करीब 5 युवकों ने ओमप्रकाश को घेरकर पीटना शुरू कर दिया। छोटे भाई को पिटता देख अभिषेक मौके पर पहुंचा और उसे बचाने की कोशिश की। इसी दौरान आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। एक युवक ने चापड़ से अभिषेक के गले पर वार किया। गंभीर रूप से घायल अभिषेक जमीन पर गिर पड़ा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ओमप्रकाश जान बचाकर भागा। आरोपी उसका पीछा करते हुए नजदीकी पुलिस चौकी तक पहुंच गए। किसी तरह वह चौकी में घुसकर अपनी जान बचा सका।

नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता ने गोंदिया-बल्हारशाह रेलखंड का किया निरीक्षण

यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित व आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएं: दीपक कुमार

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता द्वारा आज 2 मई को गोंदिया-बल्हारशाह रेलखंड का सघन निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उनके साथ वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह सहित नागपुर मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान यात्री सुविधाओं, संरक्षा व्यवस्थाओं, स्टेशन विकास कार्यों तथा रेल संचालन की तैयारियों का गहन अवलोकन किया गया।

निरीक्षण के क्रम में हिरदामाली, गोंगले, सोंदड़, देवलगांव, अर्जुनी, वडसा, ब्रह्मपुरी एवं नागभीड़ जंक्शन का विशेष निरीक्षण किया गया। इन स्टेशनों पर यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं जैसे स्वच्छता, पेयजल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, प्रतीक्षालय, टिकटिंग सुविधा, प्लेटफार्म स्थिति तथा संरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा यात्री सेवा, टिकट जांच अभियान, राजस्व वृद्धि, खानपान सेवाओं तथा स्टेशन परिसरों में वाणिज्यिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की संतुष्टि रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विभिन्न मानकों का निरीक्षण

इस अवसर पर श्री गुप्ता ने रेल पथ, सिग्नल प्रणाली, दूरसंचार व्यवस्था, ओवरहेड विद्युत उपकरण, पुल-पुलियों तथा अन्य संरक्षा मानकों का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुरक्षित, समयबद्ध एवं निर्बाध रेल संचालन नागपुर मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान स्टेशन परिसरों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, हरित वातावरण तथा यात्री सुविधा विस्तार कार्यों की भी समीक्षा की गई। मंडल के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह निरीक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। नागपुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं आधुनिक रेल सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु निरंतर प्रतिबद्ध है।

बिलासपुर-रायपुर रूट की कई मेमू और पैसेंजर ट्रेनें तीन दिन रहेंगी बंद

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल अंतर्गत निपनिया-भाटापारा सेक्शन में किमी 755/07-09 पर स्थित लेवल क्रासिंग संख्या 380 पर रोड अंडरब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के तहत रिलिविंग गर्डरों की लांचिंग के लिए ट्रैफिक-सह पावर ब्लॉक लिया गया है, जिससे रेल यातायात प्रभावित हुआ है। ब्लॉक के कारण कोरबा से चलने वाली चार मेमू एवं पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन 3 से 6 मई तक पूरी तरह निरस्त कर दिया गया है। इनमें बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू (68734/68733), बिलासपुर-रायपुर मेमू (68719), कोरबा-रायपुर पैसेंजर (58203) सहित अन्य ट्रेनें शामिल हैं। झारसुगुड़ा से गोंदिया के बीच चलने वाली 68862 मेमू पैसेंजर बिलासपुर में समाप्त होगी और गोंदिया-बिलासपुर खंड रद्द रहेगा। इसी तरह 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू बिलासपुर से शुरू होगी और गोंदिया-बिलासपुर के बीच सेवा बंद रहेगी। 3 से 6 मई तक कोरबा और रायपुर रूट की कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी, जिससे दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे ने निर्माण कार्य को आवश्यक बताते हुए कहा है कि यह कार्य भविष्य में सुरक्षित और बेहतर रेल संचालन के लिए किया जा रहा है।

सिलेंडर महंगा, रसोई पर वार हर घर का बजट बिगड़ाः रविंद्र

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में बढ़ती महंगाई को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। बिलासपुर जिला शहर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ योग आयोग के पूर्व सदस्य रविंद्र सिंह ठाकुर ने रसोई गैस की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर तीखा निशाना साधा है। रविंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में महंगाई की मार से हर वर्ग प्रभावित है और आमजन बदहाल व परेशान है। उन्होंने वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत 993 रुपये और 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर के दाम 261 रुपये किए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती कीमतों के कारण हर घर का बजट बिगड़ गया है। घर की जिम्मेदारी संभालने वाली महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं और उन्हें रोजमर्रा के खर्चों को संतुलित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि केवल गैस ही नहीं, बल्कि तेल और अन्य खाद्य सामग्री की कीमतों में भी लगातार वृद्धि हो रही है। सरकार द्वारा बार-बार दर बढ़ाने से आम लोगों पर आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। रविंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि चुनाव पूर्व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महंगाई कम करने का वादा किया था, जिसे निभाया जाना चाहिए।

अरुण साव ने नगर भ्रमण कर विकास कार्यों का लिया जायजा

बिलासपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक अरुण साव ने आज लोरमी नगर में स्कूटी से भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने रानीगांव में गार्डन, तालाब और मुक्तिधाम निर्माण कार्यों का जायजा लिया। श्री साव ने प्रवेश द्वार, नाली निर्माण और मनियारी नदी पर बन रहे पुल की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बस स्टैंड जिम में युवाओं से संवाद किया और स्लम स्वास्थ्य योजना के मेडिकल यूनिट का अवलोकन कर स्वास्थ्य सुविधाओं को परखा। साथ ही नालंदा परिसर (आधुनिक लाइब्रेरी) के निर्माण कार्य का शुभारंभ भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भ्रमण के दौरान बच्चों और महिलाओं से आत्मीय मुलाकात कर उनका सुख-दुख जाना। उन्होंने ब्राह्मण पारा में जादूगर द्वारा दिखाए जा रहे जादू का आनंद भी लिया। श्री साव ने लोरमी में अपने विधायक कार्यालय में स्थानीय नागरिकों के साथ विकास कार्यों पर चर्चा की और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

मंत्री तोखन ने नरसिंहनाथ मेला समापन में हुए शामिल, सांस्कृतिक एकता पर दिया जोर

बिलासपुर/नवप्रदेश। आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने ओडिशा के पाइकमाल, जिला बरगढ़ में आयोजित ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के नरसिंहनाथ मेला के समापन समारोह में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने भगवान नरसिंहनाथ के दर्शन कर प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। मंत्री श्री साहू ने कहा कि नरसिंहनाथ मेला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, गहरी आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है, जहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और लोकपरंपराओं को सहेजने एवं आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य की लोकपरंपराएं, मेलों और धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करती हैं। मंत्री श्री साहू ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने, सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और विकास की दिशा में सामूहिक प्रयासों को प्रेरित करने का कार्य करते रहेंगे।

सेनेटरी इंस्पेक्टर निलंबित, बिना रसीद वसूली का आरोप

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर में बिना रसीद वसूली करने और अभद्र व्यवहार के आरोप में सेनेटरी इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई दुकानदार की शिकायत और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई है। नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने स्वच्छता पेट्रोलिंग टीम के प्रभारी वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक दीपक कुमार पंकज को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। उन पर दुकानदार से अभद्र व्यवहार करने, बिना रसीद जुर्माना वसूलने और दुकान से बिना भुगतान किए सामान लेने का आरोप है। मामले में शिकायतकर्ता दुकानदार ने साक्ष्य के तौर पर निगम को सीसीटीवी फुटेज सौंपा था। फुटेज में टीम प्रभारी की आपत्तिजनक गतिविधियां सामने आने के बाद निगम प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया और त्वरित कार्रवाई की।

20 हजार की मांग, 7 हजार की अवैध वसूली का आरोप

दरअसल, यह मामला 27 अप्रैल का है, जब निगम की स्वच्छता पेट्रोलिंग टीम ने जोन क्रमांक 6 स्थित मिश्रा किराना स्टोर पर प्रतिबंधित पॉलिथिन जब्ती के नाम पर 20 हजार रुपए की मांग की थी। आरोप है कि रकम न देने पर टीम ने दुकानदार से अवैध रूप से 7 हजार रुपए वसूल लिए।

मुफ्त कोल्ड ड्रिंक और सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान का आरोप

इसके अतिरिक्त, टीम पर कार्रवाई के दौरान दुकान से मुफ्त कोल्ड ड्रिंक लेने और सार्वजनिक स्थान पर धूम्रपान करने का भी आरोप है। जब यह मामला सामने आया, तो अगले दिन 28 अप्रैल को दुकानदार को बैक डेट पर रसीद थमा दी गई।

प्रभारी निरीक्षक निलंबित

इसके बाद निगम कमिश्नर प्रकाश सर्वे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए। जांच में पेट्रोलिंग टीम के प्रभारी वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक दीपक कुमार पंकज दोषी पाए गए, जिसके बाद कमिश्नर ने उन्हें निलंबित कर दिया।

मारवाड़ी महिला समिति ने शर्बत वितरण व देहदान नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम किया आयोजित

बिलासपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति, बिलासपुर द्वारा राजकिशोर नगर स्थित शनि मंदिर परिसर में शर्बत वितरण के साथ-साथ देहदान एवं नेत्रदान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की सभी सम्मानित सदस्यों ने उपस्थित होकर श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों को गर्मी में शीतल शर्बत वितरण में बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही देहदान और नेत्रदान के सामाजिक एवं मानवीय महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सदस्यों ने बताया कि मृत्यु के उपरांत किया गया एक छोटा सा दान कई जीवन बचा सकता है और अंधकार में जीवन जी रहे लोगों को नई रोशनी दे सकता है। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने जागरूकता पोस्टर के माध्यम से लोगों को इस पुण्य कार्य से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। समिति का उद्देश्य समाज में देहदान एवं नेत्रदान के प्रति फैली भ्रांतियों को दूर कर अधिक से अधिक लोगों को इस महादान के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर उपस्थित सदस्य अध्यक्ष मधु बगड़िया, रेखा सिंघानिया, सीमा चौधरी, सपना अग्रवाल, प्रीतो बुधिया, शारदा सिंगल, ज्योति अग्रवाल, पूनम मित्तल, खुशबू अग्रवाल।

सेवानिवृत्तः सीवी रमन विश्वविद्यालय में सात कर्मियों को दी गई विदाई, भावनाओं से भरा रहा समारोह

सेवानिवृत्त कर्मियों का विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिकाः कुलसचिव

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में पहली बार एक साथ सात कर्मियों के सेवानिवृत्त होने पर एक भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले कर्मियों के योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

समारोह में कुल सचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। इन सभी साथियों ने अपने कार्य से विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। उनका समर्पण और अनुशासन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा और विश्वविद्यालय परिवार सदैव उनके योगदान को याद रखेगा। विदाई समारोह में डिप्टी रजिस्ट्रार नीरज कश्यप ने कहा कि इन साथियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया है। इनकी कार्यशैली और समर्पण विश्वविद्यालय के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। इस अवसर पर डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पा कश्यप ने अपने वक्तव्य में कहा कि इन कर्मियों ने अपने व्यवहार और कार्य से एक आदर्श स्थापित किया है। डॉ वेद प्रकाश मिश्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य और सुखद जीवन की कामना करता है। कार्यक्रम के अंत में सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्मृति चिन्ह एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। वातावरण भावुक हो उठा जब सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुपम तिवारी ने किया। सेवानिवृत्त होने वालों में एसोसिएट प्रोफेसर आर.के. सिंह (लाइफ साइंस विभाग), सुरेंद्र कुमार सोनी (हार्डवेयर इंजीनियर), मृत्युंजय पांडे (ऑफिस असिस्टेंट, परीक्षा विभाग), अरुण कुमार जायसवाल (वर्कशॉप असिस्टेंट), शत्रुघ्न सिंह (सुपरवाइजर, मेंटेनेंस), भगवान सिंह (गार्ड) एवं बलराम गुप्ता (ड्राइवर) शामिल हैं। सभी ने अपने कार्यकाल के दौरान विश्वविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सेवानिवृत्त कर्मियों ने अनुभव किए साझा

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति अपने भाव व्यक्त किए। प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय उनके लिए केवल कार्यस्थल नहीं, बल्कि एक परिवार रहा है और यहां बिताए गए पल उनकी जिंदगी की अमूल्य धरोहर रहेंगे। सुरेंद्र कुमार सोनी ने कहा कि उन्होंने यहां सिर्फ काम ही नहीं किया, बल्कि जीवन के कई महत्वपूर्ण सबक सीखे हैं और विश्वविद्यालय की उन्नति देखकर हमेशा गर्व महसूस होगा। मृत्युंजय पांडे ने भावुक होते हुए कहा कि यहां का हर दिन एक नई सीख लेकर आया और वे भले ही दूर हो रहे हों, लेकिन उनका दिल हमेशा यहीं रहेगा। अरुण कुमार जायसवाल ने विश्वविद्यालय को अपनी पहचान और प्रगति का आधार बताते हुए आभार व्यक्त किया। शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि यहां का अपनापन और सहयोग वे कभी नहीं भूल पाएंगे। भगवान सिंह ने कहा कि उन्हें यहां सभी का स्नेह और सम्मान मिला, जो उनके लिए अमूल्य है। वहीं बलराम गुप्ता ने विश्वविद्यालय से जुड़े रहने को अपने जीवन का गर्व बताया।

छत्तीसगढ़ शासन
महतारी गौरव वर्ष
महतारी वंदन
से महिलाओं को संबल
26 किस्तों में
16,240 करोड़ रुपए
की सहायता
S-47608/1
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
सुशासन से समृद्धि की ओर

जीएसटी कलेक्शन ने तोड़े इतिहास के सारे रिकॉर्ड, अप्रैल में हुई 2.43 लाख करोड़ की बंपर कमाई

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए अप्रैल 2026 का महीना एक बहुत बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि लेकर आया है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कलेक्शन ने इस बार अपने पिछले सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। सरकार के खजाने में अप्रैल महीने में 2.43 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि जमा हुई है। यह न सिर्फ अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन है, बल्कि पिछले साल के मुकाबले भी इसमें शानदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस ऐतिहासिक बढ़त के पीछे सिर्फ घरेलू बाजार की मांग ही नहीं, बल्कि आयात से होने वाली बंपर कमाई का भी सबसे बड़ा योगदान रहा है।

आंकड़ों में लगाई छलांग, 8.7 प्रतिशत की हुई शानदार वृद्धि

अप्रैल 2026 में कुल जीएसटी कलेक्शन 2.43 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो बीते मार्च महीने के 2 लाख करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। अगर पिछले साल से इसकी तुलना करें तो अप्रैल 2025 में यह आंकड़ा 2.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह सालाना आधार पर करीब 8.7 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, नेट जीएसटी रेवेन्यू 2.11 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 7.3 प्रतिशत ज्यादा है।

घरेलू कारोबार से ज्यादा आयात ने भरा सरकार का खजाना

इस बार के जीएसटी कलेक्शन में सबसे दिलचस्प बात यह रही कि सबसे बड़ा योगदान आयात से मिला है। इंपोर्ट से जुड़े जीएसटी रेवेन्यू में 25.8 प्रतिशत की

जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है और यह 57,580 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके मुकाबले घरेलू कारोबार से मिलने वाला राजस्व सिर्फ 4.3 प्रतिशत बढ़कर 1.85 लाख करोड़ रुपये ही रहा। इन आंकड़ों से साफ है कि सरकार की कुल कमाई में इस बार घरेलू मांग से ज्यादा इंपोर्ट का बड़ा रोल रहा है।

ग्लोबल टेंशन और कच्चे तेल की कीमतों का दिखा सीधा असर

टैक्स कलेक्शन में हुए इस भारी इजाफे के पीछे वैश्विक हालात भी एक बड़ी वजह रहे हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर इन जीएसटी आंकड़ों पर देखने को मिला है। अप्रैल के दौरान ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई थी। कच्चा तेल महंगा होने के कारण भारत का आयात बिल बढ़ा, जिसका सीधा फायदा सरकार को बढ़े हुए टैक्स कलेक्शन के रूप में मिला है।

रिफंड में भी आया उछाल, लेकिन ग्रोथ की रफ्तार पर सुस्ती के संकेत

टैक्स कलेक्शन के साथ-साथ अप्रैल महीने में सरकार की तरफ से जारी किए गए जीएसटी रिफंड में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। कुल रिफंड 19.3 प्रतिशत बढ़कर 31,793 करोड़ रुपये हो गया। इसमें घरेलू रिफंड में 54.6 प्रतिशत का बड़ा उछाल आया, जबकि एक्सपोर्ट से जुड़े रिफंड में थोड़ी कमी दर्ज की गई।

न्यूज गैलरी

कनाडा क्रिकेट: मोंटी देसाई पुरुष टीम के हेड कोच बने

टोरंटो। क्रिकेट कनाडा ने मोंटी देसाई को पुरुषों की नेशनल टीम का हेड कोच बनाया है. देसाई की नियुक्ति को कनाडा क्रिकेट के विकास के लिए अहम माना जा रहा है. कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद मोंटी देसाई ने कहा, मुझे यह जिम्मेदारी लेते हुए गर्व महसूस हो रहा है. मैं क्रिकेट कनाडा को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं. कनाडा में मेरे पिछले अनुभव ने मुझे संभावना और खेल के लिए मौजूद पैशन को स्पष्ट तौर पर समझने में मदद की है.उन्होंने कहा, वैश्विक रूप से क्रिकेट के विकास में एसोसिएट क्रिकेट का विकास अहम है. नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने दिखाया है कि विश्वास, अनुशासन और निडरता से क्या हासिल किया जा सकता है. कनाडा के पास भी ऐसा ही मौका है, और मेरा फोकस एक ऐसी संस्कृति बनाने पर होगा जो इस क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रदर्शन में बदल दे.क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अरविंदर खोसा ने कहा, हमारी सबसे पहली प्राथमिकता, प्रोफेशनलिज्म और लक्ष्य की एक नई और मजबूत भावना के जरिए क्रिकेट कनाडा की पहचान को फिर से बनाना है. मोंटी देसाई की नियुक्ति इसी उद्देश्य के साथ की गई है. एसोसिएट देशों, खासकर नेपाल और अफगानिस्तान के साथ उनका अनुभव, प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन और एक साफ लंबी अवधि के जरिए टीमों को बदलने की उनकी काबिलियत दिखाता है. हमें भरोसा है कि उनके नेतृत्व में कनाडा क्रिकेट टीम तरक्की करेगी.क्रिकेट कनाडा के सचिव परमजीत सैनी ने कहा, हम क्रिकेट कनाडा में मोंटी का दिल से स्वागत करते हैं. नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों के साथ उनका ट्रैक रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है. उन्होंने एसोसिएट देशों को कॉम्पिटिटिव ताकत बनने में मदद की है, और हम कैनेडियन क्रिकेट को ऊपर उठाने के लिए मिलकर काम करते हुए पूरा समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीएनबी: 2 लाख रुपए जमा करने पर सीधे मिलेंगे 3 लाख

नई दिल्ली। पिछले साल के मुकाबले भले ही इस साल फिक्स्ड डिपॉजिट पर ब्याज दरें थोड़ी कम हुई हों, लेकिन ग्राहकों के लिए बिना जोखिम के शानदार कमाई के मौके अब भी पूरी तरह बरकरार हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने की शुरुआत में हुई एमपीसी की बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव न किए जाने के बाद, सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंक पंजाब नेशनल बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए खजाना खोल दिया है। बैंक एफडी पर एक ऐसा शानदार ऑफर लेकर आया है, जिसमें गारंटी के साथ भारी-भरकम फिक्स ब्याज मिल रहा है।444 दिनों की एफडी पर मिल रहा है 7.40 प्रतिशत का छप्परफाड़ ब्याजपंजाब नेशनल बैंक अपने ग्राहकों की जरूरत और सहूलियत के हिसाब से महज 7 दिन से लेकर अधिकतम 10 साल तक की एफडी खुलवाने की शानदार सुविधा दे रहा है। बैंक की इन अलग-अलग अवधि वाली एफडी पर 3.00 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। सबसे ज्यादा फायदा उन ग्राहकों को हो रहा है जो 444 दिनों वाली एफडी स्कीम में अपना पैसा लगा रहे हैं, क्योंकि बैंक इस विशेष अवधि के लिए सबसे अधिक 6.60 प्रतिशत से लेकर 7.40 प्रतिशत तक का बंपर ब्याज दे रहा है। इसके अलावा 5 से 10 साल तक की लंबी अवधि के निवेश पर भी 6.00 से 6.80 प्रतिशत का बढ़िया रिटर्न दिया जा रहा है।अगर आप बिना कोई रिस्क उठाए एकमुश्त बड़ी कमाई करना चाहते हैं, तो पीएनबी की 6 साल की एफडी स्कीम आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। मान लीजिए कि आप एक आम नागरिक के तौर पर इस स्कीम में 2 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो मैच्योरिटी पूरी होने पर आपको कुल 2,85,901 रुपये मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि इस कुल रकम में 85,901 रुपये तो सिर्फ आपके फिक्स ब्याज के होंगे, जो आपकी शुद्ध कमाई है।

अमेरिकी फेड के फैसले से पहले सोना और चांदी में मामूली तेजी

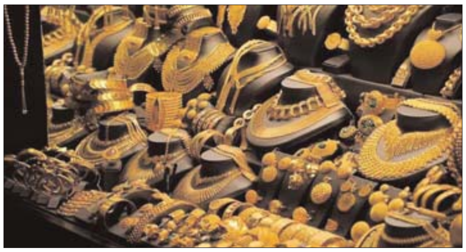

मुंबई। अमेरिकी फेड के फैसले से पहले बुधवार को सोना और चांदी मजबूती के साथ खुले। इस दौरान दोनों कीमती धातुओं में एक सीमित दायरे में कारोबार देखा गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,50,027 रुपए के मुकाबले 693 रुपए या 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,50,720 रुपए पर खुला। हालांकि, 9ः55 पर यह 19 रुपए या 0.01 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,50,008 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,49,720 का न्यूनतम स्तर और 1,51,527 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,42,763 रुपए के मुकाबले 826 रुपए या 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,43,589 रुपए पर था। खबर लिखे जाने तक यह 712 रुपए या 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,43,475 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,972 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,43,835 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में भी तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। सोना 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,616 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.81 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73.81 डॉलर प्रति औंस पर थी।

जानकारों के मुताबिक, ब्याज दरों पर अमेरिकी फेड का फैसला देर रात आएगा। यह फैसला ऐसे समय पर आ रहा है, जब कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने के कारण महंगाई का खतरा बना हुआ है। अगर ब्याज दरों को बढ़ाने को लेकर फेड की टिप्पणी करता है तो यह सोने के लिए नकारात्मक हो सकता है और इससे आने वाले समय में कीमतों में दबाव देखने को मिल सकता है। वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने और चांदी ने बीते एक साल में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। इस दौरान डॉलर में सोने ने करीब 40 प्रतिशत और चांदी ने 120 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ठप हो सकती हैं हवाई उड़ानें

नई दिल्ली। आसमान में सफर करने वालों के लिए डराने वाली खबर सामने आई है। जेट फ्यूल (ञ्जस्न) की लगातार बढ़ती कीमतों ने भारत की बड़ी एयरलाइन कंपनियों की टेंशन को चरम पर पहुंचा दिया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि अगर जल्द ही कोई सुधार नहीं हुआ, तो देश में फ्लाइट सर्विस के पूरी तरह से ठप होने का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। भारत की शीर्ष एयरलाइन कंपनियों जिसमें एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं, उनका प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर एक बेहद गंभीर चेतावनी जारी की है और उड़ानों को जारी रखने के लिए तत्काल मदद की गुहार लगाई है।संकट की भयावहता को बयां करते हुए एफआईए ने सरकार को बताया है कि मौजूदा समय में भारतीय एयरलाइन इंडस्ट्री भयानक दबाव से गुजर रही है और यह पूरी तरह से बंद होने या अपना कामकाज रोकने की कगार पर पहुंच चुकी है। संगठन के मुताबिक, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ञ्जस्न) की कीमतें इतनी ज्यादा अनिश्चित हो गई हैं कि इसका एयरलाइन कंपनियों के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह के ऑपरेशंस पर बेहद विनाशकारी असर पड़ रहा है। लगातार बदलते दामों ने एयरलाइंस के रूट का पूरा अर्थशास्त्र ही बिगाड़ कर रख दिया है और उन्हें अपने नेटवर्क की व्यावहारिकता पर दोबारा विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। एफआईए ने मौजूदा एड-हॉक प्राइसिंग सिस्टम की कड़ी आलोचना करते हुए बताया है कि विदेशी उड़ानों के कामकाज के लिए एटीएफ की कीमतों में अचानक 73 से 75 रुपये प्रति लीटर तक की भारी-भरकम बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

टेस्ट में भारत तीसरे स्थान पर पहुंचा, शीर्ष में ऑस्ट्रेलिया

नईदिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सालाना टेस्ट टीम रैंकिंग की घोषणा की है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम को फायदा हुआ है। टेस्ट प्रारूप में भारतीय टीम तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम पहले स्थान पर मौजूद है। बता दें कि पिछले साल भी टेस्ट में कंगारू टीम शीर्ष पर मौजूद थी। आइए पूरी रैंकिंग पर नजर डालते हैं।

मई 2025 में घोषित हुई सालाना टीम रैंकिंग में भारतीय टेस्ट टीम चौथे स्थान पर थी। ऐसे में इस साल जारी हुई रैंकिंग में भारत को एक पायदान का फायदा हुआ है। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टेस्ट टीम के अब 104 अंक है। दूसरे स्थान पर काबिज दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के अब 109 अंक है। वहीं, अपना दबदबा स्थापित करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के अब 131 अंक है। टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड चौथे, न्यूजीलैंड पांचवें और पाकिस्तान छठे स्थान पर मौजूद है। पाकिस्तान को पिछले साल की तुलना में एक पायदान का फायदा हुआ है, जबकि इंग्लैंड को एक पायदान का नुकसान हुआ है। इसके बाद अगले 3 स्थानों पर क्रमशः श्रीलंका, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश की टीमें हैं।

वैभव का विकेट लेना पड़ा भारी, जैमीसन को मिला एक डिमेरिट अंक

नईदिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में वैभव सूर्यवंशी शानदार फॉर्म में चल रहे हैं. हर टीम के खिलाफ उनके बैट से रन निकले हैं. इसी वजह से वो इस सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल हैं.

वैभव अपने प्रदर्शन से ये साबित कर दिया है कि वो अकेले ही मैच का रुख बदल सकता है. जारी टूर्नामेंट वैभव ने दो बार 15 गेंद में फिफ्टी और 36 गेंद में सेंचुरी भी जड़ चुके हैं. इसी वजह से उनका विकेट विरोधी टीम के लिए बड़ा और अहम विकेट बन जाता है.

लेकिन जब दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने पहली गेंद पर चौका खाने के बाद दूसरी ही गेंद पर वैभव को क्लीन बोल्ड कर दिया तो पूरी टीम जश्न मनाने लगी. तेज गेंदबाज ने इस दौरान आक्रामक जश्न मनाया. जिसकी वजह से उनपर बीसीसीआई ने एक्शन भी लिया है.

आईपीएल ने एक बयान में कहा, काइल जैमीसन को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो ऐसी भाषा, कार्यों या हाव-भाव का उपयोग करने से संबंधित है जो अपमानजनक हों या जो मैच में किसी अन्य खिलाड़ी से आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकें. इस वजह से जैमीसन को एक डिमेरिट पॉइंट और चेतावनी दी गई हैं. जैमीसन ने अपने अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी राजीव सेठ द्वारा दी गई सजा को मान लिया.दरअसल ये घटना दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीज 1 मई को खेले गए मैच के दौरान हुई. जब 15 वर्षीय सूर्यवंशी को आउट करने के बाद जैमीसन ने काफी जोश भरा जश्न मनाया. वैभव को आउट करने के बाद, जैमीसन ने उस युवा खिलाड़ी के सामने आक्रामक तरीके से ताली बजाई और उन्हें तीखे अंदाज में मैदान से बाहर भेजा. वैभव केवल 4 रन ही बना सके थे.मुकाबले की प्रकृति को देखते हुए ऐसा उत्साह स्वाभाविक था. हालांकि, सोशल मीडिया पर कई प्रशंसकों से इस कार्रवाई पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं।

मैंने ठान लिया उन लोगों को गलत साबित करना है: श्रेयस

नईदिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया कि शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर हुई आलोचना उनके लिए प्रेरणा का एक बड़ा जरिया बन गई. जिसने आईपीएल 2026 के दौरान एक बल्लेबाज के तौर पर उनकी सोच और खेलने के तरीके, दोनों को आकार दिया. अय्यर ने माना कि शॉर्ट गेंदों को संभालने की उनकी काबिलियत पर उठाए गए सवालों ने उन्हें और ज्यादा मेहनत करने और अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया.

अय्यर ने बताया, लोगों ने कहा था कि मैं अपनी शॉर्ट-बॉल की समस्या कभी ठीक नहीं कर पाऊंगा. यही बात मुझे ट्रीगर कर गई, जिसके बाद मैंने ठान लिया की अच्छा प्रदर्शन करके उन्हें गलत साबित करना है. इसलिए, मैंने इस पर कड़ी मेहनत की। अय्यर ने कहा, पहले, मैं शॉर्ट गेंद पर बस एक रन लेता था या गेंद को नीचे रखने की कोशिश करता था. लेकिन अब मेरी सोच बदल गई है और अगर मुझे अपनी रेंज में कोई शॉर्ट गेंद दिखती है, तो मैं उसे छक्के के लिए मारता हूं. मैं प्रवीण आमरे के साथ काम करता हूं. मैं बचपन से ही उनके साथ हूं।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर, अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी.उबेर कप में 16 बार के चैंपियन

चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया.सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली.सिंधु ने बाद में कहा, यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे.प्रिया कोंजेंगबम और श्रुति मिश्रा पहले युगल मुकाबले में विश्व की नंबर एक जोड़ी लियू शेंग शू और टैन निंग के सामने नहीं टिक पाईं और 11-21, 8-21 से हार गईं.इशारानी बरुआ ने तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चेन युफेई के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन विश्व में 38वें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में 20-19 पर एक आसान मौका गंवा दिया. विश्व में चौथे नंबर की खिलाड़ी युफेई ने यह मैच 44 मिनट में 22-20, 21-13 से जीतकर चीन को 3-0 की अजेय बढ़त दिला दी।

नीतू चंद्रा तलाश रहीं अच्छी फिल्में, हॉलीवुड तक के सफर पर बोलीं- काम पर ध्यान

बिहार की एक सीधी-सादी लड़की से हॉलीवुड तक का सफर करने वाली अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अब अच्छी फिल्मों की तलाश है। उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा है कि वे अच्छी फिल्मों की तलाश में हैं और इसमें समय लगता है।

गरम मसाला, ट्रैफिक सिग्नल और ओए लकी! लकी ओए! जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री नीतू चंद्रा ने बताया कि उनका ध्यान हमेशा सार्थक काम पर रहा है, न कि स्टारडम की दूसरी चकाचौंध और अनावश्यक बाहरी दिखावे पर। अपने ब्रेक लेने की धारणा पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया, मैंने कोई ब्रेक नहीं लिया। मैं अच्छी फिल्मों की तलाश करती रहती हूं। उन्होंने आगे कहा, आप यह नहीं समझते कि बिहार से आई एक

लड़की को, जो बिल्कुल साधारण बैकग्राउंड से आती है, हॉलीवुड तक पहुंचने में कितना समय लगा होगा। अपने सफर के बारे में नीतू चंद्रा ने कहा, आज मैं फिर उसी जगह खड़ी हूं, जहां मैं आप सबसे दोबारा मिल पा रही हूं।

मेरे पास एयरपोर्ट लुक्स के लिए समय नहीं है। मेरे पास अपने अगले प्रोजेक्ट पर ध्यान देने का समय है। मैं सही काम चुनने में अपना समय लगाती हूं, ताकि मैं दर्शकों के लिए हमेशा कुछ सार्थक ला सकूं। अपनी मुश्किलों के बारे में बात करते हुए नीतू ने कहा, इसमें बहुत समय लगता है। आपको यह समझना होगा कि अकेले खड़े होने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। एक मिडिल-क्लास जॉइंट फैमिली की लड़की का दुनिया घूमना और यहां तक पहुंचना, अकेले लड़ना आसान नहीं होता। एक्ट्रेस ने कहा कि जिंदगी में और काम के मामले में उनका मकसद हमेशा साफ रहा है। उन्होंने कहा, मेरी जिंदगी का मकसद, मेरा लक्ष्य, हमेशा अच्छा काम करते रहना और दर्शकों का प्यार पाते रहना रहा है। मैं इसी प्यार की वजह से यहां हूं। बताते चलें कि नीतू चंद्रा आने वाली फिल्म खलनायक 2 में संजय दत्त के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

भूत बंगला के 100 करोड़ी बनने पर खुशी से झूमीं गब्बी

वामिका गब्बी की हॉरर कॉमेडी भूत बंगला में अक्षय कुमार के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आई है. उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है और एक न्यू एक्ट्रेस के लिए इससे बड़ी खबर और कोई नहीं हो सकती. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के इस रीयूनियन प्रोजेक्ट ने अपने दूसरे सोमवार तक यह मील का पत्थर हासिल कर लिया, जिसके बाद वामिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जाकर एक प्यारा सा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने अपने फैंस और भूत बंगला की टीम को धन्यवाद दिया. वामिका ने इंस्टाग्राम पर भूत बंगला के सेट से कास्ट और क्रू के साथ बीटीएस तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की, और फिल्म की सफलता का जश्न मनाया. इस सीरीज को एक उन्होंने एक प्यारे से नोट के साथ

जोड़ा, जिसमें उन्होंने डायरेक्टर, एक्टर समेत पूरी टीम का शुक्रियाअदा किया.

वामिका ने अपनी खुशी की असल वजह बताते हुए नोट की शुरुआत में लिखा है, मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म. प्रियदर्शन, अक्षय कुमार, एकता कपूर और पूरी कास्ट और क्रू की आभारी हूं. यह शब्दों से परे है. इन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ दे दिया. भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है.

दर्शकों का शुक्रियाअदा करते हुए एक्ट्रेस ने आगे लिखा है, इसे देखने, इसे महसूस करने, और धीरे-धीरे इसके लिए... और मेरे लिए जगह बनाने के लिए दर्शकों का धन्यवाद. यहां का हर कदम कमाया हुआ, सीखा हुआ और दिल से महसूस किया हुआ है. यह तो बस शुरुआत है. मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी, हमेशा. भूत बंगला के कलेक्शन के बारे में बात करें तो यह फिल्म 200 करोड़ के करीब पहुंच गई है.

मेकर्स द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के अनुसार, भूत बंगला ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 197.95 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है ।

न्यूज गैलरी

1333 करोड़ स्वीकृत, श्रमिकों के खातों में पहुंचने लगी मजदूरी

रायपुर/नवप्रदेश। ग्रामीण विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत राज्य को 1,333 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस फैसले से प्रदेश के लाखों श्रमिकों और ग्रामीण परिवारों को सीधा लाभ मिलने लगा है। रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार, ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जारी इस फंड में से 800 करोड़ रुपए से अधिक राशि मजदूरी भुगतान के लिए निर्धारित की गई है। अब तक 212 करोड़ रुपए सीधे श्रमिकों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं, जिससे ग्रामीणों को त्वरित आर्थिक राहत मिल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण अधोसंरचना और रोजगार सृजन को प्राथमिकता दे रही है। इस वित्तीय सहायता से जहां विकास कार्यों में तेजी आएगी, वहीं गरीब परिवारों को स्थायी आर्थिक संबल भी मिलेगा। मजदूरी का भुगतान प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है। शेष राशि का वितरण भी चरणबद्ध तरीके से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही 'मोर गांव मोर पानी' अभियान के तहत डबरी, नवा तरिया और अन्य जल संरक्षण कार्यों पर विशेष जोर दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ-साथ जल संसाधनों का भी संरक्षण हो सके।

खेल मैदान व गार्डन की मांग नहीं हुई पूरी, पेयजल की भी समस्या

रायपुर/नवप्रदेश। शहर के वार्ड क्रमांक 29 गुरु गोविंद सिंह वार्ड के अंतर्गत बेहरा कालोनी, जगन्नाथ नगर, ताज नगर, मयूर बल्ब, खादी ग्राम उद्योग के क्षेत्र आते हैं। इस वार्ड में रहने वाले लोग इन खेल मैदान व गार्डन न होने से परेशान हैं। वार्ड वासियों का कहना है कि उनके वार्ड में बच्चों के खेलने के लिए कोई खेल मैदान नहीं है। साथ ही सुबह व शाम के समय टहलने के लिए गार्डन नहीं है। जिसके कारण उन्हें सड़कों पर चलना पड़ता है। उनके वार्ड में जनसंख्या के हिसाब से खेल मैदान व गार्डन नहीं है। ऐसे में वार्डवासियों की मांग है कि यहां एक खेल मैदान व गार्डन बनाया जाए। इसे लेकर वार्डवासी पार्षद को आवेदन पत्र भी दे चुके हैं। इसके अलावा यहां पेयजल को लेकर भी समस्या है। नलों से पर्याप्त पानी नहीं आ रहा है। पेयजल व्यवस्था को सुधारने के लिए निगम मुख्यालय में आवेदन दिया गया। मगर अब तक सुधार नहीं हुआ है। वार्ड पार्षद कौशल बेहरा का कहना है कि वार्ड में खेल मैदान और गार्डन बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है। मंजूरी मिलने के बाद निर्माण करवाया जाएगा।

सुशासन तिहार की लोकप्रियता से कांग्रेस में खलबली: देवलाल ठाकुर

रायपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित 'सुशासन तिहार' को मिल रहे जन-समर्थन से कांग्रेस में खलबली मच गई है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि पिछले ढाई साल के पारदर्शी और जवाबदेह शासन का रिपोर्ट कार्ड है। महतारी वंदन योजना, किसानों को धान का बकाया बोनस और रामलला दर्शन जैसी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन ने कांग्रेस के झूठ के पुलिंदे को गिरा दिया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता अब कुंठा में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। पांच साल तक छत्तीसगढ़ को भ्रष्टाचार का गढ़ बनाने वाले आज सुशासन शब्द से ही घबरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में 'कुशासन और कमीशनखोरी' का बोलबाला था, जबकि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में आज अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के पहुंच रहा है।

ट्रैक में काम: विदर्भ एक्सप्रेस आंशिक रद्द, 4 को चार पैसेंजर ट्रेनें नहीं चलेंगी

रायपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर और सम्बलपुर मंडल में चल रहे अधोसंरचना विकास कार्यों के कारण ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किए गए हैं। गोंदिया स्टेशन पर ट्रैक आधुनिकीकरण के चलते विदर्भ एक्सप्रेस को आंशिक रूप से नागपुर तक सीमित किया गया है, वहीं बलांगीर-सम्बलपुर सेक्शन में ब्लॉक के कारण 4 मई को चार पैसेंजर ट्रेनें रद्द रहेंगी। नागपुर मंडल के गोंदिया स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक-4 (लाइन नंबर 6) में वॉशेबल एप्रन हटाकर बैलेस्टेड ट्रैक में परिवर्तन का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के चलते गाड़ी संख्या 12105 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल-गोंदिया विदर्भ एक्सप्रेस 2 मई से 22 मई 2026 तक कुल 21 ट्रिप नागपुर स्टेशन पर ही समाप्त होगी और नागपुर-गोंदिया खंड के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

बीमा प्रीमियम के नाम पर 63 लाख ठगे, सेल्स मैनेजर गिरफ्तार

रायपुर/नवप्रदेश। खमतराई इलाके में बीमा प्रीमियम के नाम पर 63 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी करने वाले सेल्स मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने कारोबारी और उसके परिवार से अलग-अलग किश्तों में रकम ली और उसे बीमा कंपनी में जमा करने के बजाय अपने व अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया। पुलिस के अनुसार खमतराई निवासी कारोबारी अमन अग्रवाल परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने जीवन बीमा पॉलिसी ली हुई थी और हर माह प्रीमियम की राशि आईसीआईसीआई के सेल्स मैनेजर मयूरा बारमेडा को देते थे। आरोपी ने भरोसा जीतकर लंबे समय तक उनसे रकम ली, लेकिन उसे कंपनी में जमा नहीं किया। जब कारोबारी पॉलिसी से जुड़ी राशि निकालने पहुंचे, तब खुलासा हुआ कि उनके नाम पर प्रीमियम जमा ही नहीं हुआ है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने धीरे-धीरे पूरी रकम अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दी और उसे निजी कामों में खर्च कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मस्ती की पाठशाला में उत्साह: बच्चों-युवाओं ने खेल, योग और जुम्बा से की दिन की शुरुआत

महापौर मधुसूदन ने दिलाई स्वच्छता की शपथ, हर रविवार होगा आयोजन

राजनांदगांव/नवप्रदेश। नगर निगम द्वारा शहरवासियों को मोबाइल की दुनिया से बाहर निकालकर प्रकृति और स्वास्थ्य से जोड़ने के उद्देश्य से रविवार सुबह चौपाटी के पास ÷मस्ती की पहली पाठशाला÷ का आयोजन किया गया। इस अनूठे आयोजन में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह 5:30 बजे से शुरू हुई इस पाठशाला में परिवार सहित पहुंचे लोगों ने भारतीय पारंपरिक खेल, योग, जुम्बा डांस और विभिन्न गतिविधियों का आनंद लिया। कार्यक्रम में महापौर मधुसूदन यादव ने उपस्थित जनों को स्वच्छता अपनाने की शपथ दिलाई।

महापौर ने कहा कि शहरवासियों ने पहले ही दिन जिस उत्साह के साथ भाग लिया, वह सराहनीय है। आज के समय में जहां बच्चे और युवा मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, वहीं उनका सुबह स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिए इस तरह एकत्रित होना सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि नागरिकों की मांग पर इस पहल को बजट में शामिल कर शुरू किया गया है और गर्मी की छुट्टियों में हर रविवार इसका आयोजन किया जाएगा।

आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि ÷मस्ती की पाठशाला÷ हर रविवार सुबह 5:30 से 7:30 बजे तक आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि पहले आयोजन में मिली प्रतिक्रिया के आधार पर आगे और बेहतर व्यवस्थाएं की जाएंगी।

कार्यक्रम की शुरुआत योग सत्र से हुई, जिसमें पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद तीरंदाजी, रस्साकसी, बैडमिंटन, कराटे और सांप-सीढ़ी जैसे खेलों में बच्चों और युवाओं ने हिस्सा लिया। यामिनी क्रीड़ा केंद्र द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 200 बच्चों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता दिखाई।

वहीं, बाडी टेक जिम के सदस्यों के साथ संगीतमय जुम्बा डांस ने माहौल को और भी ऊर्जावान बना दिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी लोक गायक कार्तिक यादव ने अपनी प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध किया और छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में महापौर ने सभी को स्वच्छता का संकल्प दिलाते हुए घर, मोहल्ले और शहर को स्वच्छ रखने, गीला-सूखा कचरा अलग करने और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की अपील की। इस सफल आयोजन में पतंजलि योग समिति, बाडी टेक जिम, साई संस्था, ब्लड डोनर संघ, यामिनी कला केंद्र और विभिन्न खेल संगठनों का सहयोग रहा। बड़ी संख्या में पार्षदों सहित शहरवासियों ने परिवार के साथ भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया।

महासमुंद में एलपीजी घोटाला: 'सुरक्षा' के नाम पर सबसे बड़ी सेंध, सरकारी गैस पर डाका

90 मीट्रिक टन गैस 'हजम' सिस्टम को बना दिया ठिकाना!

जीपीएस ने उगलवाया सच, कर्मचारियों ने खोली पोल

महासमुंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एलपीजी का एक बड़ा और चौंकाने वाला घोटाला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सुरक्षित रखने के लिए सुपुर्द किए गए करीब 90 मीट्रिक टन एलपीजी को योजनाबद्ध तरीके से अवैध रूप से बेच दिया गया। इस गबन की अनुमानित कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सुपुर्दगी के नाम पर खेला गया बड़ा खेल: पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के अनुसार, 30 मार्च 2026 को सिंघोड़ा थाना क्षेत्र से 6 एलपीजी कैप्सूल ट्रक को अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रोकेमिकल प्लांट में सुरक्षित रखने के लिए भेजा गया था। लेकिन आरोपियों ने सुरक्षा के बजाय इसे कमाई का जरिया बना लिया।

6 दिनों में खाली कर दिए 6 कैप्सूल: जांच में खुलासा हुआ कि 31 मार्च से 6 अप्रैल के बीच सुनियोजित तरीके से सभी कैप्सूल खाली कर दिए गए। आरोपियों ने 31 मार्च को 2 कैप्सूल से गैस निकाली। इसी तरह 1 अप्रैल को 1 कैप्सूल से, 3 अप्रैल को 1 कैप्सूल से और 5 अप्रैल को 2 कैप्सूल से यानी हर कैप्सूल से औसतन 17 टन गैस निकाली गई।

जीपीएस ने खोली पोल, कर्मचारियों ने उगले राज: कैप्सूल में लगे जीपीएस सिस्टम से पूरी गतिविधि ट्रैक हुई। पूछताछ में प्लांट कर्मचारियों ने कबूल किया कि उन्होंने यह सब मालिक और मैनेजर के निर्देश पर किया था।

खरीद कम, बिक्री ज्यादा- बड़ा फर्जीवाड़ा: जांच में सामने आया कि अप्रैल महीने में कंपनी ने केवल 47 टन एलपीजी खरीदी, जबकि 107 टन की बिक्री दिखाई गई। यानी 60 टन गैस बिना खरीदे बेची गई, जो साफ तौर पर चोरी की गैस थी। कच्चे बिल और फर्जी रजिस्टर के जरिए इस अवैध कारोबार को छिपाया गया।

रायपुर की 8 एजेंसियां भी शक के घेरे में: इस घोटाले की आंच रायपुर तक पहुंची है। 8 गैस एजेंसियों पर चोरी की एलपीजी खरीदने का आरोप है। इनमें से 6 एजेंसियों ने 4 से 8 टन गैस कच्चे बिल पर खरीदी की है।

वजन नहीं कराया, बाद में बनाए फर्जी दस्तावेज: घोटाले को अंजाम देने के लिए एक बड़ी चाल चली गई। सुपुर्दगी के तुरंत बाद कैप्सूल का वजन नहीं कराया गया। 200 किमी के दायरे में धर्मकांटे होने के बावजूद अनदेखी की गई। 6 से 8 दिन बाद वजन कर फर्जी रिकॉर्ड तैयार किए गए।

सीसीटीवी से छेड़छाड़, दस्तावेज गायब: जांच में यह भी सामने आया कि सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की गई है। इसके अलावा महत्वपूर्ण दस्तावेज और रजिस्टर गायब कर दिए गए। साथ ही आईटी सिस्टम में भी हेरफेर की कोशिश हुई है।

विशेषज्ञों ने खारिज किया 'लीकेज' का दावा: राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की जांच में स्पष्ट हुआ कि कैप्सूल पूरी तरह सुरक्षित थे और इतनी बड़ी मात्रा में गैस का लीकेज होना असंभव है। इससे यह साफ हो गया कि गैस जानबूझकर निकाली गई।

एक गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार: पुलिस ने इस मामले में अभनपुर निवासी निखिल वैष्णव (41) को गिरफ्तार किया है। वहीं, मुख्य आरोपी संतोष सिंह ठाकुर (मालिक) समेत अन्य डायरेक्टर और मैनेजर फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने इस मामले में 7 एलपीजी टैंकर, 4 बड़े बुलेट टैंक, 100 गैस सिलेंडर, कंप्यूटर, डीडीआर और दस्तावेज जब्त किए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 316(3), 61, 238, आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 और 7, साथ ही आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

प्रशासनिक चूक या संगठित सिंडिकेट? सरकारी सुपुर्दगी में रखी गई गैस का इस तरह गबन होना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि एक बड़े एलपीजी ब्लैक मार्केटिंग सिंडिकेट की ओर भी इशारा करता है। जांच आगे बढ़ने पर और भी बड़े खुलासे होने की संभावना है। यह मामला केवल गबन नहीं, बल्कि सिस्टम की कमजोरियों और मिलीभगत का गंभीर उदाहरण है, जहां सुरक्षा की जिम्मेदारी ही सबसे बड़ा खतरा बन गई।

बाबू खेमानी का भाई गिरफ्तार, सट्टा नेटवर्क में खाता-सिम उपलब्ध कराने का खुलासा

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में ऑनलाइन सट्टेबाजी के बड़े नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सटोरिए बाबू खेमानी उर्फ गुलशन के भाई संदीप इसरानी को महासमुंद से गिरफ्तार किया है। उसके साथ मानसून रजा को भी पकड़ा गया है, जो कमीशन के आधार पर काम करता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि संदीप इसरानी कूलर और एसी के कारोबार की आड़ में सट्टा कारोबारियों के लिए बैंक खाते और सिम कार्ड उपलब्ध कराता था। इसके जरिए सट्टेबाजी से जुड़े पैसों का लेनदेन संचालित किया जाता था। ÷श्री स्टेप्स सट्टा÷ एप पर प्रदर्शित मोबाइल नंबर भी संदीप का ही बताया गया है। जानकारी के अनुसार, महासमुंद के मचेवा निवासी संदीप इसरानी उर्फ गोलू (40) की खुद की दुकान है, जहां स्टेशनपारा निवासी मानसून रजा (23) काम करता था। संदीप, बाबू खेमानी का फुफेरा भाई है और उसे सट्टा नेटवर्क के लिए बैंक खातों और सिम कार्ड की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। तकनीकी जांच के दौरान पुलिस को फाइनेंशियल ट्रेल मिला, जिसके आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं और उनकी गहन तकनीकी जांच की जा रही है।

नहीं थम रहा नशे का कारोबार गांजा बेचते 2 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा/नवप्रदेश। जिले में चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना कोतवाली और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने राताखार बाईपास क्षेत्र में दबिश देकर गांजा बिक्री कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक अवैध रूप से गांजा बेचने की तैयारी में हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 1.05 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविशंकर तंरचनज (25) निवासी कचनारीपारा और रवि वर्मा (32) निवासी एमपी नगर राताखार के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ छक्कै् ।बज की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत जिले में नशे के कारोबार पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। पुलिस ने साफ कहा है कि मादक पदार्थों के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

भाठागांव चौक पर महिला से लूट, पर्स छीनकर भागे लुटेरे

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के भाठागांव चौक पर दिनदहाड़े एक महिला से लूट की वारदात सामने आई है। बाइक सवार दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला का पर्स छीन लिया और फरार हो गए। पर्स में 10 हजार रुपए नकद, मोबाइल और दवाइयां रखी थीं। पुलिस के अनुसार मठपारा निवासी कमला उपाध्याय दतरेंगा में दवाइयां देने जा रही थीं। वह जैसे ही भाठागांव चौक से आगे बढ़ीं, पीछे से बाइक पर सवार दो लुटेरे पहुंचे और झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया। अचानक हुई घटना से महिला घबरा गईं और मोपेड से गिरते-गिरते बचीं। उन्होंने शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

गहने गायब होने पर एफआईआर नहीं अब उपभोक्ता आयोग का सख्त आदेश

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के एक प्रतिष्ठित सैलून में फेशियल कराने गई महिला के गहने गायब होने के मामले में उपभोक्ता आयोग ने सैलून प्रबंधन को कड़ी फटकार लगाते हुए मुआवजा देने का आदेश दिया है। आयोग ने महिला को गहनों की कीमत के रूप में 1.50 लाख रुपए 6 वार्षिक ब्याज सहित लौटाने और मानसिक कष्ट के लिए 5 हजार रुपए अतिरिक्त देने का निर्देश दिया है।

मामले के अनुसार, मिलन बग्गा 15 नवंबर 2022 को मेसर्स कैफेटो सलून्स एंड स्पा में फेशियल कराने गई थीं। प्रक्रिया शुरू होने से पहले सैलून स्टाफ ने उन्हें सोने की चेन और हीरे का

लॉकेट उतारने को कहा और पास रखी ट्रे में रखने की सलाह दी। फेशियल के बाद घर पहुंचने पर उन्हें गहनों की याद आई।

रात करीब 9:40 बजे जब वे सैलून लौटीं, तो वहां मौजूद मैनेजर और स्टाफ ने गहनों के बारे में कोई जानकारी होने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन गहनों का कोई पता नहीं चल सका और एफआईआर दर्ज नहीं होने से मामला लंबित रहा। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता आयोग का रुख किया। सुनवाई के दौरान आयोग के अध्यक्ष जाकेश्वर प्रसाद शर्मा और सदस्य निरुपमा प्रधान व अनिल कुमार अग्निहोत्री की पीठ ने स्पष्ट कहा कि जब सैलून स्टाफ ने खुद ग्राहक को कीमती गहने उतारने की सलाह दी, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सैलून की जिम्मेदारी बनती है। गहनों का गायब होना सेवा में गंभीर लापरवाही और अनुचित व्यापारिक व्यवहार है। आयोग ने अपने आदेश में सैलून प्रबंधन को निर्धारित राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं, जिससे उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा का संदेश भी गया है।

भोरमदेव मंदिर के समीप करियाआमा से शुरू होगी 36 किमी की जंगल सफारी

कवर्धा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में प्रकृति और रोमांच के संगम के रूप में विकसित भोरमदेव जंगल सफारी का आज शुभारंभ हुआ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद संतोष पाण्डेय ने फीता काटकर इस परियोजना का लोकार्पण किया। लगभग 36 किलोमीटर का यह जंगल सफारी वनों, पहाड़ियों और जैव विविधता के बीच पर्यटकों को न केवल रोमांचक अनुभव देगी, बल्कि छत्तीसगढ़ को प्राकृतिक सौंदर्य के बीच इको-टूरिज्म के नक्शे पर नई पहचान भी मिलेगी। करीब 352 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस अभयारण्य में 36 किलोमीटर लंबा जंगल सफारी रूट तैयार किया गया है। सफारी का मुख्य प्रवेश द्वार भोरमदेव मंदिर के समीप करियाआमा क्षेत्र में बनाया गया है।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा नेचर गाइड को जिप्सी की चाबी एवं टेंट कैंपिंग सामग्री प्रदान की गई तथा महिला स्व-सहायता समूहों को बर्तन किट वितरण किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा दूरदूरी जलप्रपात तक सफारी भ्रमण किया गया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भोरमदेव जंगल सफारी घने जंगलों के बीच विकसित एक रोमांचक और अद्वितीय पर्यटन स्थल है, जहां पर्यटक प्रकृति परिवेश में खुले वातावरण में वन्यजीवों को नजदीक से देख सकेंगे। उन्होंने इस क्षेत्र के मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थान प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। विशेष रूप से, स्थानीय युवक-युवतियों पर्यटकों के लिए गाइड के रूप में कार्य कर सकेंगे, जिससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जंगल, जल और पहाड़ सदैव से दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते रहे हैं और यही किसी भी क्षेत्र को एक प्रमुख पर्यटन केंद्र बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि छत्तीसगढ़, विशेषकर भोरमदेव क्षेत्र, प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है, जहाँ के घने जंगल, पर्वत और सुरम्य दृश्य पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं। उन्होंने कहा कि भोरमदेव जंगल सफारी का निर्माण अत्यंत आकर्षक और व्यवस्थित तरीके से किया गया है, जिससे यहाँ आने वाले पर्यटक प्रकृति के बीच एक यादगार अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कबीरधाम जिले को एक बड़ी सौगात मिली है। भोरमदेव अभयारण्य क्षेत्र में भोरमदेव जंगल सफारी की शुरुआत पर्यटन और क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भगवान भोरमदेव, जिन्हें पशुपति के रूप में भी जाना जाता है, उनकी पावन भूमि पर स्थित यह क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव संपदा से समृद्ध है। सफारी प्रारंभ होने से अब प्रदेश सहित अन्य राज्यों से भी पर्यटक यहाँ आकर विभिन्न वन्यजीवों और प्राकृतिक वैभव का अनुभव कर सकेंगे। सांसद पाण्डेय ने भोरमदेव जंगल सफारी के शुभारंभ पर सभी जनप्रतिनिधियों, वन विभाग और क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पहल निश्चित रूप से कबीरधाम को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com